

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 17] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 28, 1979 (वैशाख 8, 1901) No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 28, 1979 (VAISAKHA 8, 1901)

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

माग 111-वन्द 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा ग्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 मार्च 1979

सं० ए० 12019/1/75-प्रणा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग एतबद्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में निम्नलिखित सहायक श्रधीक्षकों (हाल०) को श्रायोग के कार्यालय में श्रनुभाग श्रक्षिकारी (त० लं०) के पद पर तदर्थ श्राधार पर 2-3-1979 से 31-5-1979 तक श्रथवा, श्रागामी श्रादेण तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्री एस० पी० बन्सल
- 2. श्री एम० एम० शर्मा
- 3. श्री बी० ग्रार० गुप्ता

एस० बालचन्द्रन श्रवर मचिव, हुते मचिव, मंघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 22 मार्च 1979 सं० ए० 12019/1/75-प्रशा०-II---प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग एतदब्रारा संघलोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में 1---36GI/79 निम्नलिखित श्रधीक्षकों (हाल०) को ग्रायोग के कार्यालय में सहायक नियन्द्रक (तथ्य संगाधन) के पद पर स्थानापन्न रूप से तद्दर्थ ग्राधार पर कार्य करने के लिये 2-3-1979 से 31-5-79 तक, ग्रयवा ग्रगामी श्रादेण तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करने हैं।

- 1. श्री जे० एल० कपूर
- 2. कु० मन्तोष हांडा

एस० बालचन्द्रन ग्रवर सचिव कृते श्रध्यक्ष संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 मार्च 1979

सं० ए० 32013/1/79-प्रणा०-I----मंघ लोक सेवा म्रायोग के कार्यालय के निम्नलिखित म्रधिकारियों को, राष्ट्रपति, द्वारा प्रत्येक के मामने निर्दिष्ट श्रवधिके लिये, श्रथवा म्रागामी म्रादेश, तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय यनिवालय सेवा के ग्रेड I में

(3185)

तदर्थ आधार पर भ्रवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

क्रम नाम सं०

- श्री बी० बी० मेहरा (के०स० स्टे०स० के ग्रेड क के स्थायी श्रधिकारी) 1-3-79 से 18-4-79 तक
- 2. श्रीबी०एस० कपूर (के० स० सेवा 1-3-79 से 9-4-79 के अनुभाग श्रधिकारी ग्रेड के क्रूस्थायी तक, श्रधिकारी)।

एस० **बालच**न्द्रन ग्रवर सचिव संघ लोक सेवा आयोग

ग्रवधि

गृह महालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिश्वी, दिनांक 2 श्रप्रैल 1979

मं० ए०-19014/4/78-प्रणा०-5—राष्ट्रपति, ग्रपने प्रसाद से गृह मंत्रालय के केन्द्रीय मिनवालय सेवा संवग के स्थायी धनुभाग अधिकारी श्री रिपुदमन सिंह को दिनांक 16-8-1978 (पूर्वाह्न) से दिनांक 28-12-78 तक केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न प्रणामनिक ग्रिधिकारी के रूप में नियक्त करते हैं।

राष्ट्रपति ग्रपने प्रसाद से केन्द्रीय मिचवालय सेवा के ग्रेड-I ग्रिधिकारी श्री रिपुदमन सिह को दिनांक 29-12-78 से ग्रगले ग्रादेश होने तक के लिये केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न प्रशासन ग्रिधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

> सतीश कुमार झा उपनिदेशक (प्रशा०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई घिल्ली, दिनांक 4 अप्रैल 1979

सं० पी० एफ० |पी०-91| 70-प्रणा०-I—-पिष्यम बंगाल राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर पिष्यम बंगाल राज्य पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त श्री पी० एस० चटर्जी, को दिनांक 12-3-1979 के अपराह्म में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, श्राधिक अपराध स्कंध, कलकत्ता में भाषा में अपने पद को कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

जरनैल मिह, प्रशासनिक श्रिधकारी (स्था०) केन्द्रीय प्रत्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1979

सं० ए-19036/13/76-प्रशा०-5—निवेशक, केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस सहानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद द्वारा सीमा सुरक्षा बल के घ्रधिकारी श्री ए० चक्रवर्ती को दिनांक 21-3-1979 के पूर्वाह्न से ग्रगले घ्रादेश तक के लिए केन्द्रीय घन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप-घ्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

रिपुदमन सिंह प्रणासनिक भ्रधिकारी (लेखा) केन्द्रीय भ्रन्वेषण व्यरो

नई विल्ली-110001, विनांक 2 भ्रप्रैल 1979

सं० श्रो० वो०-1052/77-स्थापना—इस महानिदेशालय की श्रिधिसूचना सम संख्या विनांक 3 फरवरी, 1977 के सन्दर्भ में। राष्ट्रपति ने डा० गैतन्जय गुप्ता को जनरल डयूटी आफिसर ग्रेड-I (सहायक कमान्डेंट) के पद पर विनांक 17-1-1977 से 18-2-1977 तक तदर्थ रूप में नियुक्त किया है। यह नियुक्त जनरल डयूटी श्राफिसर ग्रेड-I में उनकी वरिष्ठता को प्रभावित नहीं करेगी।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय, महायक निदेणक (प्रशासन)

महा निरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा वल नई दिल्ली-110019, दिनांक 4 श्रप्रैल 1979

सं० ई-16013(2)/1/78-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, कर्नेल एन० एम० पुरी के स्थान पर श्री एस० के० चटर्जी श्राई० पी० एस० (एम० टी०-एस० पी० एस०) ने 8 मार्च, 1979 के श्रापराह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट फरक्का बांध परियोजना के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया श्रीर कर्नेल एन० एम० पुरी ने होशंगाबाद को स्थान नान्तरित होने पर उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई-38013(2)/1/79-कार्मिक—फरक्का से स्था-नान्तरित होने पर कर्नल एन०एस०पुरी ने 21 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से के० ग्री० सु० ब० यूनिट एस० पी० एम० होशंगाबाद के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 6 अप्रैल 1979

सं० ई-38013(3)/2/78-फार्मिक—कलकत्ता से स्था-नान्तरित होने पर श्री बी० ए० देवाया ने श्री के० ए० बेलियप्पा के स्थान पर 12 फरवरी,1979 के ग्रपराह्म से के श्री अपु व व यूनिट में मोर्मुगोवा पोर्ट ट्रस्ट के सहायक कमां डेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया धीर श्री के ० ए० बेलियप्पा सहायक कमां डेंट ने थुम्बा के लिये स्थानान्तरित होने पर उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> ह्० अपठनीय महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 अप्रैल 1979

सं० 11/66/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के पंजाब संवर्ग के अधिकारी श्री डी० एन० धीर को 31 मार्च, 1979 के श्रपराह्म से ग्रगले श्रादेशों तक पंजाब, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य, निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री डी० एन० धीर का मख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

> पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1979

सं० 48 पी० एस० टी० 4—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्-द्वारा श्री कृष्ण लाल मल्होता, स्थाई अनुभाग अधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, को 19 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से आयोग में स्थानापन्न रूप से ग्रवर सचिव नियुक्त करते हैं।

> ग्रार० के० शर्मा कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

वित्त मंद्रालय ग्राधिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय, देवास, विनांक 27 मार्च 1979

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/79---श्री व्ही० वैकटरमणी, स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (इटेन्लियों) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी ग्रधिकारी (मुद्रण) एवं प्लेट निर्माण (समूह 'ख' राजपित्तत) के रूप में दिनांक 27-3-1979 से तीन माह के वास्ते ग्रथवा इस पद नियमित होने तक, जो भी पहले हो तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

इस तदर्थ नियोजन से नियुक्ति को इस पद पर बने रहने भयवा नियमित नियुक्ति के लिये कोई भोगाधिकार प्रवत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय बिना कोई कारण बताए समाप्त की जा सकती है।

> पी० एस० शिवराम महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग महालेखाकार द्वितीय का कार्यालय स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग कलकत्ता-1, दिनांक 5 फरवरी, 1979

सं० स्था ० ले ०/प्रशासन/ १६ — महालेखाकार द्वितीय, पश्चिम बंगाल ने इस कार्यालय के लेखा परीक्षा विभाग के एक स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री उपेन्द्र नाथ घोसाल को 5 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्म से स्थानीय लेखा परीक्षा, पश्चिम बंगाल में स्थानापन रूप से अगला श्रादेण मिलने तक रु० 840-40-1000-व० रो०-40-12000 के वेतनमान में स्थानीय लेखा, पश्चिम बंगाल का महायक परीक्षक नियुक्त किया गया है।

पी० एन० दत्त चौधुरी स्थानीय लेखा का परीक्षक पश्चिम बंगाल

वाणिज्य, नागरिक ग्रापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 2 ग्राप्रैल 1979 ग्रायात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण (स्थापना)

सं० 6/48 5-58-प्रशासन (राज०)/2637—सेवा निवर्तन की श्रायु होने पर श्री एस० के० मण्डल ने 31 जनवरी 1979 की श्राराह्र से संयुक्त मुख्य नियन्त्रक श्रायात-निर्यात के कार्यालय कलकत्ता में, उप मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/1251/78-प्रशासन (राज०)/2645—मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात एतद् द्वारा श्री ए० के० नूरमुहम्मद को 26-2-79 के पूर्वाह्मसे श्रमला श्रादेश होने तक संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालम, बम्बई में स्थानापन्न रूप से नियन्त्रक श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० नूरमृहम्मद नियमानुार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो-40-1200 के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे !

राजिन्दर सिंह उप-मुख्य नियन्त्रक, श्रायात निर्यात इते, मुख्य नियन्त्रक, श्रायात निर्यात

इस्पात भ्रोर खान मंत्रालय खान विभाग भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 2 भ्रप्रैल 1979

सं०ए-19011/242/78-स्था०ए-संघ लोक सेवा प्रायोग की सिफाणि से राष्ट्रपति श्री विपंकर नाग को दिनांक 14-3-79 के प्रविह्म से श्रागामी स्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियन्त्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं। स० ए-19011 (251)/78-स्था० ए सघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश से श्री शारराय्यर हरिहरन, कार्यालय अधीक्षक ग्रेड-ा, वायु शास्त्र निरीक्षण स्कन्ध, खमारिया, जबलपुर (मध्य प्रदेश) को दिनार 19 मार्च, 1979 के पूर्वाह्म से भारतीय खान ब्यूरों, में स्थानापन्न रूप में प्रशासन श्रीधकारी के पद पर निय्कित को अती है।

दिनार : परिच 1979

सं० ए-190:1/15/71 प्याप्त-ए—लोक उद्यम ब्यूरो, विश्व महालय मे उप मलाहकार (उत्पादन) के पद पर खपा लिए जाने पर, श्री श्राई० एम० श्रागा का भारतीय खान ब्यूरो में, उप खान नियन्त्रक के पद का हक दिनांक 7 मार्च, 1978 से ममाप्त किया जाता है।

स० ए-19011/238/78-स्था०-ए---मघ लोक सेवा आयोग की निकारिण पर राष्ट्रपाते ने एतद्द्वारा श्री डी० के० कुण्ड् महायक खनन भूविज्ञानी, भारतीय खान ब्यूरा, को 26 फरवरी 1979 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर म्थानापन्त रूप से नियुक्त किया है।

> एम० बालगोपाल कार्यालय प्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण कलकत्ता-12, दिनाक 3 श्रप्रैल, 1979

स० एफ० 92-118/76-स्था ्र 5830-- हा० ए० मी० मिश्रा, सहायक प्राणि विज्ञानी, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, कलकत्ता ने राष्ट्रीय विपाणु विज्ञान सम्थान, पूना कं प्रन्तर्गत 1100 क० वेतन पर 1100 क०-50-1600 क० के वेतनमान में विरष्ठ प्रमुसधान प्रधिकारी कं पद पर कार्य भार ग्रहण करने के लिए 15-3-1979 (प्रपराह्म) में भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के महायक प्राणि विज्ञानी के पद से कार्य भार त्याण दिया है।

डा० टी० एन० ग्रनन्तकृष्णन निदेशक भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

श्राकाशवाणी महानिदेणालय नई दिल्ली, दिनाक 4 श्रप्रैल, 1979

स० 5(100) 67-एस-I—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एस० पी० लीखर, प्रसारण, निष्पादक, श्राकाशवाणी, इन्दीर की आकाशवाणी, पोर्ट ब्लेयर में 17 भार्च. 1979 में श्रगले श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

भ्रो० बीं० शर्मा प्रशासन उप निदेशक कृते महानिदेशक नई दिल्ली, दिनांक 7 श्रप्रैल, 1979

स० 10/15/79-एस-III—महानिदेशक श्राकाशवाणी, आकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक के संवर्ग के श्री नजीर अहमद को महायक इंजीनियर सवर्ग में स्थानापन रूप में पदोन्तत करते हैं श्रीर श्रगले श्रादेश होने तक उन्हें 28-2-79 (पूर्वाह्म) म श्राकाशवाणी हैदराबाद में नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी प्रशासन उप निदेशक कृते महा निदेशक

(मिविल निर्माण स्कध)

नई दिल्ली-110001, दिनाक 6 मार्च 1979

म० ए-12023/1/78-सी० डब्ल्य्-Î---महा निदेशक, श्राकाशवाणी, नई दिल्ली श्री विमलकुमार मिह को दिनाक 5 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्म) से रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०,-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से महायक ग्रिभयन्ता (विद्युत) मिविन निर्मण स्कन्ध, श्राकाशवाणी, जालन्धर के पद पर नियुक्त करते हैं।

2 श्री सिंह की नियुक्ति, श्रन्य गतौं के माथ-साथ उनको पहले ही जारी किए गये नियुक्ति पत्न की गतौं द्वारा नियन्त्रित होगी।

एस० रामास्वामी अपर मुख्य श्रभियन्ता (निर्माण) के श्रभियन्ता श्रधिकारी कृते महा निदेशक

सूचना श्रौर प्रमारण मत्नालय विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली-110001, दिनांक 2 श्रप्रैल 1979

मं० ए-12026/5/79-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री डी० एत० धोशाल, वितरण महायक, को श्री ग्रमर मिह, महायक वितरण श्रीधाकारी, जो श्रवकाश पर है, के स्थान पर इस निदेशालय में 14-3-79 (पूर्वाह्न) से तदर्थ श्राधार पर सहायक वितरण श्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 अप्रैल 1979

म० ए० 20012/8/70-प्र० (ए)—विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निदेशक, श्री एम० एम० मेहरा, को इस निदेशालय के कोहीमा स्थित क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय में 5-1-1979 (पूर्वाह्म) से अगले ग्रादेश तक स्थानापन क्षेत्रीय प्रदर्शनी श्रिधकारी के रूप में नियक्त करते हैं।

ग्रार० नारायण उप निदेशक (प्रचार) **इ**स्ते विशापन ग्रीर दृश्य प्रचार निदेशक

सूचना श्रौर प्रसारण मंत्रालय

फिल्म समारोह निदेशालय

नई दिल्ली-11, दिनाक 7 श्रप्रैल 1979

मं० 2/7/78-एफ एफ डी → -एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि फिल्म, ममारोह निदेशालय की अधिसूचना सख्या 2/5/78-एफ एफ डी दिनाक 21 दिसम्बर, 1978 में प्रकाशित राष्ट्रीय फिल्म ममारोह, 1979 की नियमावली के नियम 9 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ने दो राष्ट्रीय जूरियों द्वारा प्रम्तुत की गई सिफारिशों के आधार पर निम्नलिखित फिल्मों/निर्माताओ/निर्देशको/आदिस्टो/तकनी फियनो को पुरस्कार देने का निर्णय किया है, अर्थात् :---

क्रम संख्या	फिल्म कानाम व	भाषा	पुरस्कार पाने वाले का नाम	पुरस्कार
1	2		3	4
			ा. कथा चित्र	
1. व्यापन	प्रभाव वाले स्वस्थ मन	ो <mark>रंजन ग्र</mark> ौर कलात्म	ाक मौन्दर्य वाले सर्वोत्तम कथा चित्र के लिए <u>प</u>	पुर स ्कार
गणदे	वता (गंगला)		. निर्माता	
			सूचना ग्रीर संस्कृति विभाग,	'स्वर्ण कमल'
			पश्चिम बंगाल सरकार,	
			राइटरस बिल्डिंग,	
			कलकत्ता-700001	
			निदेशक	'रजत कमल'
			श्री तरुण मजूमदार,	
			25/4-बी एम० एन० सेन लेन,	
			कलकत्ता-700040।	
-	र एकना प <mark>र सर्वोत्तम</mark> क	था चित्न के लिए पुर		
ग्रहण	(कन्नड़) .	•	. निर्माता	
			मैसर्स हर्ष पिक्चर्स,	'रजतकमल' भ्रौर 30,000 क०
			नं० 94,पहली मेन रोड,	(केवल तीस हजार रु०) का नकद
			हनुमन्थ नगर,बंगलौर-19	पुरस्कार ।
			निदेशक	, ,
			श्रोटी० एस० नागभरण	'रजत कमल' श्रौर 10,000 रु०
			न० 9 श्री राममन्दिरम रोड,	(केवल दस हजार रु०) का नकद
_			वगलींर-560004 ।	पुरस्कार ।
	प्रादेशि ह भाषा में सर्वी र	त्तम कथाचित्र केरि		
दूरत्व	`(बगला)		. निर्माता	(
			थी बुद्धदेव दासगुप्ता,	'रजत कमल' और 10,000 रु० (केवल
			29, जतीन दास रोड	दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार
			कलकत्ता- 7 0 0 0 2 9 नि दे शक	
				'रजत कमल' श्रौर 5,000 ह०
			श्री बुद्धदेव दासगुप्ताः, 29, जतीन दास रोडः,	(केवल पांच हजार रु०) का नकद
			कलकत्ता-700029 ।	पुरस्कार ।
4 x=c===	ा (विक्की) (ज्यान के न	TENT)	निर्माता	3
4. #~Tٍ\	ा(हिन्दी) (जुनून के स	119)	ानमाता श्री बिमल दत्त,	'रजत कमल' ग्रौर 5,000 रु० (केवल
			श्राबमल दत्त, 13-बी,"त्निलोक"	पाच हजार रु०) का नकद पुरस्कार ।
			ाऽ-आ,ाल्लाक डा० श्रम्बेडकर रोड, बादरा,	414 601 (60) 41 144 3 (64) (1
			बम्बई-50	

(1)	(2)	(3)	(4)
		निवेशक श्री बिमल घत्त, 13-बी,''त्रिलोक'' डा० ग्रम्बेडकररोड, बांदरा, बम्बई-50 ।	'रजत कमल' ग्रौर 2,500 ६० (केवल दो हुजार पांच सौ ६०) का नकद पुरस्कार
जुनून (हि	न्दी) (कस्तूरी के साथ)	वस्ब६-50 । निर्माता श्री शशि कपूर, 112-ए एटलस श्रपार्टमेन्ट, हार्कनेस रोड़, बम्बई-400006 निदेशक	'रजत कमल' श्रौर 5,000/- रु० (केवल पांच हजार रु०) का नकव पुरस्कार ।
		श्री प्याम बेनेगल, 103, संगम जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।	'रजत कमल' ग्रौर 2,500/- ६० (केवल दो हजार पांच सौ ६०) का नकद पुरस्कार ।
5. श्रान्डनीटडु <i>र</i>	कलादारुली (कन्नड़) .	 निर्माता मैसर्स एल० एन० कम्बाइनस नं० 4, मालिनी, जौथा कास, लक्ष्मी रोड गान्ति नगर,बंगलौर निवेशक श्री गिरीश करनाड, 	'रजत कमल' भ्रौर 10,000 ६० (केवल दस हजार ६०) का नकद पुरस्कार। 'रजत कमल' भ्रौर 5,000 ६० (केवल
6. थाम्प (मल	यालम)	18, सारस्वतपुर,धारवाङ्-580002 . निर्माता श्री के० रिवन्द्रनाथन, नायर जनरल पिक्चर्स, क्विलों-691001, (केरल) निग्रदेक	पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार। 'रजत कमल' और 10,000 रु०(केवल दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
		श्री जी० श्ररविन्दन, 26/89, उप्पलम रोड, व्रिवेन्द्रम-695001।	'रजत कमल' श्रौर 5,000/- रु० (केवल पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
7. निमाज्जनम	(तेलुगु)	. निर्माता मैसर्स रैंड रोज आटं फिल्मस, नं० 1, जर्नेलिस्ट कालोनी, रोड नं० 3, बंजाराहिल्स, हैद राबाद-500034 निदेशक	'रजत कमल' श्रोर 10,000/- रु० (केवल दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार ।
		श्री बी० एस० नारायण, 2-सी राजाराम कालोनी, कोडमबक्कम, मद्रास-600024	'रजताकमल' ग्रीर 5,000- रु० (केवल पांच हजार रु०) का नवद पुरस्कार।
	ल चित्न के लिए पुरस्कार : कैलुनाथ (बंगला) .	. निर्माता श्री म्रार० डी० बंसल, 45, लेबिन सरणी, कलकत्ता∼700013	'स्वर्ण कमल' श्रीर 15,000 रु० (केवल पन्द्रष्ट हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
		निवेशक श्री सत्यजीत रे, 1/1 बिशप लेफराय रोड, कलकत्ता-700020	'रजत समल' श्रोर 10,000/- रु० (केवल दस हजार ६०) का नकद पुरस्कार।

(1)	(2)	(3)	(4)
9.	सर्वोत्तम निर्देशन के लिए	१ पुरस्कार :		
	थाम्प (मलयालम)		निदे शक श्री जी० भ्ररविन्दम, 26/89, उप्पलम रोड़, विवेन्द्रम- 695001.	'रजत कमल' ग्रीर 20,000/- रु० (केवल बीस हजार रु०) का नकद पुरस्कार ।
10.	सर्वोत्तम पटकथा के लि ग्रहण (कन्नड़) .	•	पटकथा लेखक : श्री टी० एस० रंगा भ्रीर श्री टी० एस० नागभरण, नं० 9, श्रीराममन्दिरम रोड़, बंगलीर-560004.	'रजत कमल' ग्रौर 5,000 रु० (केवल पांच ह जार रु०) का नकद पुरस्कार।
11.	सर्वौत्तम ग्रभिनय के लि	ए पुरस्का र (घभिने ता) :	4 1011 (20000 %	3 (711 (1
	परशुराम (बंगला)		श्री भरूण मुकर्जी मार्फत सूचना ग्रोर संस्कृति विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार राइटरस बिल्डिंग, कलकत्ता-700001	'रजत कमल' श्रौर 10,000/- रु० '(केवल दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
12.	सर्वोत्तम प्रभिनय के लि	र पुरस्कार :		
	निमज्जनम (तेलुगु)		ग्रभिनेत्नी श्रीमती गारदा, 3, सरस्वती स्ट्रीट, महालिगपुरम, मद्रास-600034.	'रजत कमल' मीर 10,000/- ६० (केवल दस हजार ६०) का नकद पुरस्कार।
13.	सर्वोतम बाल प्रभिनय	हे लिए पुरस्कार :		
	गणदेवता (बंगला)		बाल श्रभिनेता : मास्टर कंचन दे विस्वास मार्फेत कटिक-च-डी-विस्वास, 17-बी, भाषानाथ सेन स्ट्रीट, कलकत्ता*700004.	'रजत कमल' ग्रीर 5,000/- रु० (केषल पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार ।
14.	सर्वोत्तम सिनेमाटोग्राफी	(रंगीन) के लिए पुरस्कारः		
	जुनून (हिन्दी) .	• .	कैमरामैन: श्री गोविन्द निहालानी मार्फेत सहयाद्वी फिल्मस् 19/20ए, एवेरस्ट, तार देव रोड बम्बई-400034.	'रजत कमल' श्रौर 5,000/- रु० (केवल पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार ।
15.	सर्वोत्तम सिनेमाटोग्राकी धाम्प (मलयालम)	(सादी) के लिए पुरस्कार :	कैमरामैन :	
		· ·	श्री शाजी, 24, शान्ति नगर, विवेन्द्रम-695001.	'रजत कमल' ग्रौर 5,000/- ६० (केवल पांच हजार ६०) का नकद पुरस्कार ।
16.	सर्वोत्तम ध्वनि श्रालेखन जन्म (किली)			
	जुन्त (हिन्दी) .		ध्वति म्रालेखक: श्री हितेन्द्र घोष, मार्फत श्याम बेनेगल 103, संगम जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026.	'रजत कमल' भ्रोर 5,000/- ६० (केवल पांच हजार ६०) का नकद पुरस्कार ।

(1)	(2)	(3)	(4)
17.	सर्वोत्तम सम्पादन के लिए पुरस्कार :		
	परणुराम (बंगला)	. सम्पादक : श्री गंगाधर नस्कर, 3, हरिसभा रोड़, कलकत्ता-700041.	'रजत कमल' ध्रौर 5,000/- ६० (केवल पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
18.	सर्वोत्तम संगीत निर्देशन के लिए पुरस्कार :		
	गमन (हिन्दी)	. संगीत निर्देशक : श्री जयवेव, लिली कार्ने०, ग्राउन्ड फ्लोर रिट्ज होटल के समीप चर्च गेट, बम्बई ।	'रजत कमल' ग्रौर 10,000/- रू० (केवल दस हजार रू०) का नकद पुरस्कार ।
1 9.	सर्वोत्तम पार्घ्व गायक के लिए पुरस्कार :		
	काडु मुदरे (कन्नड़) , .	 पापर्व गायक : श्री शिवमोंगा सुडबन्ना, 75, बानगंकरी मार्किट जे० एम० रोड़, बंगलौर-2. 	'रजत कमल' घ्रौर 10,000/- रु० (केवल दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार ।
20.	सर्वोत्तम पार्श्व गायिका के लिए पुरस्कार :	_	
	गमन (हिन्दी)	 पार्श्व गायिकाः श्रीमती छाया गांगुली, मार्फत श्री जयदेव लिल्ली कानं०, ग्राउण्ड फ्लोर रिट्ज होटल के समीप, चर्च गेट, बम्बई । 	'रजस कमल' श्रौर 10,000/- ६० (केवल दम हजार ६०) का नकद पुरस्कार ।
	ज्यूरी द्वारा विशेष सराहनाः परशुराम (बंगला) श्री मृणाल से	· न	
	गमन (हिन्दी) श्री मुजफ्फर	म्रली 2. लघु चित्र	
1	सर्वोत्तम सूचना फिल्म (वृत्तचित्र):	2. લખુ 14લ્ન	
	स्यातम् पूर्यसम्बद्धाः स्थापः [रमटेक-ए	निर्माता :	
	मोनास्टरी रीदड़ इन ए हन्द्रेष्ठ थाउजेन्ड रेनबोज : [(श्रंग्रेजी) ।	श्री रमेश शर्मा राज एम्पोरियम कालिमपोंग-734301. (दार्जिलिंग)। निदेशक :	'रजत कमल' ग्रौर 5,000/- ६० (केवल पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार ।
		श्री रमेण णर्मा, राज एम्पोरियम कालिमपोंग-734301 (दार्जिलिंग)	'रजत कमल' श्रौर 4,000/- ६० (केवल चार हजार रु०) का नकद पुरस्कार ।
	मर्बोत्तम ग्रीक्षक/निर्देशात्मक चित्र :		
	दि मैजिक हैंन्डम (म्रग्रेजी)	 निर्माता : मैसर्म लिटिल सिनेमा, (कलकत्ता) प्रा० लि०, 9/1 लवलाक प्लेस कलकत्ता-700019 निदेशक : श्री णान्ति पी० चौधरी, मार्फत, लिटिल सिनेमा, (कलकत्ता) 	'रजत कमल' ग्रौर 5,000/- रु० (केवल पांच हजार रु०) का नकद . पुरस्कार 'रजन कमल' ग्रौर 4,000/- रु० (केवल चार हजार रु०) का नकद
		प्रा० लि० 9/1 लवलाक प्लेस कलकसा-700019.	पुरस्कार ।

(1)	(2)	(3)	(4)
3. मर्वोत्तम प्रेरव	 रु फि≈म (ग्रट्यावसायिक/ब्या व सायिक)):	سال الشار السياب وي السياس بين السيور ، من بين أنس و _م أنس أو و أنو أنو السيالات المن المي بين ال
इट इज इण्डि (स्रंग्रेजी)	यन इट इज गुड	. निर्माता : फिल्म प्रभाग भारत सरकार	'रजत कमल'
, ,		24, डा॰ जी॰ देणमुख मार्ग, बम्बई-400026.	
		निदेशक:	
		श्री बी० डी० गर्ग,	'रजत कम्ल'
		मार्फेस फिल्म प्रभा ग, भारत सर कार,	
		24, डा० जी० वेशमुख मार्ग,	
		बम्बई-400026.	
	रील कैमरामैन :		
डान स्रोवर गु ^र	राईस (म्राई एन ग्रार नं० 1568)	कैमरामैन :	
		श्री सी० एल० कौल,	'रजत कमल' श्रौर 5,000/- ६०
		फिल्म प्रभाग भारत सरकार,	(केवर पांच हजार रु०) का नकद
		24, डा० जी० देशमुख मार्ग,	पुरस्कार ।
		बम्बई-400026.	
5. सर्वोत्तम भा र	तीय समाचार समीक्षाः		
उत्तर प्रदेश स	माचार, 54 (हिन्दी) ।	निर्माता :	
		सुचना श्रौर जन सम्पर्क निवेशक,	'रजत कमल' ग्रौर 5,000/- रु०
		उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ ।	(केवल पांच हजार ६०) का नकद पुरस्कार ।
ज्यूरी द्वारा वि	वेशेष सराहना .		
दि बनिंग स्टीम	ा (भ्रंग्रेजी)	. निर्माताः	
		फिल्म प्रभाग, भारत सरकार	
		निदेशक :	
		श्री लोकसेन लालवाणी फिल्म प्रभाग,	
		24, डा० जी० देणमुख मार्ग,	
		बम्बई-400026.	
3. दादा माहब प	गल्के पुरस्कार ः		
		श्री स्नार० सी० बोरल,	'स्वर्ण कमल' <mark>ग्र</mark> ौर 40,000 रु०
		1/1 प्रेमचन्द बोरल स्ट्रीट,	(केवल चालीम हजार ४०) का नकद
		कलकत्ता-700012.	पुरस्कार श्र ौ र एक शाल ।

के० बिकम सिंह, संयुक्त निदेशक

स्थास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 2 श्रप्रैंस 1979

सं० 33-15/75-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सफदरजंग, अस्पताल, नई दिल्ली में फार्मास्यूटिकल कैमिस्ट के पद पर कार्य कर रही कुमारी पुष्पा देवी शर्मा का इर्स्ताफा 13 जनवरी, 1978 के श्रपराह्म से मंज्र कर लिया है। 2—36GI/79

दिनांक 7 म्रप्रैल 1979

सं० 12023/1/77-प्रशामन-I— प्रपने मूल विभाग प्रथित प्रापूर्ति एवं निपटान, महानिदेणालय, दिल्ली में प्रपना परा-वर्तन हो जाने के फलस्वरूप श्री एन० रामासुकामणियन, ने 20 फरवरी, 1979 के श्रपराह्म में बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगणाला, गिन्डी, मद्रास में प्रणासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 12026/25/78-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री बुद्धांसह को लेडी हार्डिंग, मेडिकल एव श्रीमती सुवेता कृपलानी, ग्रस्पताल, नई दिल्ली में 18 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक लेखा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

> णाम लाल कुठियाला उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनाक 2 प्रप्रैल 1979

सं० प०-19019/2/78-के० म०म्बा० योजना-I—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहाबाद मे बदली हो जाने के फलस्वरूप होम्योपैधी के कार्यचिक्तिस्मक डा० (कुमारी) राज मेहरा ने 16 प्रक्तूबर 1978 के पूर्वाक्ष से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के प्रधीन होम्योपैधी के कार्यचिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 10 जनवरी, 1979 पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहाबाद मे होम्योपैधी, के कार्यचिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं ० ए०-19019/3/79-के० म० स्वा० योजना-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) ग्रमर बीर को 15 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से निदेशानय के ग्रधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली मे होग्योपैथी के कार्यचिकित्सक के पद पर विश्वद्ध ग्रस्थाई ग्राधार पर निश्कत किया है।

एन० एन० बोख उप निदेशक, प्रशासन

कृषि ग्रौर सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 श्रप्रैल 1979

सं० 5-40,79-स्वा०-I—श्री श्रमृतराय पुरी, विस्तार निदेशालय, कृषि विभाग, कृषि श्रीर सिंचाई महालय में स्थानापन्त प्रधीक्षक (कोटि प्रथम), मभूह "बी" (राजपित्त) सेवा निवृत्ति की श्रायु के होने पर 31 मार्च, 1979 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

बद्रीनाथ चडका, निदेशक प्रशासन

परमाणु उर्जा विभाग विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1979

सं० पी० पी० ई०डी०/3(283)/76-प्रणा०/2941— विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग बम्बई के निदेशक एतद-द्वारा इस प्रभाग के स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक एवं स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री एम० के० ग्रध्यर को, 5 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से 25 ग्रप्रैल, 1979 के ग्रपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में लेखा अधिकारी-II के पद पर ग्रस्थायी कप में नियुक्त करने हैं। यह नियुक्त लेखा अधिकारी-II श्री आर० जी० मसूरकर के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर जले गये हैं।

दिनांक 23 मार्च 1979

सं० पी० पी० ई०डी०/3(283)/76-प्रशासन—परमाणु विद्युत परियोजना इजीनियरी प्रभाग के निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक तथा इम प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखा श्रधिकारी श्री बी० डी० ताम्बे, को 26 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्न से 18 श्रप्रैन, 1979 के श्रपराह्न तक उमी प्रभाग में लेखा श्रधिकारी-II नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति लेखा श्रधिकारी-II, श्री सी० पी० जोणी के स्थान पर की गई है, जो छुट्टी पर गए हैं।

बी० पी० थट्टे प्रशासन म्रधिकारी

ऋय एवं भंडार निवेशालय बम्बई-400001, दिनाक 6 श्रप्रैस 1979

सं० डी० पी० एस०/21/1(2)/78-संस्थापन/10197—
निवेशक, ऋष एवं भंडार, श्री डी० डी० नायक, श्रस्थायी ऋष
महा्यक, को महायक य श्रिधकारी, के पद पर स्थानापन रूप
में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-401000-द० रो०-40-1200 के वेतन ऋम मे, क्षेत्रीय ऋष यूनिट
दिल्ली में, इसी निदेशालय के श्रन्तर्गत अग्रिम आदेशों अथवा
दिनांक 8 मार्च, 1979 (पूर्वाह्न) से 31 दिसम्बर, 1979
(श्रपणह्न) जो भी पहले हों, तब तक तवर्थ रूप से नियुक्त
करते हैं।

के० पी० जोसफ प्रशासन श्रधिकारी

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1979

मं० ए० 12025/1/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-निश्वित तीन ग्रधिकारियों को नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार सगठन में उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से उसी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है श्रीर तैनाती स्टेशन प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए हैं:—

ऋम सं०	नाम व पदनाम	तैनाती स्टेशन	जिस ता री ख से नि युक्त किए गए
1	2	3	4
	त्री भूपेन्द्रसिह कोचर किनीकी ग्रधिकारी	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक नई दिल्ली ।	1-3-1979 (पूर्वाह्न)

1 2	3	4
2. श्री देवेन्द्रनाथ त्निपाठी तक्तनीकी श्रधिकारी	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक नई दिल्ली	13-3-79 (पूर्वाह्न)
 श्री संजीवकुमार सेठ संचार प्रधिकारी 	बैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	7-3 - 1979 (पूर्वाह्न)

दिनाक 3 श्रप्रैल 1979

मं०ए० 32013/9/78-ई० सीं०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित दो सहायक तकनीकी ग्रिधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से छः माह की ग्रविध के लिये ग्रथना रिक्तियों के उपलब्ध होने तक जो भी निर्णय पहले हो, तदर्थ ग्राधार पर तकनीकी ग्रिधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम व पदनाम	तैनाती स्टेशन	कार्यभारसंभा- लने की तारीख
तः 2. श्रं	ों के चन्द्रचुदन कनोकी श्रधिकारी ो पों० एस० वेंकटरमण कनीकी श्रधिकारी	वै० संचार स्टेशन, मद्राम वै० संचार स्टेशन नागपुर	22-1-79 (पूर्वाह्न) 22-1-79 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32014/4/78-ई०सी०—महानिदेशक लागर विमानन ने निम्नलिखित चार संचार सहायकों को उनक सामने दी गई तारीखों से ग्रौर ग्रन्य ग्रादेश होने तक नियमित ग्राधार पर सहायक संचार ग्रिधकारी के ग्रेड में प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर नियुक्त किया है:—

ऋम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	उस स्टेशन का नाम जहां तैनात किया गया है	कार्यभार संभालने की तारीख
		. वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता . वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता . वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता . महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता वै० संचार स्टेशन, सफदरजंग, एयरपोर्ट, नई दिल्ली	1-3-79 (पूर्वाह्न) 26-2-79 (पूर्वाह्न) 26-2-79 (पूर्वाह्न) 26-2-79 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 38012/1/79-ई०सी०—निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेन पर मरकारी सेवा मे निवृत्त होने पर निम्निनिखित दो ग्रिधिकारियों ने श्रपने नाम के मामने दी गई तारीखों को ग्रीर स्टेशनों पर ग्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया था :—

क्रम सं०	नाम व पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवा निवृत्त की तारीख
	श्री ग्रार० सी० पन्त.	वै० संचार स्टेशन,	28-2-79
	सहायक तकनीकी श्रधिकारी	कलकत्ता	(श्रपराह्म)
	श्री ग्रार० सुब्रह्मण्यम,	वै० संचार स्टेशन,	28-2-79
	सहायक संचार ग्रधिकारी	नई दिल्ली	(श्रपराह्म)

मत्य देव शर्मा उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1979

सं० ए० 12025/16/77-ई०एस—संघ लोक सेवा आयोग की मिफारिशों पर राष्ट्रपति ने सर्वश्री हरिहर प्रसाद और ए० के० राय को दिनांक 22-1-79 से और ग्रन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थानापन्न विमान नरीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

> सुरजीत लाल खण्डपुर, सहायक निदेशक प्रशासन कते महानिदेशक नागर विमानन

सं० ए-32043/8/77-ई०-І—महानिदेशक नागर विमानन ने इस विभाग की दिनांक 5 फरवरी, 1979 की प्रधिसूचना सं० ए० 32013/8/77-ई० I के फ्रम में इस विभाग के स्थायी लेखापाल श्री एस० भार० भाटिया को 26-2-1979 (प्रपराह्म) से 31-5-1979 तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ ग्राधार पर लेखा ग्राधकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं०ए-32013/1/79-ई-I---राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के उप निदेणक, श्रनुसंधान एवं विकास, श्री पी० ग्राप्० चन्द्र शेखर को दिनांक 16 मार्च, 1979 से छः माह की ग्रवधि के लिये अथवा पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर निदेशक, श्रनुसंधान एवं विकास के पद पर नियुक्त किया है।

वी० घी० जौहरी सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार मेवा बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1979

सं01/4/79-स्था०—विदेश सचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक श्री डीं डीं डीं मलहोता को श्रत्यकालिक खाली जगहों पर 1/9/78 से 30-9-78 तक श्रीर 4-12-78 से 22-12-78 तक तदर्थ श्राधार पर श्रीर

23-12-78 से श्रागामी श्रादेशों तक नियमित श्राधार पर उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/28/79-स्था०——विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के तकनीकी महायक श्री बी० के० मण्डल को तदर्थ आधार पर 12-12-1978 में 30-1-79 तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थाानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करने हैं।

सं 0 1/478/79-स्था०—विदेश मंचार मेवा के महानिदे-शक एतदद्वारा श्री पी० चन्द्रशेखर को 15 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक ग्रस्थायी रूप से नई दिल्ली शाखा में महायक श्रभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/479/79-स्था०—विदेश सचार सेवा के महानिवे-शक एतदद्वारा श्री सेवल चटर्जी को 15 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से भ्रीर भ्रागामी ब्रादेशों पक श्रस्थायी रूप से नई दिल्ली शाखा में सहायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/480/79-स्था०---विदेश संचार मेवा के महानिदे-शक एतदद्वारा श्री राजीव कुमार श्रग्रवाल को 6 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्म मे श्रौर ग्रागामी श्रादेशों तक ग्रस्थायी रूप से नई दिल्ली णाखा में सहायक ग्रभियंता नियुक्त करते हैं।

> एच० एल० मल्होत्रा उप निर्देशक (प्रशा०) कसे महानिर्देशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

. कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स मेकमुल्लास गैरेज

> (प्राईवेट) लिमिटेड के विषय में बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1979

सं० 7942/560(3)—कस्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन. मास के अवसान पर मैंसर्स में कमुल्लास गैरेज (प्राइवेट) सिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एव मैसर्ग रेलाक्मा टैक्सटाइल एण्ड गारमेट प्रायवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1979

सं॰ 17299/560(3)—कस्पनी म्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के म्रनुमरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर मैंसर्स रेक्षावसा टैक्सटाइक एण्ड गारमेट प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष्ठ कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> एल० एम० गुप्ता, कम्पनियो का ग्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं श्रोमेगा केबल्स लिमिटेड (इनलिक्वीडेशन) के विषय में मद्रास, दिनांक 31 मार्च, 1979

सं० 3987/को० लिक्वि० | 445 | 78---- कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 के अनुसरण में एतदढ़ारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही म० 50 | 77 और 89 | 77 में उच्च न्यायालय, मद्राम की फाइंल पर दिए गए दिनांक 2-3-1978 के आदेश द्वारा कम्पनी श्रोमेगा केंगल्स लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

कम्पनी भ्रधिनियम 1156 एवं दि नेल्लिकुप्प इन्डस्ट्रीज लिमिटेड (इन लिक्विडिशन) के विषय में

मद्रास, दिनांक 3 म्राप्रैल 1979

सं० 1787/लिक्सिं०/560/79—यतः दि नेल्सिकुण्यं इण्डस्ट्रीज लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) जिनका रजिस्ट्री-इत कार्यालय कुडिलांगी, नेल्लिकुण्यं में है, का मामापन किया जा रहा है।

श्रीर यतः श्रधोहस्ताक्षरी को यह विश्वास करने का युक्ति युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक द्वारा कार्य नहीं कर रहा है श्रीर यह कि लेखा विवरणियों से समापक द्वारा विण् जाने के लिए श्रपेक्षित है, यह छः क्रमकता मासों के के लिए नहीं हो गयी है,

अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर दि ने ल्लिकुप्पं इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम यदि इसके प्रतिकूल कारण दिशात नहीं किया जाता है तो रिजस्टर से काट दिया जाए और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

य० सत्यनारायण, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

बम्बई, दिनांक 4 ग्रप्रैल 1979

8473/निक्वि०/560(4)—यन् मेसर्स केडी वावानी कुपन्न प्राईवेट लिमिटेड, जिसका रिजस्ट्रीकृत कार्यालय 499, कालवावेवी, बम्बई-2 में है, का समापन्न किया जा रहा है।

श्रोर यतः अधोहस्ताक्षरित यह त्रिश्वाम करने का युक्तियुक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक का देहांत हो गया है। श्रतः श्रव कम्पनी श्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के श्रनुसरण में, एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर मैं सर्स के उड़ी० वासवानी एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम, यदि इसके प्रतिकूल कारण दिशत नहीं किया जाता है तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, **बम्बई**-2

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर कैसलेक रेलवे सप्लाई प्राइवेट लिमिटेड, श्रीनगर के विषय में श्रीनगर, दिनांक 30 मार्च 1979

सं० पी० सी० 379/1058—कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के म्रनुसरण में एतब्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भवसान परकैमलेक रेलवे सप्लाई कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, श्रीनगर का नाम, इसके प्रतिकृष कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

स्रोम प्रकाश जैन, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, जम्मू स्रोर कश्मीर

कमानी श्रधिनियम, 1956 श्रीर <mark>ग्रश्ने नाडु</mark> पब्लिकेशन्स लिमिटेड के विषय में।

मद्राम, दिनांक 4 श्रप्रैल 1979

सं० 6243/560(5)/78—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रधीन श्रनुसरण में एतव्हारा सूचना दी जाती है कि ग्रम्भै नाडु पब्लिकेशन्म लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> के० पञ्चापकेशन, कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर सिवा एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में दिल्ली, दिनांक 4 ग्रप्रैल 1979

सं० 720/87/6076—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सिवा एसोमिएट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

श्रीमती मी० कपूर, महायक रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर रामासुष्णा स्टील इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनाक 6 प्रप्रैल 1979

मं० जी०/स्टेट०/560/3428—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुमरण में एतद्-द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवमान पर रामाक्काणा स्टील इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमि-टेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रीर जग्गीज एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 6 ग्रप्रैल 1979

मं० जी ०/स्टेट०/560/3662—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवमान पर जगगीज एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशात निक्या गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर जान्नी एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंघर, दिनांक 6 अप्रैल, 1979

सं जी | एटेट | 560 | 2225 — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसान पर जान्नी एण्ड कम्पनी प्राइवेट सिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायस, कस्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चन्डीगढ़

कार्यालय, ग्रायकर-कर भ्रपील ग्रधिकरण बम्बई-400020, दिनाक 30 मार्च 1979

मं० एफ० 48-एडी/एटी/78 भाग-II--श्री वाई० बालग्रमण्यम, ग्रधीक्षक, श्राय-कर श्रपील ग्रधिकरण, बस्वई जिन्हें तदर्थं स्राधार पर स्रस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर स्राय-कर प्रपील प्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में छह महीने के लिए श्रर्थात् दिनांक 1-9-1978 से 28-2-1979 तक स्थानापम्न रूप से कार्य करते रहने की स्रमुप्ति दी गयी थी, देखिए, इस कार्यालय के दिनांक 9 सक्तूबर, 1978 की श्रधिस्चना क्रमांक एफ० 48-एडी (एटी)/78 भाग II, को उसी क्षमता में महायक पंजीकार के पद पर स्राय-कर स्रपील श्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई मे और तीन महीने के लिए श्रर्थात् दिनांक 1-3-1979 से 31-5-1979 तक या नब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शी श्रतर हो, स्थानापम्न रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थं श्राधार पर है श्रोर यह श्री वाई० बालमुब्रमण्यम को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्त के लिए कोई दाधा प्रदान नहीं करेगी श्रीर उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर प्रदत्त मेवाएं न तो वरीयता के श्रिभप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएगी श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पान्नता ही प्रदान करेगी।

2. श्री एस० वी० नारायणन् विरिष्ठ श्राशुिलिपिक, श्रायकर अपील श्रिधकरण, हैवराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद, जिन्हें
तदर्थ श्राधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के
पद पर श्राय-कर श्रपील श्रिधकरण, कलकत्ता न्यायपीठ मे
(श्रब बम्बई में दिनांक 15-1-1979 से) पिछले छह महीने
के लिए श्रथीत् दिनांक 1-9-1978 से 28-2-1979 तक
स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमति प्रदान की
गयी थी, देखिए, इस कार्यालय के दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1978
की श्रिधसूचना क्रमांक एफ० 48-एडी (एटी)/1978 भाग
II, को उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर श्राय-कर
श्रपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में और तीन महीने
के लिए श्रथीत् 1-3-1979 से 31-5-1979 तक या तब तक
जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती,
जो भी गीइतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की
श्रनुमित प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ श्राधार पर हैं श्रीर यह श्री एस० बी० नारायणन् को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी श्रीर उनके द्वारा तद्दर्थ श्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के श्रिभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएगी श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में श्रोक्षत किए जाने की पावता ही प्रदान करेंगी।

3. श्री निरंजन दास स्थानापन्न महायक ग्राघीक्षक ग्राय-कर श्रपील ग्राधिकरण दिल्ली न्यायपीठ दिल्ली जिन्हें तक्ष्यं ग्राधार पर सहायक पंजीकार के पद पर ग्राय-कर ग्रापील ग्राधिकरण श्रमृतसर न्यायपीठ श्रमृतसर में दिनांक 17-10-1978 (पूर्वाह्न) से 28-2-1979 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रदान की गयी थी, देखिए, इस कार्यालय के दिनांक 7 दिसम्बर 1978 की

ग्रिधिसूचना क्रमांक एफ०-48 एडी (एटी)/78 भाग-11, को उसी क्षमता में तदर्थ ग्राधार पर सहायक पंजीकार के पर पर ग्राय-कर ग्रापील प्रधिकरण ग्रामृतसर न्यायपीठ, ग्रामृतसर में ग्रीर तीन महीने के लिए ग्रायीत दिनांक 1-3-1979 से 31-5-1979 तक या तब तक जब तक कि उक्त पर हेतु नियमित नियुक्त नहीं जाती जो भी ग्रीग्रतर हो स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की ग्रानुमति ग्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ श्राधार पर है भौर यह श्री निरंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेंगी भौर उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के भ्राभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पान्नता ही मदान करेंगी।

4. श्री एम० के० दलवी जो श्राय-कर श्रपील श्रिध-करण (उत्तरी क्षेत्र) नई दिल्ली के उपाध्यक्ष के वैयक्तिक सहायक है जिन्हें तदर्थ श्राधार पर सहायक पंजीकार के पद पर श्राय-कर श्रपील श्रिधकरण बम्बई न्यायपीठ बम्बई में विनांक 14-11-1978 (पूर्वाह्म) से 28-2-1979 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमति प्रदान की गई थी, वेखिए इस कार्यालय के दिनांक 7 विसम्बर 1978 की श्रिधसूचना क्रमांक एफ 48-एडी (एटी)/78 भाग II को उसी क्षमता में तदर्थ श्राधार पर सहायक पंजीकार के पद पर श्राय-कर श्रपील श्रिधकरण बम्बई न्यायपीठ बम्बई में भौर तीन माहीन के लिए श्रर्थात दिनांक 1-3-1979 से 31-5-1979 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो स्थानापन्न रूप से कार्य करते की रहने श्रनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थं म्राधार पर म्रौर यह श्री एम० के० दलवी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी भ्रौर उनके द्वारा तक्क्ये माधार पर प्रदत्त सेवाए न तो वरीयता के म्रभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएगी मौर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

> पी० डी० माथुर मध्यक्ष

धन-कर विभाग (केन्द्रीय)

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं श्रार 18 (डब्ल्यूटी)/78-79 केन्द्रीय सरकार का मत है कि वित्तीय वर्ष 1977-78 के दौरान धन-कर प्रधिनयम, 1957 (1567 का 27) के प्रधीन जिन निर्धारितियों का निर्धारण 10 लाख रु में अधिक के शुद्ध धन पर हुआ है उनके नाम व मंबंधित ब्यौरे प्रकाणित करना जन हित में जरूरी भीर समयोचित है। ग्रस: उक्त ग्रिधिनयम की धारा 42 क द्वारा प्रथत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए निवेम दिया है कि पूर्वोक्त ऐसे निर्धारितयों के नाम व अन्य क्यौर प्रकाशित किए जाएं जिनके मामलों में या तो पहली अपील पेश करने का समय गुजर चुका है और यह अपील पेश नहीं की गई है तबनुसार उन्हें इस कम से प्रकाशित किया जाता है जिसमें (i) हैसियत—व्यक्ति के लिए लिए "व्य" (ii) निर्धारण वर्ष (iii) रिटर्न में दर्णाए गए धन के आंकड़े (iv) निर्धारित धन (v) निर्धारित द्वारा देय धन-कर (vi) निर्धारित द्वारा अदा किया गया धन-कर दिखाया गया है।

- श्री ग्रम्बानी धीरज लाल एच-4थी मंजिल, कोर्ट हाउस, लोकमान्य तिलक मार्ग, धोबी ताल(ब, बंबई।
- (i) व्य (ii) 1973-74 (iii) 6,41,220 (iv) ६० 14,55,420 (v) ६० 28,662 (vi) ६० 28,662 (ii) 1974-75 (iii) ६० 8,36,310 (iv) ६० 20,28,330 (v) ६० 72,266 (vi) 72,266 1975-76 (vii) ६० 14,67,150 (iv) ६० 29,41,580 (v) ६० 1,55,327 (vi) ६० 1,55,327
- 2. श्री पटेल जे० व्ही० मेवाड़ 40-ए०, पेडर रोड, अंबर्ध।
- (i) হ্ব্য, (ii) 1974-75, (iii) হ্ ০ 12,38,600, (iv) হ ০ 12,53,018, (v) হ ০ 22,591, (vi) হ ০ 22,591 (ii) 1975-76 (iii) 13,40,000 (iv) হ ০ 13,05, 205 (v) হ ০ 32,208 (vi) হ ০ 32,208

एस॰ एस॰ कपूर; धन कर झायुक्त, (केन्द्रीय-1), बस्बई

कार्यालय भायकर भायकत

बम्बई 400020, दिनाक 23 फरवरी 1979

राजपन्नित स्थापना

सं ० 834---तीचे लिए अधिकारियों को एतद्बारा श्रायकर श्रिधकारी, श्रेणी-ख के मौलिक पदों पर 19 फरवरी, 1979 से लगाकर नियुक्त किया जाता है:---

सर्वश्री

- 1. बी० के० शिवशंकरन
- 2. भाई० एम० भानन्य
- 3. पी० एन० कृष्णन
- 4. के० बी० जी० पिरुलै
- जे० पी० पैठणकर
- 6. ए० एस० माहजा
- 7. एस० बी० कामत
- 8. कु० भार० ए० माजरेकर
- 9. ओ० शोमशेखरन
- 10. एस० जे० जोशी
- 11. श्रीमती एस० एल० कुलकर्णी
- 12. के बी काणिक
- 13. के० एच० भुरानी
- 14. बी० बी० काले
- 15. पी० के० पटवर्धन
- 16. एम० एस० परेरा
- 17. एम० बी० श्रीधरन्।

बी० डी० शिन्दे, मायकर मायुक्त, यम्बई नगर-1, वस्बई

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०----

न्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज, मद्रास कार्यालय
मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1979

निर्देश सं० 4801—यत, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 6/11, कृष्णस्वामी नगर में श्रवुट है, तथा जो कोयम्बट्टर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तविक इप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रव, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिविद व्यक्तियों, धर्षात्ः -- 1. श्री यू० ग्रार० रामस्वामी ग्रौर ग्रदरम

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती के० चिन्नमाल

(श्रन्तरिती)

को यह मुनता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूबना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
 प्रविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इप पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसो भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीकरण]:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 6/11, कृष्णस्यामी नगर, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2630/78)।

टी० वी० जी० छ्रष्णमूर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 2-1-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

आय कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर कार्यालय जलन्धर, दिनांक 7 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1890--यत, मुझे, बी० एस० दहिया,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भ्रधिक है भ्रीर जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो जी ०टी० रोड बाई पाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के श्रधीन, तारीख 14-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरितों (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के सधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य धास्तियों की, जिन्हों भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उस्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के **धधीन,** निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्।:— श्री श्रोम प्रकाश पुत्र जगननाथ मुख्यतथार श्राम कमल कुमार पुत्र जगननाथ श्रीर वेद प्रकाश पृत्र जगन नाथ चक हसैना लम्बा पिङ जलन्धर

(भ्रन्तरक)

वी० के० कैमीकल कोर रबड इंडस्ट्री जी० टी० रोड, बाई पास नजदीक लेम्ब पिड चौक जलन्धर (ग्रन्तरिती)

श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है ।

ग्रनुसूची

मकान जैसा कि विलेख नं० 3849 में ग्रगस्त 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी 31-4-79 जलन्धर में लिखा है

> बी० एम. दहिया ,सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

> > गर्जन रेज, जलत्न्धर

तारीख : 31-4-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्वर्जन रेंज, जलन्धर कार्यालय जलन्धर, दिनांक 31 मार्च 1079

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1891—यत, मुझे, बी०एस० दहिया,

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है और जिम की सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो माडल टाउन में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में प्रोर (गिरूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1978

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त, ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या प्रन्य धास्तियों की, जिन्हों, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण मे, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित :--

- श्री भोला नाथ शर्मा पुत्र रिषीकेश शर्मा पिता करनल एच० एस० वरैल 1 कूल रोड जलन्धर (प्रन्तरक)
- श्रीमती श्राशा पत्नी सुरिन्द्र मोह्न 91-एल० माडल टाऊन जलन्धर

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर नं० में में है (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि है ता हो) वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोस्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेत :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के प्रध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 91-एल जो माङल टाऊन में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 388को ग्रगस्त 1978को रजिस्ट्रीकर्ता -ग्रिध कारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जलन्धर

तारीख : 31-3-1979

प्रकृप भाई• टी• एन• एस•----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर कार्याक्षय जलन्धर, दिनांक 6 ग्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1992—ःयत, मुझे, बी० एस० दहिया,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु० से मधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो सैयां गेट जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबस, उन्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (सा) ऐसी किसी माय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्ठिनियम, या घन-कर पिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विष्ठा के लिए;

अंकः मब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री हरबंस लाल पुत्र मिनयां लाल 90 नंद लाल सोहन लाल मबजी मन्द्री जलन्धर

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रवनाश चन्द्र पुत्र मरदारी लाल सुदर्शन रामी परनी श्रविनाश चन्द्र भारत मैटेल कंपनी बाजार वीर बोडला जलन्धर

(मन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यसाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीका से
 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी
 श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्होकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर वदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य होगा को उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि विलेख नं० 3875 ग्रगस्त 1978 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारी : 6-4-1979

प्ररूप माई• टी• एन• एस•—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्नर्जन रेंज, जलन्धर कार्यालय जलन्धर, दिनांक 7 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1893—यत, मुझे, बी०एस० दहिया,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाखार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है,

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि भनुसूची में है तथाजो शिवराज गढ़ जलन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1808 '1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख अगस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक कप से कि खित नहीं कि बा गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (अ) ऐसी किसी भाग वा किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं भग्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

धनः ग्रव उपत मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में में, उक्त मधिनयम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्निविक्त स्पक्तियो, अर्जात:— श्रीमती निर्मल कुमारी बेवा कीर्ती कृष्ण इ० के०-18 1 फगवाड़ा गेट जलन्धर

(अन्तरक)

 राम लाल पुत्र भगत राम दरणन लाल पुत्र भगवान दाम शिवराज गढ़ जलैन्बर

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जा व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भघोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पवों का, जो उक्त झिलियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होणा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 4196 श्रगस्त 1978 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जलल्धर में लिखा है ।

> बी० एस० दहिया स**क्षम प्राधिकारी,** स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 7-4-1979

प्रकप बाई • टी • एत • एस • -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर कार्यालय जलन्धर, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1894—यत, मुझे, बी० एस० दहिया,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- वपने से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो 158 श्रदम नगर जलन्धर में स्थित है (श्रौर इमसे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रक्तिरत की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) धौर भन्तरित (प्रम्तरित में) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उकत अधि-नियम, के भाषीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त मधिनियम की धारा 269ना के प्रनुसरण म में, उन्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के प्रश्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः --

- श्री बनारसी दास पुत्र ठाकुर दास केयर श्राफ सा मिल्ल कजी मंडी रेलवे गुडस दफतर के नजदीक जलन्धर (ग्रन्तरक)
- श्रोमती मोहनी देवी पत्नी मदन गोपाल 158 श्रदर्भ नगर जलन्धर

(श्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपरनं० 2 में है (वह ब्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह श्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्कन के लिये कार्यवाहियों करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राञ्जेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारी का से 45 विन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधाद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा धाधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त कम्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के शस्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बड़ी शबें होगा जो उस शस्याय में विया गया है।

घमुसूची

आधा हिस्सा मकान नं० 158 का जैसा कि विलेख नं० 3880 श्रगस्त 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है ।

> बी० एस० द**हिया** स**क्षम प्रधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रोंज, जनसार

तारीख: 7-4-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिष्ठिनियस, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के श्रिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जलन्धर कार्यालय

जलन्धर, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1895—यत, मुझे, बी०एस० दहिया,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० जैमा कि श्रनुसूत्री में है, तथा जो श्रदर्श नगर जलन्धर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के यूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राम की बाबत उक्त भ्रष्ठितियम के भ्रष्ठीत कर देने के भ्रन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (क) एसी किसी माय या किसी घन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः धव, उक्त धिधिनयम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिधिनयम की घारा 269-थ की उपवारा (1) के अधीन निम्निविक्त व्यक्तियों, धर्यात:——

- श्री बनारसी दाम पुत्र ठाकुर दास जलन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मदन गोपाल गांधी पुत्र मूल चन्द गांधी 158 श्रादर्भ नगर जलन्धर

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह क्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकते।

स्वब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जी उक्त श्रधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकात जैमा कि विलेख नं० 4249 सितम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बीं एम० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 7-4-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर कार्यालय

जलन्धर, दिनांक 7 स्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1896——यत, मुझे, बी० एस० वहिया,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से भिष्ठक है

श्रौर जिसकी सं० जैमा कि श्रनुसुधी में है तथा जो रमेश कालोनी जलन्धर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1978

मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त श्रधिनियम की धारा, 269 ग के अनुमरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्यों, ग्रथीत्-- 1. श्रीमती स्नेह लता पत्नी जुगल किशोर गली नं० 2 नमक मंडी जलन्धर

(भ्रन्तरक)

 श्री विजय कुमार बिकरमजीत सिह ग्रीर किरन कुम। न नजदीक नई कचहरी जलन्धर

(श्रन्तरिनी)

- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है (बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजत के संबंध में कोई भी ग्राक्षेतः --

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन को नारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी ग्रन्थ का कि दारा, अधीहरनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनसूची

प्ताट जैसा कि विलेख नं० 38.93 श्रगस्त 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जनन्धर में लिखा है ।

> बी० एम० दिह्या सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 7-4-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर कार्यालय जलन्धर, दिनांक 9 ग्रप्रेंल 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1807—यत, मुझे, बी० एस० दहिया,

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जी० टी० रोड, जलन्धर में स्थित है (ग्रीर इममे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख श्रमस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रिष्ठीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भ्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों भर्गा (→ -

- 1. सतलुज चिट फण्ड एण्ड फाइनेंस (प्रा०) लि० जलन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री अजीत सिंह, रखगाल सिंह कृगाल सिंह डेविड सिंह पुत्र हरबंस सिंह प्रकाण कौर पत्नी हरबंस सिंह सरहाल काजियां श्रीर बैंक आफ इंडिया कमिंग्यल) जलन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्तित जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्तक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीस्त सम्मति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बैंक आक्रांक इंडिया बिल्डिंग जैंसा कि विलेख नं० 4178 श्रगस्त 1978 क रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जलन्धर में लिखा है ।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जनरेज,सद्रास।

तारीख: 9-4-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस∙—

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रधीन मूचना भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर कार्यालय जलन्धर, दिनां 11 अप्रैल 1979

निर्देश मं० ए० पी० नं० 1898—-यन, मुझे. बी० एस० दहिया,

श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रन्मुची में लिखा है तथा जो बस्ती णेख में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याध्य, जसन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1978

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रत या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपानें में मुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269का के प्रमुक् सरण में, में, उक्त प्रधिनियम को घारा 269का की चपधारा (1) के अधीन निक्षांचित व्यक्तियों, अर्थात् !--- श्री नरंजन सिंह पुत्र उधम सिंह पुत्र हीरा सिंह बस्ती म्जा जलन्धर

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती करतार कौर पत्नी जाल सिंह पुत्र गुरदीप सिंह, गुरवचन सिंह, निर्मल सिंह, राजिन्द्र पाल सिंह पुत्र लाल सिंह, लाल सिंह पुत्र उद्ध सिंह बस्ती शेख जलन्थर

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्मत्ति में इचि एखता है (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करा पूर्वीक्त समान क भ्रजेन क लिए कार्यवाहिया फरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भा श्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन की भविध या सस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि विलेख नं० 4151 भ्रगस्त 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 11-4-1979

मोहर:

4-36GI/79

प्रस्प भाई • टी • एन • एस • ——

म्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनाक 11 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1899—यन, मुझे, बी० एस० दहिया,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-उ० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैमा कि श्रनसूची में लिखा है, तथा जो राज नगर जलन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफत के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से भिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरियो) के नीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छटेश्य से अन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक स्प् से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई कि ती जान भी बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थं भन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा न लिए;

अतः घव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में मैं, उन्त भविनियम की धारा 269-न की उपचारा (1) के भ्रमीन निम्निसिखत व्यक्तियों, भर्यात्:--- श्री लख्नमन सिंह , प्रीतम सिंह पुत्र दीप सिंह, भ्रम र कौर पुत्री सेवा सिंह कपूरथला रोड जलन्धर संत कौर पत्नी साधू सिंह कपूरथला रोड, जलन्धर

(मन्तरक)

- श्री मदन मोहन पुत्र गुरिदयाल सिंह विद्यावती परनी गुरिदयाल सिंह मजवीन मदन काहौर जहाज जलन्धर (प्रान्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में किच रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह पूत्रता प्रारी करके पूर्वीका सम्मति के प्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्गन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्ववशेकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही प्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 3898 ध्रगस्त 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जलन्धर

सारीख: 11-4-1979

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰-

भायकर प्रिविनियम, 1961 (1981 का 43) की घारा 269-प(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जलन्धर जलन्धर, दिनांक 11 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1900---यत, मुझे:, बी० एस० वहिया,

धायकर घिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि ध्रनुसूची में है, तथा जो ग्राम किशन गढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1978

पूर्वोक्त सम्पण्ति के उणित बाजार मृत्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से धिक है भीर यह कि जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित डहेश्य से उक्त किए लिखत में भारतिक रूप से भवित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रक्रिनियम के ध्रष्ठीन कर देने के ध्रश्वरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रान्थ पास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रवः ग्रव, उन्त गविनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रजीन निज्निशिवत व्यक्तियों। ग्र वि:---

- 1. श्री चरन सिंह पुत्र बूर सिंह गांव किशानगढ़ जलन्धर (भ्रान्तरक)
- 2. श्री मेजर सिंह पुत्र चरन सिंह गांव किशन गढ़ जलन्धर

(भन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग मों सम्पत्ति है)
- जो ब्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह ब्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख हैं

 45 दिन की मनधि या तत्सम्बन्धीः व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की मनधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबढ़ किसी प्रग्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्तों भीर पदों का, जो सकत भिन्यम के भ्रश्काय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जै उस भध्याय में विश्वा गया है।

मन्यूषी

जमीन जैसा कि विलेख नं० 3980 श्रगस्त 1978 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जलन्धर में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लिखा है।

> बी॰ एस॰ दहिया मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 11-4-1979

प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, जलन्धर कार्यालय जलन्थरज, दिनांक 11 श्रप्रैल 1979

निर्देण सं० ए० पी० नं०1901—यत, मुझे, बी० एस० दक्षिया,

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सम्नम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है, तथा जो गांव जलत्थर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्धश्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से जलन्थर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त 1978

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में बास्तविक कर म कथिन नहीं किया गया है :--

- (क) मध्तरण नं हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्राधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के द्यायस्थ में कमी करने या उससे बचन में मुनिधा के लिए; पौर/था
- (ख) ऐसी किसी भाग या किया धन या भन्य भाक्तियों का जिन्हें भारतीय भाग-कर भिर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिर्धानयम, या धन-कर भिर्धानयम, या धन-कर भिर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें मुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-म की उपनारा (1) अधीन निम्मनिखित स्थिनसमों, अर्थात्:— श्री मोहन सिंह पुत्र भगत सिंह गांव मिस्र जलन्धर (ग्रन्तरक)

2. श्री संगारा सिंह निरमल सिंह पुत्र मोहन सिंह गाँव मिल तहसील जलन्धर

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर नं० 2 मों है (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग मों मम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में एचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह मूचता बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की नामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति बारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

जमीन जैसा कि विलेख नं० 3550 श्रगस्त 1978 के रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, जलन्धर

तारीखा : 11-4-1979

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यानय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बम्बई कार्यालय बम्बर्ड, दिनाक 31 मार्च 1979

निर्देश स० ए० ए०आ४०/ए० पी०-293/78-79-यत, मुझे, बी० एस० श्रेषाद्री,

मायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 268-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारथ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- द∙ से प्रधिक है

प्रौर जिमकी मं० ** है तथा जो माजाय गांम में स्थित हे (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्वीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्धीक्त सम्पत्ति का उचित बाआर मुस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और धन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) क बीच ऐसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निश्चिन में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त पश्चितियम, के प्रधीत कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुक्किया के लिए; और/या
- (बा) ऐसी कियो भाव या किसी धन मा भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया मना या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, भव उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनिधम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित न्यंक्तियों, जर्यात्:-

- 1. श्री भगवान दास द्वारकादास कापाडिया (ग्रन्तरक)
- 2. श्रजीत रेडियो कारपॅरिशन प्रा० लिमिटेड (भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा में 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी स्यक्तियों पर पूचना को नामीन से 30 दिन की ग्रनिश्च जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी≆त स्थक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस मुबना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यापित द्वारा, भाषाहरूताभरी के पास चिखित में किरे जा सकेंगै।

स्पथ्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्को **घी**र पदों का, जो उक्त मधिनियम क भध्याय 20-क में पारभाषित है, वहां यर्थ हाना जा उम प्रध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

श्रनुसूची जैंसा कि विलेख न० ग्र० 58.73/72/ग्रार० बम्बई उप-रजिस्ट्रार श्रिधिकारी द्वारा विनाक 1-9-78 को र्राजस्टर्ड किया है ।

> वी०एस० शेषाद्री मक्षम प्राधिकारी, महायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 31-3-1979

पोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रषितियम, 1961 (1961 का 43) को बारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना कार्यालय पूना, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देण सं० सी० ए० 5/सब रिजस्ट्रार जलगाव/बोलेबर 78/434—यत, मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- श्पए से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं० श्रार० एम० क० 214-बी०, 1, 2-बी०/ क० 7 है, तथा जो जलगांव में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार जलगांव में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार जलगांव में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-11-78 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है भौर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) श्रौर अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भ्रन या भ्रन्य धारिलयों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्तं ग्रींविनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रीविनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रावीस निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री मिश्रीलाल श्रोंकारवास जोशी एण्ड सन्स भागीदार श्री पुरुषोत्तम मिश्रीलाल जोशी, 195, भवानी पेट, जलगांव

(श्रन्तरक)

- 2. (1) श्री श्रोम प्रकाश सीताराम प्रग्रवाल,
 - (2) श्री राजनाायण जगन्नाथ प्रग्रवाल
 - (3) श्री सोमा शिवराम भोले पार्टनर्स मेसर्स हीरा पन्ना बिदार्स
 - (4) चंद्रकांत केणरीमल राठी, 122, नवी पें, जलगंत्र

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्ष होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेदीकी जमीन : श्रार० एस० ऋ० 214-बी० 12-बी०/ छाट ऋ० 7।

क्षेत्रफल: 6104 वर्ग फुट।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत बिलेख ऋ० सं० 2436 दिनांक 28-11-78 को सब रिजस्ट्रार जलगांव के दफतर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 17-3-1979

प्रकप बाई टी • एन • एस • ~

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज,

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड पूना-411004 पूना, विनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/सब रिजस्ट्रार जलगांव/नथम्बर 78/433—यत, मुझे, श्रीमती पी० ललवानी, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'प्रकृत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से अधिक है

हार जिसकी सं आर कार कि 214 बी का 2-बी के प्लाट कि 8 है, तथा जो जलगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रीर पूर्ण हम से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार जलगांव में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार जलगांव में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 28-11-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पल्द्र ह प्रतिशत से मधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निकित में वास्त-विक कप से किसत नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की वाबत उक्त प्रक्रि-नियम के भ्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धनकर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, श्रियाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त मिधिनियम को धारा 269-म के अनुसरण जैं, मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) मुधीन निक्नतिकित व्यक्तिमों अर्थतः -- श्री [मश्रीलाल ग्रोंकारदाम जोशी एण्ड सन्म जलगां व भागीवार श्री पुरुशोत्तम मिश्रीलाल जोशी 195, भवानी पेट, जलगाव

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री घ्रोंम प्रकाश सीताराम घ्रम्रवाल
 - (2) श्री राम नारायण जगन्नाथ श्रग्रवाल
 - (3) श्री सोमा शिवराम भोले पार्टनर्स मेमर्स हीरा/ पन्ना विल्डर्स
 - (4) श्री चंद्रकात केशारीमल राठी, 122, नबी पेठ, जलगांव

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माओप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, सो उक्त मधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया 14, है।

अनुसूची

खेती की जमीन : म्रार० एस० ऋ० 214, बी-1, 2-बी०, प्लाट ऋ० 6

क्षेत्रफल: वर्ग फुट 6480, जलगांव (जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 2435, दिनांक 28-11-78 को मब रजिस्ट्रार जलगांव के दफतर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, पूना

तारीखा: 17-3-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज,

60/61 एरंडबना, कर्वे रोड, पूना-411004 पूना-411004, दिनाक 29 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० ग्रार० रहाय/दिसम्ब⁷-78/ 436—यत: मुझे, श्रीमती पी० ललवानी, भायकर ग्रंघिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिन है

ष्मौर जिसकी स० सर्वे स० 4/2 ए है, तथा जो णिरडी ग्रहमदनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार रहासा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिष्ठिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उका अन्तरण निकार में बास्तिक रूप में कियल नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्परण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य म कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के प्रनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की जुपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातः---

- श्री अण्णासाहेब बाबुराव शेडे णिरडी, तह० ग्रहमदनगर (अन्तरक)
- 2. श्री भुरेण मोहनराव गोरिडिया केश्वर श्राफ भुरेश भोरिडिया एण्ड कं० इस्टेट सी० कन्मस्ट्रेट, 24, बीर नरीमन रोड, रेहमान बिल्डिंग, सेकण्ड क्लोर मुम्बई

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता ह ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रार्जेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारी ख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जा उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

प्रमुसुची

प्रापर्टी : सर्वे सं० 4/2 π , शिरडी, तहसील ग्रह्मदनगर क्षेत्रफल : 21520 वर्ग फुट

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1439 दिनांक 4-12-78 को सब रिजस्ट्रार रहासा के वफतर में लिखा है)।

श्रीमती ग्री० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-3-1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-II, दिल्ली-1 4/14क, आसफ अली मार्ग नई दिल्ली-1, दिनाक 2 स्रप्रैल 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी० एक्यू०/[1/प्रगम्त-23/2934/78-79/79/9/4---यत: मुझे, प्रार० बी० एल० प्रग्नवास, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए ने ग्रिधिक है

ग्रीर जिमकी स० एम-8 है, तथा जो राजौरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए प्रस्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित म वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण सं हुई िकसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसो किली ब्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय व्यायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रत. ग्रब, उक्त ग्रिशिनयम की धारा 269-ग के श्रन्मरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयौन्:—— 5—36GI/79

- श्री मन्या भूषण, तथा श्री सुभाष चन्द्र, सुपृत्र श्री देवकी नन्दन, निवासी ई-3, रतन पार्क, नई दिल्ली-1 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री अशोक कुमार सेठी, सुपुत्त श्री राम प्रकाण मेठी, निवासी जे-12/44, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यंवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पट्टीकरण --इसम प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूचो

एक मजिला मकान जोकि 202 वर्ग गज क्षेत्रफल के ज्लाट पर बना हुम्रा है, जिसका न० एम-८, है, निवासी कालौनी राजौरी गार्डन, बसाएदारापुर गाव, दिल्ली में निम्न-प्रकार से स्थित है ----

पूर्व . ण्लाट नं० एम-9 पश्चिम : प्लाट न० एम-7

उत्तर : रोड

दक्षिण प्लाट न० 56 तथा 57 ब्नाक नं० 'म्रो'

म्रार० बी० एल० म्रग्रवाल महायक्त प्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) म्रजंन रेज-U, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 2-4-1979 मोहर प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-II, दिल्ली-1 4/14 क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-1, दिनांक 2 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एवयू०/II/ध्रगस्त-109/3162/78-79/79/9/44---याः मुझे, ध्रार० बी०एल० ध्रप्रवाल, ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मह्य 25,000/- र० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ए-7/5 है, तथा जो रानाप्रताप बाग, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण व्या से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,1908 (1908

का 16) के प्रधीन, तारीख 24-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्झह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रीधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी थ्राय या कियी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, श्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म के प्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रयात:---

 श्री माना सिंह, सुपुत्र श्री जवाहर सिंह, निवासी ए-7/5, राना प्रनाप बाग, दिल्ली-1

(श्रन्तरक)

- (1) श्री राम चन्द, सुपुत्र श्री कीमत राम कालड़ा, निवासी ए-16/1, राना प्रताप बाग, दिल्ली;
 - (2) श्री श्रर्जन दास सुपुत्र श्री कीमत राम कालड़ा, द्वारा राजस्थान ज्वैलरम, मालीवाड़ा, दिल्ली,
 - (3) श्री विश्न दास कालज़, सुपुत्र श्री राम चन्द, द्वारा राजस्थान ज्वैलरम, मालीवाज़, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के जिये एतद्वारा कार्यवाहियां सुरू करना है।

उपत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भोतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस धूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक ढ़ाई मंजिला बिलिंडग जो कि 490 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है जिसका नं० ए-7/5 है, राणा प्रताप बाग, मब्जी मण्डी, साधीरा कालान गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड

पश्चिम : जायदाद नं० ए-6/5

उत्तर : रोष्ट

दक्षिण : जायदाद नं० ए-7/4

ग्रार० बी० एस० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिञ्ली, नई दिल्ली-1

नारीख : 2-4-1979

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस०→→──

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रंज-II, दिल्ली-1 नई दिल्ली-1, दिनांक 2 भ्रप्रैल 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/ग्रगस्त-57/3044/78-79/79/9/4—यत, मुझे, ग्रार० बी० एल० श्रग्रवाल, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 39 है, तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 14-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिथित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा व लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिष्ठित्यम, या धन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त धिधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री यगपाल मदान, सुपुत्र स्वर्गीय डा० सेवा राम मदान, एफ-38, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली,
 - (2) श्री सत्या पाल मदान, सुपुत्र स्वर्गीय डा० सेवा राम मदान, निवासी 21, पार्क एरिया, करौल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

- (1) श्री तजीन्द्र वधावन, पत्नी एस० ग्रया सिह
 धावन तथा
 - (2) श्रीमती निर्मल कौर, पत्नी एस० हरमीन्द्र सिंह, दोनों निवासी 19, वैस्ट एवेन्यू रोड़, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में विया गया हैं।

अनुसचो

प्लाट जिसका नं० 39 है और क्षेत्रफल 654.63 वर्ग गज है, नार्थ वैस्ट एवेन्यू रोड़, पंजाबी बाग, बसाएदारापुर गांव , दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :--

पूर्व : जायदाद नं० 37

जपश्चिम : लेन

उत्तर : मर्विस लेन

दक्षिण : नार्थं वैस्ट एवेन्यू रोड़

ग्रार० बी॰ एल॰ श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नारीख: 2-4-1979

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-घ (1) के घंधीन मुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, दिल्ली-1 नई दिल्ली-1, दिनांक 2 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ग्राई० [ए० मी०/एक्यू०/11/ग्रगस्त-72/3037/78-79/9/4—प्रतः मुझे, ग्राप् बी० एल० ग्रग्नवाल, ग्रायकर ग्रिवित्यस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्म 25,000/- क० से ग्रिकि है

श्रीर जिसकी सं० 5212-5213 है, तथा जो को हुलापुर रोड, मब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-8-1978

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मृत्य उसके बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिश्वत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक अव य किया नहीं किया गया है ——

- (क) प्रस्तरम से हुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के भधीन कर देने के सन्तरक के टायिन्ड में कमी करने या उससे बचने में मृति।' के लिए: और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य घास्तियों की चिन्हों भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 का 11) या उत्तर धिविनयम, ग्राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रस्तिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

शतः सथ, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की खपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधातः--

- श्रीमती प्रसन्ती देवी, पत्नी (स्वर्गीय) गंगा राम शर्मा, निवासी 319, मााल टाउन, दिल्ली (भ्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रोम प्रकाण, सुपुत्र श्री जुम्मा मल, निवासी 5212, कोह्स्लापुर रोड, सब्जी मण्डी, दिल्ली (श्रन्तरिती)
- 3. श्री मुकेश कुमार रामफूल, श्री लहरी सिंह, श्री हरी राम मेहरा तथा श्रीमती श्याम देवी (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाओप 🕳

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भवधि या तत्सबधी क्यिन्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की भवधि, जो भी भ्रविष् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवद त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना क राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

श्यब्दीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है वही ग्रथं हागा, जा उस ग्रध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

एक दो मंजिला वयम दुछती फ्लौर जिसका नं० 5212-5213 है श्रौर क्षेत्रफल लगभग 18 वर्ग गज है, श्रौर प्लाट नं० 8 है, कोहलापुर रोड, सब्जी मण्डी, इलाका नं० 12-दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सङ्क 20 फुट को ह्लापुर हाउस,

पश्चिम: मेन बाजार कोहलापुर रोड़

उत्तर : मकान नं० 5214 चौ० मोहन सिंह

दक्षिण : मकान नं० 5211 श्री काशीराम सहगल

भ्रार० बी० एल० भ्रग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन' रेंज-∏ दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 2-4-1979 मोहर : प्रकर भाई० टी• एन• एम•⊶----

पायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, विनांक 9 अप्रैल 1979

निर्वेश मं० आई० ए० सी०/एक्यु/11/श्रगस्त-130/3231/78-89/79/9/4—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अप्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिष्टिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मह्य 25,000/-र• से श्रिधक है

भौर जिसकी सं० 6943/2 प्राईवेट नं० 5 है, तथा जो गली आर्य समाज नं० 2, जयपुरियां बिल्डिंग, कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप सं विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-8-1978

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियां) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक का से क्यित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाषिनियम के भन्नीन कर देने के भ्रत्नरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्वके में सुविधा के लिए, और/पा
- (ख) ऐसी किसी अथ या किसी अन या प्रस्य मास्तियों,
 को जिन्हें भारतीय आय-४२ प्रिवित्यम, 1922
 (1922 का 11) या उन्त प्रिवित्यम, या
 धनकर प्रिवित्यम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ भन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अत: ग्रव, उक्त श्रष्टिनियम की द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रष्टिनियम' की द्वारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थीत :---

- 2. श्रीमती गिरजा बेन विवेदी, विध्वा पत्नी श्री कान्ती लाल विवेदी, निवासी 6943/2 नं० 2, जयपुरियां विल्डिंग, कमला नगर, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रशोक कुमार चौपड़ा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री सतपाल चौपड़ा, निवासी 21-ए, कोह्लापुर रोड, कमला नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को पन सूचना जारी करके पूर्वो सामधानि के पर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उत्तर सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भा पार्कर .--

- (क) इस सूचना क राजपन्न ने प्रकाशन का नारील स 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जा भी प्रवधि बाद में समाप्त होक हो, के भीकर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होरा;
- (ख) इस सूचना के राजनह में प्रकाशन की नागण से 45 दिन के भीतर उपत स्थानर सम्पत्ति में हितवाड़ भिनी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहरताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पदशकरण:--इसमें प्रपुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा जो उप परकार में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जायदाद जिसका प्राईवेट नं० 5, म्युनिसिपल नं० 6943/ 2 है श्रीर क्षेत्रफल 117 वर्ग गज है, गली श्रायं ममाज नं० 2, जयपुरियां बिल्डिंग, कमला नगर,दिल्ली में निम्नप्रकार से स्थित है:—

पूर्व : राम नारायण को जायदाद

पश्चिम : रोड उत्तर : रोड दक्षिण : रोड

> ग्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 9-4-1979

मोहर 🖫

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, घिल्ली, नई दिल्ली-1 नई दिल्ली-1, दिनांक 9 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/प्रगस्त-90/3128/78-79/79/9/4—यत, मुझे, प्रार० बी० एल० प्रप्रवाल, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं बी-231(231) है, तथा जो डी श्राई० खान को-ग्रापरेटिय सोमाइटी, मुबारक बाग, जी टी० रोड. दिल्ली-1 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण चप से विणित है), रिजस्ट्री हर्ना श्रीध हारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन, तारीख 22-8-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव उक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. डेरा ईजमाईल खान को-भ्रापरेटिय हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लि०, मुबारक बाग, जी० टी० रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री गनपत राम, सुपुत्र श्री परमानन्द मादा निवासी बी-2, माडल टाउन, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के ग्रजँन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, उक्त श्रव्रि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रतुसूची

प्लाट जिसका नं० बी-231 है और क्षेत्रफल 268.22 वर्ग गज है, डेरा इजमाईल खान को-प्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोमाइटी, मुबारक बाग, जी० टी० रोड, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :---

पूर्वं : सर्विम लेन

पश्चिम : प्लाट नं० बी-230

उत्तर : सर्विस लेन दक्षिण : 30' चौड़ी सङ्क

> ग्रार० बी॰ एल॰ ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी, महायक श्राकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9-4-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैदराबाद कार्यालय हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० 357/78-79—~यत, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

भीर जिसकी सं० मलगी नं० 9 है, तथा जो 5-8-521 धीरा गली लेन में स्थित है (भ्रौर इसमे उप।बद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप स वर्णित है),रजिस्ट्री हर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री करण भ्रधिनियम, (10081908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 198

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयांत:—

1. श्रीमनी तारामनी पत्नी गिरीराव गोयल 5-3-1053/ शेतकर बाग हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

2. श्री विजय कुमार घर न० 10-4-34 मासावरटानव हैदराबाद

(यत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त मन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 9 घर न० 5-8-521 में धीरा गली लेन----हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2552/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० एस० वेकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

नारीखा : 6-3-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एम०----श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रामीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनाक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० 358/78-79–यत, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपण से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० मलगी नं० 7 घर नं० 5ब8-521है, तथा जो धीरा गली लेन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-7-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत से प्रधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बायत, उक्त भ्रिष्ठिनियम के भ्रिष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या स्रन्य स्नास्तियों को जिन्हें भारतीय स्नाय-कर स्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त स्नधिनियम, या धन-कर स्नधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) अश्रीन निम्नलिखित स्थिनतयों भर्षात्:—

- 1. श्रीमती तारामनी पती स्त्री गिरीराज गोयल 5-3-1053 शंकर बाग उस्मानखान हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री हुसैन भ्रली पति हुसैन म्रली घर नं० 2/28 करीमाबाद भ्रालोनी हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

मलगी नं० 7 घर नं० 6-8-521 जगदीण मारकीट धीरा गली लेन हैदराबाद रिजस्ट्री दहस्नावेज नं० 2638/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के॰ एस॰ वेकटरामन सक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंज, हैदराबाद

तारीख : 6-3-1979

प्ररूप प्राई० टी∙ एन० एस०---

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1079

निर्देण सं० 359/78-79—यत, मुझे, के० एम० वेंकट रामन,

पायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मृल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है और जिमकी मं० मलगी नं० 8 है, तथा जो 5-8-521 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ध्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, धीरागली लेन, हैक्रराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जुलाई 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीध ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भक्ति । नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में मुक्तिशा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य अरक्षितयों को, जिम्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या भनकर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः, भ्रम, उन्त भ्रषिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त भ्रषिनियम की घारा 269-ण की उपचारा (1) के अधीन निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---6—36GI/79 1. श्रीमती तारामनी पती गीरिराज गोयल 5-3-1053 उस्मान गंज हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रली हुसैन (मैनर) जगरानी कार हुसैन श्रली पिता करीमाबाद बाबिली हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घर्षधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी घर्षधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त प्रिक्षित नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन ग्राठ्यात्र में दिया गया है।

अन्सूची

मलगी न० 8 घर नं० 5-8-521 में है धीरा गली लेन; हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2739/78 उप-रिजस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

> कें० गुस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, हैदराबाद

नारीख ' 6-3-1979

प्रस्प आई० टी० एन० एस०-----

आयकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ष (1) के भिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय; सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोज, हैदराबाद कार्यालय हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० 368/79-79—यत, मुझे, कें० एम० बंकट-रामन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्पये से प्रधिक है प्रौर जिसकी मं० महार्गी नं० 14 है, तथा जो 5-8-522/2

श्रार जिसका में निर्मानिक 14 है, तथा जा 5-8-522/2 धीरा गली लेन में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रक्षिण के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरितीं (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उन्तरिण जिल्लिंग में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी प्राय की नाबत उक्त भीधिनियम, के भीधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धर या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) स प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त भिधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रमीत्:—— 1. श्री धीरी रतन गोयल घर नं० 5-3-1053 उस्मान गंज हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

2. श्री किशन प्रसाद 14-6-9 पीगम बाजार हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प[्]त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हिसबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्वतिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिचालित हैं, बही अर्थ होगा, जो उा श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 140 घर नं० 5-8-522/2 धीरा गली लेन में है हैदराबाद रिजस्ट्री दहनावेज नं० 2650/79 उप-रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 6-3-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश मं० ग्रार० ए० सी० 361/78-79—यत, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 13.14 चिराग - ग्रली लेन है, तथा जो हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रमधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारी ख 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वाम करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी कियो प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियो को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उद्दश सिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उदत सिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, संपति:——

- 1 श्री गिरिराज गोयल मकान न० 5-3ब1053, शंकर बाग, श्रोस्मानगंज के पास , हैदराबाद
 - (भ्रन्तरक)
- श्रीमती डा० सैयद रुथी मकान नं० 10-2-317/31, विजय नगर कालोनी, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त मंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी अविधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में छे किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

साब्दीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रधितियम, के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही श्रयं हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दम्तर कमरा नं० 13 क और 14 प्रेमिसेंस नं० 5-8-522/ 2 में जिराग-म्राली-लेन हैदराबाद रजिस्ट्री दस्ताकेश नं० 2967/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० स्रार०ए०सी० नं० 362/78-79—यत, मुझे, के० एस० बेकट रामन,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से भिष्ठक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान न० 15-1-503/25 है, तथा जो अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1978 पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दयशमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रीय श्रम्तरित (अन्तरित की गई है श्रीर श्रम्तरित (अन्तरित की गई की श्रीर श्रम्तरित (अन्तरित की में वास्तिक है श्रीर श्रम्तरित से बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक हप से कथिव नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भागकी बाबत, उक्स ग्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी फिसी घाय या किसी घन या ग्रन्थ ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घ्रिधिनियम, या घन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, उक्त ध्रिधिनियम की धारा 269-ग के ध्रुपुसरक में, मैं, उक्त ध्रिधिनियम, की घारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ध्रयति :----

- श्री दीनााथ मोंदी, हनुमानदास मोदी, (का पुत्र)
 21-1-624, वर्द शरीफ, (पटेल मार्कीट) हैवराबाद (भ्रन्तरक;
- श्री प्रब्दुल रजाक खानद्व मकान नं० 14-1-358 आगा पुरा, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध
 बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसम प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमी और घर 6, समदपपा मूदली गली में।

मंजिल नं० 15-1-50/325, प्रेमिसेस नं० 15-1-503, फीलखाना, सिद्धेबर बाजार, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2976/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-3-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैदराबाद कार्यालय

हैदरादा, दिनांक 6 स्रप्रैल 1979

निर्देश सं० श्रार०ए०सी० नं० 383/78-79---यत, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 14, (5-8-622) है, तथा जो चिराग-म्राली-लेन, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 अप्रैल 1978 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्त के पद्ध है श्रीर मृत्यमान प्रतिक्त के पद्ध है श्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरितो (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रपीत्:—

 श्री जगदीश प्रशाद, नं० 21-12-93, रिकाबगंज, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

2. श्री संयद मंजहार हुसैन, मकान नं ० 17-6-113 काली मस्जिद, रदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 14 प्रेमिसेस 5-8-622 चिराग -म्राली-लेन हैदराबाद में, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2637/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-3-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय हैदराबाद दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश सं० नं० 364/78-79—यत, मुझे, के० एस० बेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० बीयांग 4-1-413 वा 4.23 है, तथा जो तुरुप बाजार हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण मप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जुलाई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त आयकर प्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

ग्रतः भ्रब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत :-- मिसेम होटल पार्कलेन लिमिटेड 4-3-16 राष्ट्रपति रास्ता सिकन्दराबाद

(भ्रन्टरक)

2. श्रीमती विजया देवी पती दनदुयेकाम्बर घर नं० 9/ए, वाकरटीन मिकन्दराबाद

(ग्रन्तिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना केगराजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

सपष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तमाम खुली जमीन वीस्त्नं 115.67 वर्ग मीटर घर का सभी तामीर घर का न० 4-1-419 ता 423 तुरुप बाजार हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तातेज नं० 2513/78 उप रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रानन सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदरा**बाद**

तारीख: 13-3-1979

प्रस्य प्राई० टो० एन० एम०---

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घ्रधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश सं० 365/78-79---यन, मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर ग्रिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 233-76 वर्ग मीटर जगा घर नं० 4-1-419 ता 423 है, तथा जो तुक्प बाजार, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर अन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (त) श्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (श्र) ऐसी कियो आग या किसो घन या प्रस्य आस्तियो की, जिन्हें भारतीय आयकर अघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः अत्र, उक्त प्रधितियम का धारा 26% में अनुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 25% न की उपधारा (1) के अक्षोन, निस्तलिखित व्यक्तियों, अर्थातः --- 1. मैं मर्स होटल पार्क लेन, प्राईविट लिमिटेड 4-3-16 ग्रार् पी० रास्ता सिकन्दराबाव

(ग्रन्तरक)

2. (2) कुमारी इन्दु कांचना

(2) कुमारी (मैनर्म) इन्दु करुण घर नं० 9/ए वाकर टीन सिकन्दराबाद, ऊका० पिता० ग्राधिकार

है ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील में 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 अविध बाद में समादन होती हो, के भीतर पूर्योक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (चा) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रश्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त प्रधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं। बही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तमाम जमीन श्रौर वीर्स्तन 233.76 वर्ग मीटर जमीन श्रौर सुपर स्ट्रकचर वीयारा घर नं० 1-1-419 है तुरुप बाजार हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2514/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के०एस०वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-3-1979

प्ररूप भाई० टी० एन∙ एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1979

निदेश सं० 366/78-79—यत, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,
ग्रायकर मिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से मधिक है, ग्रौर जिसकी सं० कुछ बाग की जमीन 4-1-419 ता 423 तुरुप बाजार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय

16) के प्रधीन तारीख जुलाई 1978 को
पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है:—

हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के लिये;

ग्रतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त अग्रिनियम की धारा 269-घ को उपधारा, (1) के अधीन निम्निक्षिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैंसंस होटल पार्क लेन प्राईवेट लिमिटेड 4-3-16
 श्रार० पी० रास्ता सिकदराबाद

(भ्रन्तरक)

2. इन्दु प्रवीना 9/ए, वाकर टीन सिकन्दराबाद (मैनर) उनका पिता आदिकार है (डी० यकामधर) (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताझरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्स श्रीवित्यम के श्रव्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,।

अनुसूची

तमाम घर का विभाग 138.02 वर्ग यार्ड जमीन, श्रीर मुपर स्ट्रकचर घर का नं० 4-1-419 ता 423 तुरुप बाजार, हैदराबाद में दस्तावेज नं० 2515/78 उप-रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 13-3-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यातय, महायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश स० 367/78-79—यत, मूझे, कें० एस० वेकट रामन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रुपये में अधिक है

हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, तारीख जूलाई 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि धयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से मधिक है भीर प्रस्तरक
(प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे
प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत
नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में युविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी कियो भाग या किसी धन या प्रत्य शस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ६। या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धन्सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के ग्रिधीन निम्निनिखित क्यक्तियों, अर्घीत् :——
7—36GI/79

 मैंसर्स गिरिन्दर कौर कनदारी पती सुरेन्दर सिंह कन्दारी मैनेजिंग पार्टनर मैंसर्स कनधारी कारपोरेशन 15-1-53/3 पीलकाना हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

 श्री के० वीरय्या पिता रामिलगम 15-2-258 ऊसमान शाही हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भा गाओप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़
 किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धमुसूची

खूली जमीन में E-3 प्लाट है गगन महल कोआपरेटिय डिवेलपमेंट सी० सीटी दोमलगुडा हैदराबाद में है—रिकस्ट्री दस्तावेज नं० 3008/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-3-1979

प्रहप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश सं० 368/79-79---यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन.

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है). की छारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

सौर जिसकी सं० प्लाट नं० E-3 विभाग नं० दीमलगुडा है, तथा जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रमूस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1978 पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण किखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिप्ति-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रविनियम, या धनकर श्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उत्थारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयीत:— मैसर्स गरिन्दर कौर कन्धारी, पती सुरेन्दर सिंह कन्धारी मैसर्स कन्धारी कारपोरेशन 15-1-53/3 पीलकाना हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० वीरालक्ष्मी पती के० रामिलगम 15-5-258 श्रस्मान शाही हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भ्रार्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हिंसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपब्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन श्रीर भाग नंश E-3 का है—गगन महल कोआगरेटिय डियलपमट सोमाइटी दीमलगूडा हैदराबाद में 299 वर्ग यार्ड रिजस्ट्री दस्तावेज नंश 3009/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-3-1979 मोहर प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च, 1979

सं० 369/78-79--यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्ति, जिसका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रौर जिमकी सं० 3-5-784/15/1 है, जो कीनरकोटी वर्णा स्वाद-हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद श्रनुमुनी में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजर्स्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 78

पूर्वोतन सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं; तक्त भ्रधिनियम की धारा 269-भ्र की उपधारा (1) के भ्रभीत निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री सैयद ऊस्मान-प्रल-इल्याम अजमत अली पिता स्वर्गीय मयद अमगर अल्ह्नन 3-5-784/15 कीनरकोटी हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स कुणाल ग्रापारटमेन्ट उसकी बलाने वाली श्रीमती निर्मला देवी डगा, पित एस० एल० डगा, 4-6-489 हैदराबाद (श्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के मंबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

घर नं० 3-5-784/15/1 कीनरकोटी, बशीरबाग रास्ता हैदराबाद (राजरेडी मार्ग) वैस्टर्न 1222 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3012/78 उप राजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 13-3-79

प्रका प्राई० टी० एन० र । । । । । अत्य कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रोज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1979

न॰ 370/78/79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन, राभ, आयक्तर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क्पए से ग्रधिक है

श्रीर जिमकी स० 3-5-170/ए/9 है, जो नारायनगुडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजर्म्ट्राकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्राकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिकृत के तिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरितों (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्तिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ने हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिश्रित्यम के भाषीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभ्रा के लिए;

मत: मब, उनत मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) धभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात:---

- डी० नरसीम्मा णरमा पिता डी रामशा धर न० 1 एम ए जी कालोनी मह्बीपटनम, हैदराबाद (प्रन्तरक)
- श्री भगवती प्रमाद धर नं० 3-5-170/ए/११ नारायनगुडा हैदराबाद (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाह्यिंग करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

६२६टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के प्रध्याय 20-क्त में परिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-5-170/ए/9 नारायनमगुडा के पास हैं, हैदराबाद 340 वर्ग यार्ड स्वेंटनं है, दस्तावेज नं० 2823/78 उप रिजम्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 15-3-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1979

नं० 371/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सञ्जन प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5-9-22/57 ग्रील 57/1 है, जो आदर्श नगर हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजर्स्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1978

- को पूर्वोश्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त के बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य भास्तियों की जिस्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अव, उवत प्रधिनियम, की प्रारा 269-ग के धनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपणारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्। ---

- श्री ग्रार० मदुसुदन रेड्डी (2) श्रार० रगुपित रेड्डी (3) ग्रार० प्रनापकुमार रेड्डी नं० 1 ग्रीर 3 बेनगलूर में ग्रीर नं० 2 हैदराबाद में। (अन्तरक)
- 2. श्री कनम्यालाल घर नं० 5-9-22/31 म्नादर्शनगर हैदराबाद (2) श्रीमती रूप पति कनम्यालाल है (ग्रस्तिरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्मीत के अर्जन के लिए एनदारा कार्यवाहियाँ शुरू कणना हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षीत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्जध, जो भी घर्जध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी उपकित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्यव्ही सरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पदी का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्रष्ट्याय 20- ह में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथ होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

ग्र**नुसूची**

त्राम जनीन ग्रीर घर नं० 5-9-22/57 ग्रीर 57/1 बीस्तेन 554-80 को यार्ड ग्रादर्श नगर हैदराबाद में है रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2482/73 उन रिजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एम० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारी**ण**ः 15-3-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का **43) की धारा** 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मार्च 1979

नं० 372/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मूस्य 25,000/- के अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० कुली जमीन घर नं ० है, जो 6-2-30 लक्डी का पुल हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उगबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण चप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, कैरताबाद में रिजम्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई 1979 की

पूर्वोक्त सम्गति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवन धन्तरण लिखित में सास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिख म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः घद, उक्त मधिनियम की घारा 269ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269म की उपचारा (1)के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों मधीन:--

- (1) श्री महमदी मुखान हमन ग्रीमदी (2) महमद रजवान हमन ग्रीमदी (3) दाऊद ग्रीमद हमन (4) महमद इलियाम ग्रहमदी (जमाम मैनसी) है पिता रकवाला है (5) संत महमद इलयाम ग्रीमदी श्रीमती महमूद बैगम हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. सरदार भ्रमलोक सिंह घर नं० 3-6-63 बणीरबाग हैदराबाद (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजानज्ञ में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी मन्य स्थक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रध्याय 20क में परिकाषित है, बही धर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन बीस्तेन 456 वर्ग यार्ड है कुछ बाग है घर नं० 6-2-30 एस सी यार्ड कैरताबाद हैदराबाद में है रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1958/78 उप रिजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 16-3-1979

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 मार्च 1979

नं 373/78-79—यतः मुझे के एस वेंकट रमन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

म्रांर जिसको सं० 1-7-293/1 म्रोर 1-7-293/1/ए एम जी एस्ना सिकन्द्राबाद में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रोर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता म्रधिकारी के कामलिय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 78 की

पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है घौर अन्तरक (प्रन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिष्टित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए ; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः भव, उन्तं भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं उत्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात:--

- 1. श्रीमती हिल्ला गाप्र भूस घर नं० 1-7-28 / 288 महातमा गाधी मार्ग शिवन्दराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री डीं० यंकामनर (2) डीं० विजय देवी (3) डीं० विश्ववैणवर राउ (4) डीं० पृष्णापानती (5) डीं० श्रीपंत्यन राउ (6) श्री चन्द्राकला नं० 1 टी 2 घर नं० ९/ए पड्मा-राउ नगर बणीरबाग, हैदराबाद

(ग्रन्तरिर्वत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिन के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रजैन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, नो भी ध्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत अपित्यों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्ता स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पटों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में विया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-7-293/1 थ्रीं 3 1-7-293/1/ए कहा जाता है ''लींडो रेस्टोरेन्ट'' महात्मा गान्धी राम्ता सिकन्दराबाद रिजर्स्ट्री दस्तावेज नं० 1696/78 उप रिजर्स्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

के० एस० वेकट रामन सक्षम स्रिधिकारी सह्दायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्र्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 19-3-1979

प्ररूप आई • टी • एन • एन • ——— प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 मार्च 1979

सं० स्राप्रुण प्रभिः नं० 374/78-79—-यतः मुझे के० एस० वेंकटपासन

श्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उनते प्रधिनियम 'कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- खपये से प्रधिक है खंड जिसकी संव 195 विष्वंद, सिकन्दराबाद है, जो में स्थित है (और उसमें जावाब श्रन्सूची में और पूर्ण कप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिवारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ज्लाई 78 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बागार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ न के तिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ त का पंद्रह प्रतिगत से भिवक है भीर भन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिनों (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफ त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निब्बत में वास्तिक हम के किया निया तहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी मात्र की बाबत, उक्त भिक्षित्रम के मध्यत्क के दिने के मन्तरक के दिला स्मित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किनो आप या किनो धन या ग्रम्य भ्रास्तियो, को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्दरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें मुंवभा के लिए;

जतः सन्त, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन, में, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- 1. श्रीनिति एम० होणाग बक्चा श्रीर दो व्यक्ति लोग (জी०पी०ए०) घर न० 209 सीक रोड़ सिकन्दराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जार्ज पेरनानडेस घर नं० $25|\hat{a}|$, एनटैन्चमेन्ट रास्ता (2) श्री पेरदीक फेरनानडेस (3) श्रीमति स्रलप्रेड पेरनानडेस $25|\hat{a}|$ एनट्रैन्चमेंट रास्ता सिकन्दराबाद (स्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी कर हपूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त मन्ति के पर्नत हे पंत्रंत्र में कोई भी पार्कों :--

- (क) इस सूजता के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की मनिष्ठ या तरसंत्री व्यक्तियों पर सूजना की नामीन से 30 दिन की मनिष्ठ, जो भी मनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के मोतर शॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इ.म. मूजता के राजाज में प्रकाशन की तारी खासे 4.5 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितव 2. किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा भ्रोतेह्स्ता गरी के नास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों सौर पदों का, जो उक्त सिन् नियम के प्रध्याय 20-क में परिसायित हैं, वहीं अर्थ होगा, जा उर श्रद्धाय में दिसा गया है।

अनुसूची

मुलगी नं० 195 तारबंद में सिकन्दराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1923/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में '

> कें० एस० बेंकट रामन सक्षम श्रिधकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखाः 19-3-79

प्रकृष भाई • टी • **एन** • एम •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प(1) के घंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 19 मार्च 1979

नं० 375/78-79—यत. मुझे कें० एस० वेंकट रामन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से भिधक है

श्रौर जिसकी सं 6-3-8 52/3 है, जो श्रमीरपेट हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रम्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रंधि-नियम के ग्रंघीन कर देने के शन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में मुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसो घन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के सन्-सरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269 भ की उपसारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयित !—— 8—36GI/79

- 1 ए० एन० वेदामबल 6-3-852/ए/2 श्रमीरपेट हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कस्तुरी राजेन्द्रन-177 सापट कुबेट (श्रन्तरिती)

को यह भूवना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचन। की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस अडयाय में दिया गया है।

अमु सूची

घर न० 6-3-852/3 स्रमीरिक्ट हैदराबाद विस्तेन 176.88 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1818/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में

> के० एम० वेंकट रामन मक्षम अधिकारी महायक अ।यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीखाः 19-3-79

म*्रि*ः

प्ररूप ग्राई० टी० एन ● एस० -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज II, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी, 1979

नं० पी० श्रार० ६४९/एमीक्यू 23-1256/6-1,78-79— श्रत: मुझे एस० सी० परीख,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका छिनत बाजार मून्य 25,000/- द० से प्रधिक है और जिसकी सं० फलैंट नं० 6ए विश्वास कालोनी रेस कोर्स रोड, बडौदा है। तथा जो बडौदा कसबा सं० नं० 532 प्लाट नं० 24, 25, 28, 29, 32 और 33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बडौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 17-8-1978

को पूर्वास्त संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिधितियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बान या झन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय झायकर ग्रिश्चित्यम, 1923 (1922 का 11) या उक्त श्रिश्चित्यम, या धन-कर झिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

अतः भ्रम, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त सिधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- के० ए० एम० पटेल एंड कम्पनी 205, यश कमल बिल्डिंग, बड़ौदा-390005 (प्रन्तरक)
- श्री रामचन्द्र छोटुभाई मेहता, मारफत बी० के० नायक, "नायक बिला" पृताप गंज, बड़ौदा-390002 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीर ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तागील मे 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितसद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे अयुक्त शब्दों ग्रीर पद्यों का, ती अक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्घा

फिनैट नं 6ए जिसकी फिलोर एरिया 1120 वर्ग फुट है तथा जो विश्वास कालोनी, रेम कोर्स रोड़, बडौदा में स्थित मन्टी स्टोरीड बिन्डिंग में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी बड़ोदा द्वारा 17-8-1978 को दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3458 में पूर्विशत है।

एय० मी० परीखा, सक्षम प्राधिकारी, सहाप्रकश्चायकर श्रत्यकृत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-∏

तारी**ख** : 2-2-1979

मोहर.

प्रकप माई • टी • एन • एस ०--

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 भ (1) के भ्रष्ठीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज- , श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी, 1979 नं० पी श्वार 650,एसीक्यु 23-1263/7-4/78-79—श्रतः मझे एस० सी० पारीख,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/∙ क्पए से भिधिक है

भीर जिसकी सं० न्यू टीका नं० 60, सर्वे न० 2753 है तथा जो भाषा नगर, नयमारी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसुधी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नयसारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रगस्त 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह जितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है —

- (कः) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/याः
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ना के अनुसरण में, म उक्त श्रधिनियम, की घारा 269 क की उपधारा (1) अधीन निम्निखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- श्री मोहनलाल नगीनदास बम्बईवाला वाडी स्ट्रीट, नवमारी (श्रन्तरक)
- 2. श्री भुगील एपार्टमेन्टरस को० ग्रा० हाउमिंग सोसायटी लि० (ग्रन्तरिती) प्रसीक्षेन्ट: सुखाभाई राधाभाई पटेल ग्रां० सेक्रेटरी: सुमनभाई रणछोडभाई जी नायक बम्बेहाउम, ग्राशानगर नवमारी (ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्वन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची,

खुली जमीन जो न्यू टीका नं० 60 सव नं० 2753 माशा नगर, नवसीरी में स्थित है जिसका कुल माप 495 वर्ग मीटर है जैसा कि राजस्ट्रीकर्ता मधिकारी नवसारी द्वारा 24-8-1978 को दर्ज किये गये राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2623 में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज II, स्रहमदाबाद

तारी**ज:** 14-2-1979

प्रा∙प्रमाई० टी • एन० एम०-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज । श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 20 फरवरी, 1979

न० पीक्रा^च 652,एसीक्य० 23-1265/19-7/78-79— अत. मुझे एस० मी० परीखा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र॰ से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० जोधन० 1867 वार्डन० 1 है। तथा जो महीधर पुरा, बालीगरी, सुरत में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद श्रनुसूची म भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत म रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 29-8-1978

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्नविक कप से कथित नहीं किया भया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भायकी बाबत उक्त भक्ति-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; मोर/या
- (क) ऐसी किमी आय या किमा धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्वतः धन, उक्त र्घावनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्ः——

- श्री कैलाण गौरी मूलशकर श्राचार्य पलैट न० 6, सेकड़ फ्लोर, शिवम एपाटमेन्टस, श्राठंवा लाइन्स सुरत । (श्रन्तरक)
- 2 रमाबेन, कालीदाम रतनजी की सुपुत्री, महीधरपुरा, बाली शेरी, सुरत (भ्रन्तरिनी)

को पह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अबंद के लिए कार्यवाहियां करता है।

उका सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप. --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, कें भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन म प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इमम प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो सकत श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अमं होगा जो उस प्रवास में दिया गया है।

मनुसूची]

जमीन भ्रौर मकान जिसका कुल गाप 73-57-94 वर्ग मीटर है तथा जो बाली शेरी, महीधरपुरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा 29-8-78 को दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 358 5 में प्रदर्शित है।

> एस० मी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-॥ श्रहमदाबाद

तारीखा: 20-2-1979

प्रारूप भाई ०टी ० एन ० एस०---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज ।, श्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 23 फरवरी, 1979

न० एसीक्यू-23-1-1912(786)/16-6/78-79—प्रत. मूझ एस० सी० परीख

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु• से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० श्रीदीपाली पोरी के पास है। तथा जो ढेबर रोड़, राजकीट में स्थित है (ग्रौर इससे उपासद्ध ग्रनूसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्जिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय राजकाट में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिषिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रविक है भीर धन्तरक (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत 'उक्त भ्रिधिनियम' क भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उपसे बचने मे सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 19?2 (1922 का ,11) या उनत ग्रिविनयम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भव, उक्त ग्रिधिनियम, की खारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप-धारा (1) के ग्रिधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अवित् :---

- श्री प्राणलाल म्रोनमचंद माह 12, लोम्रर-चीतपुर रोड़, कलकत्ता (भ्रन्तरक)
- 2 श्री कानगीभाई जेराभाई मालवी, भटोला कोलमईन रोड, (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना क राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध
 किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित म किये जा सकींगे।

स्पवदीकरण: --इसमें प्रयुक्त ग्रन्था श्रीर पदो का, जो उकत प्रधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस ग्रह्माय में विया गया है।

अनुसूची

मकान, जो 87 वगगज क्षेत्रफल वाली जमीन में स्थित हैं मीवीवाली भोरी के पास, ढेबर रोड़ राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज नं० 3256 म दिया गया है जो ग्रगस्त, 1978 में रिजिस्ट्री किया गया है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज । ग्रहमदाबाद

नारीख: 23-2-1979

प्रारूप धाई • टी • एन • एस •---

आयकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1979

नं० एसीक्यू 23-1-1911(787)/16-6/78-79—भ्रतः मुझो एस० सी० परीखा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस नं० 457 टी० पी० एस० नं० 1 है तथा जो रैया रोड की दक्षिण साईड में, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 31-8-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशा से अधिक है भीर प्रन्तरक (धन्तरकों) और प्रश्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की वावत उक्त मिध-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकेर मिंचिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिंचिनयम, या धनकर मिंघिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामें मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

अत: ग्रन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269न की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु: --

- 1. श्री कोली टपूभाई राघवभाई विजदा प्लाट, मेईन रोड राजकोट । (श्रन्तरक)
 - फूड कार्पोरशन श्राफ इण्डिया एम्पलाइज ∤को० भ्रा० हाउसिंग सोसायटी लिभिटेड, श्रमृता एस्टेट चौथी मंजिल एम० जी० रोड, राजकोट । (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्तिके अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त गावीं और पदों का, जो उक्त मधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं वही मर्च होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जो 1 एकड 15 गुंठा क्षेत्रफल वाली है जो टी॰ पी॰ एम॰ 1 में सर्वे नं॰ 457 वाली है तथा शैया रोड राजकोट में स्थित है जिसका पूर्ण वर्णन ता॰ 31-3-78 को रजिस्ट्री किये गये बिकी दस्तावेज सं॰ 3634 में दिया गया है

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमवाबाद

ता**रीबः** 23-2-1979

भारूप भाई० टी० एन० एस०----

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ।, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी, 1979

नं० एसीक्यू 23-2-1914(788)/16-6/78-79—म्प्रतः मुझे एम० सी० परीख

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है

स्रोर जिसकी सं एस० नं 868, प्लाट नं बी० है। तथा जो राजकोट में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्नूसुची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 8-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्मानय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्षितियम के भिक्षीत कर देते के भन्तरक के वायित्व में कमी करते या उससे बचते में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायक्तर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रधिनियम, या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव, उनत भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, जक्त भ्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत :---

- श्री मूकुंदभाई केशवराम पंडित 'सुदर्शन' यूरोपीयन चर्च के पीछे रेमकोर्स रोड, राजकोट। (ग्रन्तरक)
- (1) श्री छोटालाल घरमझी, धरमझी कला एव यू० एफ० के कर्ता श्री हैसियन में गीरदार मिनेमा, राजकोट
 (2) श्री रमेण जमनादास करारीया, सरदार नगर वेस्ट णोरी नं राजकोट (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्य होगा जो उस घट्याय में विमा गया है।

अनुसुची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1313-2-28 वर्ग गज है जिसका मर्वेन 868, प्तटनं० बी हैं जो नय्यूम्न नगर यूरोपियन चर्च के पीछे, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ता 8-8-1978 को रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 3359 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज।, ग्रहमदाबाद

तारीख: 23-2-1979

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

म्रह्मदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1979

नं० एसीत्रयू 23-ा-1909(789)/16-6/78-79—─श्रतः, मुझे एस० सी० परीख,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एम नं० 896 है। तथा जो ढेबर रोड़, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 21-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसो प्राय को बाबत उक्त ग्रीधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के मनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रामीन :---

- श्रीमती ईन्द्रीरा जयसृखलाल देस(ई, "पितृस्मृति" 56, जनकल्याण सोस(यटी), राजकोट (श्रन्तरक)
- हरेन ट्रस्ट, ट्रस्टीस (1) श्री जयन्तक्मार मोती चंद भाईदोसी । (2) इन्द्रुमती मणीलाल शाह के मारफत "ईला बिला" श्राणापुरा रोड, राजकोट

(ग्रन्तरिती)

मभी 'एरनवीला'

ढेबर रोड,

गजकोट

- 3. (1) गेलोर्ड टेलर्स,
 - (2) बोली श्रम्पीरीयम
 - (3) कल्पना स्टील सेन्टर,
 - (4) श्री चमनभाई गाषयां
 - (5) ऋांति सेल एजेन्मी
 - (6) भारत सकिल कार्पीरशन
 - (7) महेन्द्रभाई काधीये
 - (8) रसीकलाल सागला
 - (9) सौराष्ट्र फर्टीलाईजर्स

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में भम्पत्ति है) ।

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बढ़ी ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

'हरेन वीला' नाम से प्रख्यात मकान जो, 90-6-095 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन पर ढेंबर रोड राजकोट में स्थित है जिसका सर्वे नं० 896 है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ता० 21-8-78 को रजिस्टर्ड किये गये बिकी दस्तावेज नं० 3491 में दिया गया है।

> एस० मी० परीख, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, स्रहमदाबाव

तारीख: 23-2-79

प्रारुप भाई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) वे ग्रश्नीन सूचना

भारत ।रकार

कार्यालय, सहायक आयाः र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च, 1979

नं० पी० प्रार० 653/0मी भ्यू 23-1294/6-1/78-79---ग्रनः मुझे एग० सी० परीख

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1:61 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

प्रीर जिसकी मं० सर्वे नं० 168/2 है। तथा जो सैयद वासना विस्तार, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपायद प्रान्सची में प्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजस्ट्रीकर प्रिधिकारी के कार्यालय, बड़ोद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 11-8-1978 तथा 13-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त कर्मात का उन्तर बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) शीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्श्य मे उसन अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के ग्रधीन कर देने वे श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, विश्वा प्रमान कर श्रिष्ठिनियम, विश्वा प्रमान के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण ाँ, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:— 9—36GI/79

- 1 (1) रनजीमाई शिवाभाई पटेल
 - (2) नरेन्द्र कुमार रनजीमाई पटेल,
 - (3) चन्द्रकान्त भाई रणछो आई पटेल,

'कुंज मो**मायटी ग्रन्कापुरी, व**ृादा (ग्रन्तरः।)

मैत्र मंदिर को० था० हाउमिग सोगायटी मारफत 17, श्रमणोदय मोनायटी, श्रटक पुरी, बड़ोदा (श्रन्तरिती)

को यः सूचनाजारीकरके पूर्वोक्त म पत्ति के अर्जन के लिए कार्यव हियां करता हूं।

ं क्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में बोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा
- (ब) इस सूचता के राज्यत्र में काणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ग्रावाहमा असी के पास लिखिन में किए जा सकींग।

स्पष्टी तरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों आर पदों का, जो उस्त अधितियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सली जमीन जो सर्वे नं० 168/2 ाैयद वामना, बड़ोदा में स्थित है तथा चार बिकी दस्तावे भी कमण. (1) 3353/11-8-78 (2) 3354/11-8-1978 (III) 3804/13-9-1978 (iv) 3805/13-9-1978 द्वारा बेवा गया है तथा उन बिकी दस्तावेजीं में जिन्हा पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० मी० परीया, सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायक्त प्रायक्ष्य (निरीक्षग्र) पर्वान रेज-II, ब्रहमदाबाद

तारीख: 7-3-1979

मोहर

प्रारूप भाई • टो • एन • एस •-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज ।। श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च, 1979

नं ० पीम्रार 654/एक्सीक्य्-23-1198/19-7/78-79----भ्रतः मझो, एस० सी० पारीका,

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उन्त ग्रिधनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द॰ में प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नोंध नं० 100, खांडवाला शेरी, है। तथा जो वाडी फीलया, वार्ड नं० 9 सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्यु से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से भिधक है, भीर अन्तरक (भन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत सक्त मधीन कर देने अधिनियम के के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, क्रिपाने में सुविद्या के लिए;

मतः मन, उन्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मन्-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीत, निम्नमिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

- (1) निलनकांत छगनलाल, धीरण भवन, पेंडर रोड़,
 - (2) हंसाबेन, निननकांत छगनला। की पत्नी, धीराज भवन पेडर रोड, बम्बई।
 - (3) धनसुर्धानाल छगनलाल, धीरन भवन पेंडर गेड़, बम्बई ।
 - (4) उवर्णी, धनसुख लाल छगनलाल की पत्नी,धीरज भवन, पेडर रोड़, बम्बई।
 - (5) जितेन्द्र छगनलाल, सिका नगर, खेतवाडी. बम्बई ।
 - (6) बिभुती बेन जितेन्द्र लाल, स्थित नगर, बोतयाधी, बम्बई ।
 - (7) निर्मला बेन छगन लाल, हनमान निवास, गली, 🗃 तवाडी बम्बई ।
 - ह्यंसुबेन छगनलाल, हुन्मान निवास, 7वीं गली, (ग्रन्तरक)
- 2. भी श्रंबालाल भूलजीमाई माह, बार्डा फालिया, खांचवाली शेरी, सूरत । (ग्रन्तरिनी)

को य्दृत्वता जारी करके पूर्वोक्त सामित के मर्जन कै लिए कार्यश**हि**यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में गोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की भवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त **व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा**;
- (ख) इस सुवनाके राजपदा में प्रकाशन की तारी वासे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि्तबद्ध किसी धम्य व्यक्ति हारा, घर्ष हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पद्धीकरश:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त घिधिनियम, के धव्याय 20-क में परिभाषित हैं वही सर्व होगा जो उस भध्याय में विया गया है।

मनुसूची

जमीत श्रीर मकान जो नोंध नं० 100 खांड वाली शेरी, वाडी फारिया, वार्ड नं ० 9 चरन में स्थित है जिसका कुल माप 310 वर्ग गज है जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ली अधिकारी सूरत द्वारा श्रगस्त 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विशेख में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी,

सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-11, अहमदाबाद

तारीखा : 15-3-1979

प्रारूप भाई० टी• एन० nस०----

म। यकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) को वारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद श्रह्मदाबाद, दिमांक 9 मार्च 1979

नं० पी० श्रारः 656/एसीक्यू-23-1199/19/7/7**8-**79---था। मु**ग्रे** एस० सी० परी**ख**

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ;सर्में इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिन्नीन भक्तमे प्राधिकारी को यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द के से अधिक \$

भीर जिसकी सं० न० 1998 श्रौर 1999 है। तथा जो हनुमान पोल, सोर्न: फालिया, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), किस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यात्य, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनित्म, 1908 (1908 का 16) हे अधीन भगस्त, 1978

पूर्वोक्त संपत्ति के रिचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की वाबत, उस्त प्रधि-नियम, के ध्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/णा
- (भ) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अस्य ब्राह्तियों को जिहें भारतीय धायकर ब्रिश्मियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिश्मियम, रा घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

मतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 69-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नसिवित व्यक्तियों, प्र

- (1) ताराबेन विठंतदास मारफतिया सोनी फालिया, हनुमान पोल मुरन
 - (2) चन्द्रकान्त विठल दास मारफितया,
 - (3) प्रफुल सी० मारफतिया
 - (4) भारती चन्द्रकान्त मारफितया, 'चित्रा' बेस्टे एवेन्यु, मांना कूज, बम्बई ।
 - (5) भशीकांत विठलदास मारफतिया,
 - (6) माधुरी शशीकांत मारफितया,
 - (7) विठल शशीकांत मारफितिया, रतनाबाद, सलाटर रोड, बम्बई (अन्तरक)
- 2. (1) गोपालवाम कमनवाम बोडीवाला
 - (2) श्रमृतलाल गोपालदास बोडीवाला,
 - (3) ठाकोरदाम गोपालदाम बोडीवाला
 - (4) श्ररविंद लाल गोपालदास बोडीवाला,
 - (5) पृयीनचन्द्र, गोपालदाम बोडीवाला
 - (6) चंदीबेने गोगालदास बोडीबाला,
 - (7) ताराबेन ग्रमृतलाल बोडीवाला
 - (8) मंजूलाबेन श्रमुतलाल बोडीबाला
 - (9) मीनाक्षीकेन पूर्वीणचन्द्र, बोडीवाला सोनी फालिया हनुमान पोटा,सुरत (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करक पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीका से
 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
 में से किसी अविकि द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितथड़ किसी अन्य अपित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मकेंगे।

स्पन्नीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो उक्त श्राधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया भया है।

धनुसूची

जमीन और मकान जो नोंध नं० 1998 श्रीर 1999, हनुमान पोल, मोनी फालिया, सूरत में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सूरत द्वारा श्रगस्त 1978 में रजिस्टर किया गया है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारी**ख**: 9-3-1979

प्रस्त आई० डो॰ एन० एम०-----

भायकर अधिनियम, 961 (1961 का 43) की घरा 269 घ 1) के भधीन सूचना भारत सरकार

कार्यांलय, सहाय अप्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जेन रेज-ा, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाक 12 मार्च 1979

न ० एसी क्षृ० 23-1-2002(792)/16-6/78-79- —श्रत म्झ एस० सी० परीखा,

बायकर अधिनियम, 1931 (1961 पा 43) (जिमे इसम् इसके प्रश्नात् 'उक्त प्राधिनियम' नहा गया है), की धारा 26 - घ के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी हो यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निमक उचित बाजार मूल्य 25,00 / - च के मिधक है

श्रीर जिसकी सर्व सर्व नर्व 476 पैंगी ज्याद नर्व 4-ए श्रीर 1-बीर है। नया जो रेंस कासंे पोछे राजकोट में रिधा है (श्री इसम उपाबद्ध अनुसूची में श्री पुर्ण रूप से विणित है), रिजस कि नी श्रिधकारी के कार्यालय राजकाट में रिजस्ट्रीकरण श्रिध नयम, 1908 (1908 का 17) के अधीन 14-8-1978

को पूर्वाक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतिक न के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वा त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल स एमे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत स प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तर हो) और भन्तरिती (भन्तरितिय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नां खित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण शिखित में वास्त्रविक रूप से कथि नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण संहुः किसा ग्राय की बाबत, उक्त प्रिक्षित्यम के अधीत कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कम करने बा सससे बच्ने में सुविधा के जिए, ग्राप्त्या
- (ख) एसी हिसी हाउ या किनी धन या अन्य ग्रास्ति में का जिण्हें भारती र भाय-व र मिनियम, 1922 (922 का 11) या उक्त सिंधिनियम, या धन-कर भिष्ट नेयम, १९५७ (1 57 का 27) के प्रयोजनार्थ भारतिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शहिए था, फिथान र मुविधा के लिए;

अतः अत्र, तक्त अधि नयम की धारा 269-ग के प्रनृक्ष ण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् '—~

- डा० हर्णदमाई रमीकल ल णाह, गोन्डल रोड, राजप्तोट। (अन्तरक)
- 2 मजुलाबेन गोकलदास थाडिया मेहुलनगर, राजकोट (फ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उकत सम्पत्ति के प्रजंत के सदध में कोई भी प्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजा व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया है सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के रीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी खंसे 40 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किस घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण --इमर्मे प्रयुक्त शब्दो घोर पदो का, जो उक्त ग्राधिनियम के भ्रष्टयाय 20क में तथा परिभा-षित है, वर्त ग्रर्थ होगा जो उस भ्रष्टपाय में दिया गया है।

श्रन सूची

खुली जमीन का प्लाट जो २'० न० 476 पैकी प्लाट न० 40 धीर 4बी रेन कोर्म के पीछे, भ्रा में मोसायटी के उत्तर में राजकाट में स्थित है जिनका कुल माप 776-8-0 वर्ग गज है। जैसा कि 14-8-1978 को राजस्टर किये गये विक्री दस्तावेज में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, महायः भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेज-I, श्रहमदाबाद

तारीय 12-3-1979 मोहर: प्रकप भाई० टी॰ एन॰ एस॰-------

आयकर ग्रधिनियम, 961 (1961 का 43) की 'ारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय ह आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेज-ा, श्रहमदाबाद श्रहमदानाद, दिनांक 16 मार्च 1979

न० एसोक्यू 23-`-1796(793)/18-5/78-79--श्रत. मुझे एस० सी० परीख

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अशिक है

श्रीर जिनकी स० सीम सर्वे न० 1722 है। तथा जो एम पी० शाट आर्टन एण्ड नायन्स कालेज क नामने, सुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ानुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विणिन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्राविकारी क कार्यालय, अहवाण में रिक्ट्रिकरण श्रिवियम, 1908 (19)8 का 16) के श्रवीन अगस्त 1978 में पूर्वीका संपत्ति के उचन बाजार मूल्य से क्षम के दृशमान श्रितिकल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह दिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीका संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसक दृश्यमान श्रीकल से, ऐसे दृश्यमान श्रीकल का पन्द्रह श्रीतिशत से प्राविक है और सन्तरक (अन्तरकों) श्रीर सन्तरिती (सन्तरितियों के बीच ऐसे सन्तरण के लिए क्षय पाया गया श्रीकल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त श्र तरण सिखा में वास्तविक हम में किया नहीं किया गया है:——

- (क्त) अन्तरण से हुई किसी आप को बाबत, उका कि नियम के अर्धन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने मा उक्त बचने में सुविधा के लिए; अंर/बा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घर या सन्य श्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या घन कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कया गया था; या किया जाना चाहिए था, खिए ने में सुविधा के निए;

अतः भ्रम, उक्त भ्रधितियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त अधितियम की धारा 269-घ की उपगरा (1) के भ्रधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात .---

- 1 सववी प्राडक्ट्य, युरेन्त्वगर भागीदार श्री हीमतलाल विकास समित के मारफत कुकडा प्रेस, सुरेन्द्रनगर । (अन्तरक)
- 2 एमर्सन इजीनियारिंग एस्टरप्राईंस, भागीबार श्री खजीभाई आपाद जी भाई पटेल के मारफार रैनवे गेट स्टेशन के पास सुरेन्द्रनगर (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सपक्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपत्ति क ग्रर्जन के मदंघ में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना क राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सबधो व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज के में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्वाच में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पत्रों का, जो उक्त अधि-स्थिम के ग्रध्याय 20 – क मे परिभाषित हैं वहीं अग्रंहीगा, जी उस ग्रध्याय में दिसा गया है।

अनुश्ची

खुली जमीन का प्लाट जिसका सीम मर्वे नं० 1722 ह तथा क्षेत्रफल 1112 वर्ग गज है, जो मन रोड, एम० पी० साह आर्ट्स एन्ड सायन्स कोलेज के सामने पुरेन्द्रनगर में स्थित हैं तथा जो रिजस्ट्रीफर्नी अधिकारी बढवाण द्वारा विकी दस्तावेज न० 1943 अगस्त, 1978 से रिजस्टडं किया गया है तथा मिलकत का पूर्ण वर्णन दस्तावेज में दिया गया है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-^I, म्रहृमदाबाद

तारीख: 16-3-1979

प्ररूप भाई • टी • एः • एस • ---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 26 रूप (1) के प्रधील सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-I, भ्रहमदाबाद श्रहमवाबाद, दिनोक 21 मार्च, 1979

एसीक्यू 23-1-1814(794)/11-4/78-79----श्रतः मुझे एम० सी० परीख

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पाल, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपर में मधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1990 है। मथा जो खोजडी चौक, भाजेष्वर प्लाट, पोरबदर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिमारी के कार्यालय पोरबदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 की 16) के ग्रधीन 19-8-1978

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे ह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान तिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) भौर अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्त ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निश्चित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वाक्निंक कप से कविन नहीं किया गर है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बबत, उक्त प्रधितियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; ग्रीर/या
- (खा) ऐसी किमी श्राय या किसी धन या अन्य आस्नियों की िन्हें भारतीय ग्राय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिटिनियम, या श्रन-का ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट उहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए।

अतः प्रव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उप गरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- 1. श्रीमती निर्मलाव्या बल्लभदाम नरोत्तमदास श्रानख्जी बुद्धदेव नटवरची ह, पोरबंदर (अन्तरक)
- श्री रमणीकलाल जीवम लाल गण्जर भद्रकाली रोड़, गज्जर एन्जीनियारग वक्स पोरबदर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पन्ति के बर्जें के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में में किसी क्यकिन द्वारा;
- (क्ष) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीए से 45 दिन के शीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लात में जिर्जासकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गन्धों और पदों का, जो उक्त प्रिक्ति नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 379-3-9 वर्ग गज है जिसका सर्वे नं० 1990 है जो वार्ड नं० 3 में खीसडी भौक, भोजेश्वर प्लाट पोरबंदर में स्थित है तथा ता० 19-8-1978 को रिजस्ट्रीकृत बिकी बस्तावेत नं० 2889 में जिसका पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्रार्थिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज रे श्रहमदाबाद

तारीख: 21-3-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर घिविनयम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269व(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, धिनांक 9 जनवरी 1979

निर्देश मं० III-298/ग्रर्जन्'/78-79--ग्रनः मुझे, ज्यो तेन्द्र नाथ

भायकर प्रधिनियम, 1961 (196 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त प्रधितियम' कहा गरा है), की धारा 269-ख के गधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000 रूपर से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खाता नं० 248, खगरा नं० 156, 157, 153(पुराना) श्रीर खाता नं० 200 (तया) बाई नं० 32 है, गथा जो महल्ला मिथनपुर लाला, जिला मुजफरपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणा है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफरनगर में एजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1903 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 23~7~78 को

पूर्वोत्त सम्पत्ति के उचित बाजार गृह्य से कम के बृश्यमान प्रतिज्ञल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रः प्रतिशत से ध्रिषक है भौर यह कि धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण खिकिश्व में वास्तविक हम ने कियत न्हों किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त प्रक्षिनियम के प्रधीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः सब, उन्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त सिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, सर्वोत् :--

- (1) श्री किणन निवारी, बल्द श्री गुलाम निजारी, माकिन निथनपुर नाला, जिला मुजफ्फरपुर। (ब्रन्सरके)
- 2. १। प्रमाद कुमार, ग्रामन्द कुमार, विनोद कुमार एवं मुवोः कुमार (नाबालिंग) बल्द श्री राम श्रेष्ठ मिह् वनत्र रोड् यमनपुर लाला, जिला मुजफ्फरपुः। (ग्रन्तरिती)।

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य विद्यो करता हूं।

उक्त प्रस्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में नोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में हिंदबक्क
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पर्ो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा जो उस भ्रष्टयाम में विया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्ष्या 6 कट्टा है, जिमका खाता नं० 218, खमरा तं० 156, 157, 158 (पुराना) एवं खाता नं० 87, खमरा नं 209 (ग्या), जो वार्ड नं० 32 ,मुजफफरपुर में स्थित है जिसका विवरण वस्तायेज संख्या 9935 विनांक 23-7-1178 में पूर्णतथा वर्षित है, जो जिला अवर निवधक मज़फ्फरपुर में निवधित है।

ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर शायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन परिकोच, बिहार पटना।

तारीख: 9-1-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 : 1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के शंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायक: भायुक्त (निरीक्षण)

धर्मन रेंज, परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 10 जनवरी 1979

निदेश मं० III-299/फ्रर्जन/78-79--श्रतः मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, या विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० हो० ल० 37, वार्ड नं० 5, सिकल नं० 2, खाता नं० 559 एवं प्लाट नं० 1394 है, तथा जो मा० मेहदीचक, भागलपुर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यातय, भागलपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 25-7-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के वृश्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह मितशत श्रधिक है और अन्तरका (अन्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरग के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हा से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रान्तरण में हुई किती प्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर दें। के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) म उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के लिए;

धनः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, भैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों शर्यात्:— श्रीमती मीरा देवी, जौजे शी श्रजय कुमार सिंहा वकील, महल्ला—मशकचक, थाना—कोतवाली, जिला— भागत्पुर।

(अन्तरक)

 श्री राजबल्लभ नारायण सिंहा वल्द श्री राम मुन्दर सिन्ह साकिन/पन्नालय—रामपुर, जिस्स भागलपुर।

(श्रन्तरिती)

ो यह सुवना जारी करके पूर्वाक्त सम्पक्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्राण्यान की तारीख से 45 दिन की घविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भातर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्तः थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सहेंगे।

स्पर्व्य भरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उपत श्रधिनियम के श्रध्याः 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भीत का रकवा 6188 वर्गफीट है, जिसका होल्डींग नं 17, वार्ड नं 5, मिकल नं 2, बाता नं 559 एवं प्लाट नं 394 है, जो महदीचंक, जिला भागलपुर में स्थित है, जिसका विवरण दस्तावेज संख्या 7980, दिनांक 25-7-78 में पूर् तथा वर्णित है, जिसका निबंधक जिला भ्रवर निबंधक भागलपुर में हुम्रा है।

> ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज परिक्षेत्र, बिहार पटना

तारीख : 10-1-1979

प्रकप धाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-था (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० III-306/श्रर्जन/78-79--श्रतः मुझे जे० नाथ

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से भिक्षक है

श्रीर जिसकी सं० तौजी नं० 8/1 प्लाट नं० 310, 311, श्रीर 316 है, तथा जो होल्डिंग नं० 7, पुराना नं० 16, फोरिबसगंज, स्यूनिसिपल्टी, फोरिबसगंज, जिला पुणियां में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से कृणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता ग्रिक रिज्ञ क्रिक्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन तारी 27-7- कि कि की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह कि स्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय को बाबत, उक्त भ्रिधिनियम के भ्रिधीन, कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिवित्यम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भिवित्यम की धारा 269-थ की उपधारा (1) से भिधीन निम्नलिखित क्यक्तियों भर्थात्:—
10—36 GI/79

- 1. श्रीमती गिनिया देवी पति श्याम सुन्दर दास साह 55, नेन्म डीन रोड़, कलकत्ता (शन्तरक)
- (1) इन्दू देवी गयकरा, पति राजेन्द्र कुमार गमकरा
 (ii) निर्मेला देवी गमकरा, पति दिलीप कुमार गमकरा,
- (iii) सावित्री देवी मसकरा, पति जगदीण प्रसाद मसकरा,
- (iv) सिमा देवी मसकरा पति ज्योति प्रकाश मसकरा, पता-9, जगमोहन मलिक लेन, कलकत्ता (v) सरोज देवी मसकरा, (vi) शारदा देवी मसकरा पति विजय कुमार मसकरा पता बेगुसराय, बिहार ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्य से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से <u>As किन के भीतर उन्ते स्थादर सम्पत्ति</u> में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त धिः नियम, के घध्याय 20क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

धरारी जमीन जिसका रक्या 7 बिष्हा 7 कट्टा और 15 धुर जिसमें गद्दीधर, गोदाम और मकान सहित जिसका तौजी नं० 8/1, प्लाट नं० 310, 311, और 316 म्यूनिसिपल होल्डिंग नं० 7 पुराना नं० 16 जो फोर बिसगंज, जिला पूर्णिया तथा फोर बिसगंज म्यूनिसिपल्टी के अंतर्गत है, जो पूर्ण क्य से दस्तावेज संख्या I—3614, दिनांक 21—7—1978 में विणित है और जो जिला अवर निबंधक पदाधिकारी कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, क्रिहार, पटना

तारीख: 12-2-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 8 मार्च 1979

निदेश मं० III—305/ग्रर्जन/78—79——ग्रतः मुझे, जे०नाथ

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है,

श्रौर जिसकी संव तौजी नंव 8/1 ए प्लाट नंव 310, 311, श्रौर 316 होल्डीगंज-7 है तथा जो पुराना नं 176 फोरबिसगंज, म्यूनिसिपल्टी, फोरबिसगंज में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-7-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान

का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्व प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (स) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत उन्स स्रिधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किमी पाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अयं, जक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनु-सर्ण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन निस्तिशिवन व्यक्तियों प्रधीत् :--

- अीमती गिनीया देवी पति श्री श्याम सुन्दर साह,
 55-लैन्स डौन रोड, कलकत्ता। (श्रन्तरक)
- 2. श्री राज विजय सिंह डुंगर पिता स्व० ग्रसकरण डुगर. निवासी फोरबिसगंज, जिला पूर्णिया। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के श्रजैन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त मंपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सहिती की उस्त प्रधितियम लेके सम्पाय 20-क में परि-भाषित हैं, बही घर्ष होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

मनुसृची

धरारी जमीन जिसका रकबा 17 कट्टा 14 धुर गेंद्री घर, गोदाम ग्रीर मकान महित जिसका तौजी नं० 8/1, प्लाट न० 310, 311 ग्रीर 316 होल्डीगंज-7 पुराना नं० 16 जो फोरबिसगंज, जिला, पूर्णिया तथा फोरबिसगंज म्यूिनिसिपल्टी के ग्रंतर्गत है जो पूर्णे प्रम दस्तावेज संख्या 1-3619 दिनाक 21-7-1978 में विणित है ग्रीर जो जिता श्रवर निवधक पदाधिकारी कलकत्ता के द्वारा पजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 12-2-1979

त्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०------भायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269--ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्रण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना, पटना, दिनाक 28 फरवरी 1979

निदेश स० 111-312/म्रर्जन/78-79—म्रत मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूण्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिमकी स० थाना नम्बर 137, होल्डिंग नम्बर 175 (पुराना) है, तथा जो 240 (नया) वार्ड नम्बर 10 (पुराना) नम्बर 2 (नया) सिंकल नम्बर 9, सीट नम्बर 32, प्लाट न० 727, 728, 729 महल्ला मुहर्रमपुर, पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधवारी के कार्यालय, पटना में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 21-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह् प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बाहारिक रूप से किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण में हुई िकसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायंकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः भव, उक्त पश्चिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत:--- 1 श्री फनीन्द्र प्रसाद वल्द श्री महेश्वर प्रसाद सिन्हा साकिन स्टेशन रोड, पटना वर्तमान काँके रोड, राची। (ग्रन्तरक)

2 श्री ऋर्जुन प्रसाद वल्द श्री राम किशुन प्रसाद निवासी उत्तरी मन्दरी, पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह
 किसी भ्रन्य व्यक्ति धारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित ' है, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

धरारी जमीन का रक्षा 2 कट्टा 6 धूर 11 धुरकी जिमका थाना नम्बर 137 होल्डिंग नम्बर 175 (पुराना) 240 (नया) ,वार्ड नम्बर 10 (पुराना) नम्बर 2 (नया) मिक्कल नम्बर 9 सीट नम्बर 32 प्लाट न० 727, 728 और 729 और जो मुहर्रमपुर महल्ला थाना कोतवाली पटना में स्थित है और जो पूर्ण रूप से दस्तावेज स० 4784 दिनाक 21-7-1978 में विणित है, और जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 28-2-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन परिक्षेत्र, बिहार, पटना मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1979

निदेश सं० 111-307/ग्रर्जन/78-79--यतः मुझ, ज्योतिन्द्र नाथ

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक भाग होत्डिंग नं० 172 तथा मिलिन नम्बर 9, वार्ड नं० 2 एम० एस० प्लाट नं० 857 है, तथा जो ऐक्जिबीशन रोड़, पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उप।बन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 13-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक इत्य से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए ;

मतः भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीतः —

- 1. श्री भ्रभय नाथ बैनर्जी पुत्र स्व० नरेन्द्र नाथ बैनर्जी फ्रेजर रोड़, पटना। (भ्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री उमाकान्त साहू, राधा कांत प्रसाद साहू, रमाकांत प्रसाद साहू, लक्ष्मी कांत प्रसाद साहू, रत्ना कांत प्रसाद साहू, कमल कांत प्रसाद साहू सभी पुत्र श्री कृष्णा मोह्न प्रमाद साहू, साहू रोड़, मुजक्फरपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रष्ट होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गयः है।

अमुसूची

पुरानी आसामी किरायादार खाली स्थान तथा खपडपोस मकान वृक्ष सहित जिसका रक्षना एक कट्टा साढ़े दस धूर जिसका श्रंण होलिंग नंबर 172 नया, सिंकल नम्बर 9, वार्ड नम्बर 2 एम० एस० प्लाट नम्बर 857 जो ऐकजी-बीभन रोड, जिला पटना के अन्तर्गत है जो पूर्णक्ष्प से दस्ता-वेज संख्या 4610 दिनांक 13-7-78 में विणित है तथा जिला श्रवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 28-2-1979

प्रकप माई•टी•एन•एस•----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, क्षिपार, पटना, पटना, दिनांक 28 फरवरी 1979

निदेश स० III-308/म्रर्जन/78-79--यत. मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक भाग होल्डिंग नम्बर 172 (नया) सिंकल नम्बर 9, वार्ड नम्बर 2, एम० एस० प्लाट नं० 857 है, तथा जो एक्जिबीशन रोड़, पटना में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख 13-7-1978

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से प्रधिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण शिखिक के बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भिक्षित्यम क प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

भत: भन, उक्त भिधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भाधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के भाषीन निम्निक्षित व्यक्तियों, भर्षात्:-

- 1. श्रीमती अनिमा बैनर्जी, विधवा स्व० श्री श्रमर नाथ बनर्जी श्रपने अभिभाषक उसके नाबालिंग पुत्न, नाम अम्बरन्थ बनर्जी, श्ररूप नाथ बनर्जी, श्रश्नुभन्थ बनर्जी श्रीर नाबालिंग पुत्नी नाम चन्द्र राय बनर्जी, फ्रेंजर रोड, पटना । (श्रन्तरक)
- 2. श्री उमाकांत प्रमाद साहू, रमाकांत प्रमाद साहू, राधा कांत प्रसाद साहू, लक्ष्मी कांत प्रसाद साहू, रत्नाकांत प्रसाद साहू, कमल कांत प्रसाद साहू सभी पुत्र श्री कृष्ण मोहन प्रमाद साहू, माहू रोड़, मुजक्फरपुर। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई मो आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतप पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्नों का, जो उक्त धिवित्यम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

पुरानी आसामी किरायादार खाली स्थान तथा खपडपोस मकाम वृक्ष सिंहन जिसका रकवा एक कठ्ठा साढ़े दस धूर जिसका अंश होल्डींग नम्बर 172 (नया) स्कील नम्बर 9, बार्ड नम्बर 2, एम० एस० प्लीट नम्बर 857 जो एकजीविशन रोड पटना के अन्तर्गत है, डो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 4611 दिनौंक 13-7-78 में विणित है तथा जिला अवर निवन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजिकत है।

ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

सारीख: 28-2-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं शा 309 अर्जन / 78-79 स्थतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ आयकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी संव होल्डिंग नम्बर 172, एसव एसव प्लाट नम्बर 857, सिंकल नम्बर 9, वार्ड नम्बर 2 है, तथा जो एक्जिबीशन रोड, पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 13-7-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसो किसो प्राय या किसी धाया प्रत्य प्रास्तियो को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रिवित्यम 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रिवित्यम या धन-कर प्रिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

यत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयित्:---

- श्री ग्रशोक नाथ बनर्जी पुत्र श्री स्व० नरेन्द्र नाथ बनर्जी, फेजर रोड़, पटना (श्रन्तरक)।
- 2. श्री उमाकांत प्रसाद साहू, राधा कांत प्रमाद साहू रमाकांत प्रसाद साहू, लक्ष्मी कांत प्रमाद साहू, रत्न कांत प्रसाद साहू, कमल कांत प्रमाद साहू, सभी पुत्र श्री कृष्णा मोह्न साहू, साहू रोड़, मुजयकरपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ब्रमुसूची

पुरानी श्रामामी किराया खाली स्थान तथा खपडपोस मकान वृक्ष सहित जिसका रकबा एक कट्टा साढे दम धूर तथा अंग होल्डिंग नम्बर 172 एम० एस० प्लाट नम्बर 857 सिंकल नम्गर 9, वार्ड नम्बर 2 जो ऐक्जिबीशन रोड़, पटना के श्रन्तर्गत है जो पूर्णस्प से दस्तावेज संख्या 4612 दिनांक 13~7~1978 में विणित है तथा जिला श्रवर निबंधन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन परिक्षेत्र, बिहार पटना ।

सारीख: 28-2-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र पटना पटना, दिनांक 28 फरवरी, 1979

निदेश सं० 111-310/प्रर्जन/78-79-यतः मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एक भाग होल्डिंग नम्बर 173, (नया) सिंकल नम्बर 9, बार्ड नम्गर 2 (एस० एस० प्लाट नम्बर 857 है, तथा जो एनिजबीशन रोड़, पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्री-करण घ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 13-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भौर भन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम य धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मलः मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त भिविनियम, की धारा 269 व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत् :---

- 1. श्री अम्बूज नाथ बनर्जी पुत्र स्व० नरेन्द्र नाथ बनर्जी फोजर रोड़, पटना।
- श्री उमाकांत प्रसाद साहु, राधा कान्त प्रसाद साहु, रमा कांत प्रसाद साहू, लक्ष्मी कांत प्रसाद साहू, रस्ना कांत प्रनाइ सह, कमन का प्रनाद सह सभी पुत्र श्री कुष्णा मोदेन प्रमाद माहू, साहू रोड़, मुजफ्फरपुर। (ग्रन्तरिती) । को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की भवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूदना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रमुसची

पुरानी ग्रासामी किरायादार, खाली स्थान तथा खपड्यास मकान वृक्ष महित, जिसका रक्या एक कछ साढे दस घूर तथा श्रंश होिंहाग नम्बर 172, तथा मिकल नम्बर 9, वार्ड नम्बर 2, एम० एस० प्लौट नंबर 857 जो एकजबीशन रोड़, पटना के ग्रंतर्गत है, जो पूरी रूप में दस्तावेज संख्या 4613 दिनाक 13-7-78 में वर्णित है तथा भ्रवर जिला निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी कार्यालय महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र पटना

तारीख: 28-2-1979

प्ररूप पाई० टी • एन • एस • → ----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के भवीत सूचता

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 28 फरवरी, 1979

निदेश सं० 111-311/म्रर्जन/78-79-यतः मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की बारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार सूक्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० होस्डींग नम्बर 172 नया, सर्विल नम्बर 9, वार्क नम्बर 2, एस० एस० एसट नं० 857 है, तथा जो एकजीबीशन रोड़, में स्थित है (श्रीर उससे उनाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारों के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रीक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीक्षित, तारीख 13-7-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान श्रीक्षक के लिए जन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गवापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान श्रीक्षक से ऐसे वृश्यमान श्रीक्षक का पन्तह प्रतिशत से प्रविक्त है और पन्तरक (श्रान्तरकों) धौर धन्तरिती (श्रान्तरितियों) के बीच ऐसे श्रान्तरक (श्रान्तरकों) धौर धन्तरिती (श्रान्तरितियों) के बीच ऐसे श्रान्तरण के लिए तय पाया गया श्रिक्तक, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त श्रान्तरण कि खित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त ग्रीम्नियम के ग्रमीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; ग्रीर/या
- ऐसी किसी भाग या किसी धन या प्रम्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, खिपानें में सुविधा के लिए;

बतः श्रव, उक्त प्रधितियम की धारा 269ग के धनुसरण में; में, उक्त ग्रीव्यतियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों,अर्थात्:—-

- 1. श्री अजय नाथ बनर्जी पुत्र स्व० नरेन्द्र नाथ बनर्जी, फेजर रोड़, पटना। (ग्रान्तरक)
- 4 मर्वश्री उमाकात प्रसाद साह, राधाकात प्रसाद साह, रमा कांत प्रसाद साह, लक्ष्मी कांत प्रसाद साह, पटना कांत प्रसाद साह, कमल कांत प्रसाद साह, सभी पुत्र श्री कृष्णा मोहन प्रसाद साह, साह रोड़, मुजफ्फरपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राज्ञेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रभोहस्ताबारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों मीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं भ्रथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुरानी स्नामानी किराएदार ,खाली स्थान तथा खपछपोस मकान वृक्ष म,हत जिमका रकवा एक कट्टा साढे दम धूर तथा झंग होल्डींग नम्बर 172 तथा नया सकिल नम्बर 9, वार्ड नम्बर 2, एम० एस० फ्लैट नम्बर 857 जो एक एक्जिबीशन रोड़, पटना के प्रम्तर्गत है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 4614 दिनाक 13-7-78 में विणित है, तथा जिला श्रवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ृज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पटना

तारीख: 28-2-1979

प्रकप भाई० हो । एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-Ⅱ, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 मार्च, 1979

निदेश सं० 79/ग्रलीगढ़/78--79---यत. मुझे, भ० च० चतुर्वेदी

ष्ठायकर भिधितियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिथीन सक्षम शिक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्वए से मिशक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिणित है), रिजिस्द्वीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रलीगढ़ में, रिजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 1-8-1978

को पूर्वोस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोस्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रश्नरण लिखित में वास्त्रविक कप से कवित नहीं किया गया
है।---

- (क) अन्तरण से दुई किसो शाय को बाबत, उक्त श्राधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) रेसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धन-कर प्रिंतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त मिविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन. निम्निलिक्त व्यक्तियों, प्रचीत :——
11—36GI/79

- 1. श्रां गकर झा पुत्र श्री पन्नालाल झा, निवासी मैरिस रोड़, थर्लागढ। (श्रन्तरक)
- 2. श्री घनश्याम दास माहेण्वरी पुत्र श्री मूलचन्द माहेण्वरी पुरानी कोतवाली, जैगंजरोड़, धलीगढ़। (ध्रन्तरिती)

को यह सुजना जारी करके पृत्रीका सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिति के अर्जन के सबंध में की ६ भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विज की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी क्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक मजिली पुकान नम्बर 13/54 स्थित वाजार कलां (सरीफा) श्रलीगढ़ 40000/- में बेची गयी जिसका कि श्रनुमानित उचित बाजारी मृत्य 60000/- है।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) कानपुर

तारीख: 16-3-1979

प्ररूप पार्ड० टी • एन • एस • --- -

आयकर बिधानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्याला र, महायर धायकर धायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनाक 17 मार्च 1979

निदेण सं० 233/एक्बी o/इटाबा/78-79--- श्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पंधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-क• मे प्रधिक है

ष्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इटावा में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 क 16) के श्रधीन, तारीख 21-8-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्ति ति की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रक्षित्रत स्रिक्षक है और भन्तरक (अन्तरकों) भोर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्य से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत खबत अधि-नियम, के झधीन कर देने के झस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; झौर/या
- (च) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध परारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या. छिणाने में सुनिश्रा के लिए

भतः ग्रम, उमत अधिनियम को घारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात:—

- 1. डा॰ श्रकताब ग्रह्मद शाह पुत्र मौलवी गुलाम जमरिया शाह मरहूम सािकन मो॰ कटरा शमशेर खाँ बहैमियत मुख्तारग्राम मुमगत हुमैत व श्रन्य (श्रन्तरक)।
- 2. श्रीमती रईस फातमा उर्फ ग्रहजाद जहां जौजा मा० श्रनथर हुसैन राहत श्रनील इणरत श्रनशर पुत्र मा० श्रनवार हुसैन व कनीज मोहसिन जौजा मो० मोहसिन मरहूम साकिनान इटावा मोहल्ला सैदवाड़ा। (श्रन्तरिती)।

को बद्द सूचना जारी करके पूर्वीक्त समालि के भर्तन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मंत्रित के ग्रार्जन के मंबंध में कोई भी शाक्रेप :--

- (क) इप पूजाा के राजात में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तरोख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उना अधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 9 का खण्डहर न० 8 मोहल्ला सराय शेख, इटावा 32000/- मे बेची गई जिमका उचित बाजारी मूल्य 50000/- है।

भ० च० चतुर्वेदी, मक्षम प्राधिकारी माहयक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, कानपुर।

तारोख: 17-3-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 मार्च 1979 निदेश सं० 466/प्रर्जन /श्रागरा/78-79---ग्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से भिधक है

भौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्यों में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय, श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती , अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रक्रिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एमा किला प्राय या किलो धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिबित व्यक्तियों भर्यात्:---

- 1. श्रीमती चन्दा बाई बेवा देवदास व श्रन्य निवासी 17/30 टीलामाई थान वटिया आजम खां णहर, आगरा (अन्तरक)
- 2. श्रीमती शोला देवी जैन स्त्री परम चन्द्र जैन व श्रीमती रतन देवी जैन स्त्री पुरुष चन्द्र जैन निवासी कथहरी घाट, ग्रागरा। (ग्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पश्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:→-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्डोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उन श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसुची

एक मकान एम मंजिला नं० 17/30 टीसा काई थान घटिया म्राजम खां हरी पर्वत वार्ड ग्रागरा 66000/ में बेची गयी जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 103600/- म्रांका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 17-3-1979

प्रस्य ग्राई• टी• एन• ए ०-----

भ्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ग्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 मार्च, 1979

निदेश सं० 555/श्रर्जन/कानपुर/78-79--श्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण सिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाष की बाबन उकत अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविद्या के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री प्रान नाथ कपूर, पुत्र श्री द्वारिका प्रसाद, कानपुर। (ग्रन्तरक)।
- 2. श्री राम रक्ष्ता कर्ता एच० यू० एफ० राज खत्तर कमल किशोर श्ररोड़ा, श्रोमती शशी 492/292 बी० पार्ट स्वरूप नगर, कानपुर। (श्रन्तरिती)।

को यह मूखना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्मां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदी का, जो उक्त प्रधिनियम, के मध्याय 20ल्ल में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उल अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मंपत्ति मकान नं० 112/292 बी० पार्ट स्वरूप नगर, कानपुर 200000/ में बेची गयी जिसका कि मूल्यांकन 250000/- किया गया है।

> भ० घ० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 19-3-1979

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 मार्च, 1979

निदेश स० 552/म्रर्जन/कानपुर/7879—म्म्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी

आयकर पिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

से नाधक है

प्रौर जिसकी सं० है तथा जो में

स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप में
वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में,
रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्तियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख भगस्त, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
धिक्षक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों)
के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन
उद्देश्य से उक्त भन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन
उद्देश्य से उक्त भन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, कि कि क्षी

- (क) धन्त ण से हुई किसी धार की बाबत उपत प्रधि-नियम, के प्रधीन फर दन के धन्तरक के दायि व में फमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधितियम, या बन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिचेथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधितियम की धारा 269-ग के अमुसर्क में तैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्रीमती उन्द्रा गुप्ता, विभू गुप्ता व श्रन्य पुत्री श्री णिवपाल नवाव नगर, लखनऊ। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जमूना प्रसाद श्रग्नवाल व श्रन्य पुत्रान ण्याम सुन्दर श्रग्नवाल 112/212 स्वरूप नगर, कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोशन सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त महाति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी याक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी प्रत्य स्थक्ति द्वारा, श्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पटिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा, जो उस भ्रक्ष्माय में विया गया है।

ग्रनुसुची

मकान नं० 117/128 सर्वोदय नगर कानपुर 220000/-में बची गई जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 343,750/-स्रांका गया है।

> भ० च० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

तारोख: 19-3-1979

प्ररूप थाई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रिप्तियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के ग्रिप्तीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मार्च 1979

निदेश सं० 440/म्रर्जन/जालीन/78-79-म्प्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी प्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रतीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपयें से म्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में त्रीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालौन में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5-8-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भाग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या भन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री राजनारायण पा श्री मातादीन निवासी पोस्ट नावर प्रगना व जिला जालीन (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती जमेली अध्रुष्ता सी ग्रंजनी कुमार शूक्ता निवासी व डा० जावर परगना व जिला जालीन। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूवना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्ठयाय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा गया है।

धनुस्ची

कृषि भूमि 6.52 एकड़ स्थित मौजा नावर परगना व जिला जालौन 30,000/- में बेची गई जिसका श्रनुमानित उचित बाजारी मृष्य 55500/- है।

> भ० च० चतुर्वेती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-1979

प्रकप ग्राई० टी॰ एन० एस०-----

आयकर मिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के मधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

कानपुर, दिनांक 21 मार्च, 1979

निदेश सं० 109/कानपुर/78-79-श्रतः मूझे, भ० **थ०** चतुर्वेदी

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य, 25,000/- द॰ से अधिक है

भौर जिसकी सं० हैं तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-8-1978

के प्रधान, ताराख 14-8-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशा से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गवा प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
क्ष से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किथी यात की वावत उनत विध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या घण्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाष्टिए था, क्रियाने में सुविधा के जिये;

धतः भ्रयः, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत् :---

- श्री रघुवीर सिंह पुत्र सरतार कुन्दन सिंह क्वार्टर नं० 98 ब्लाक ए० एल० ग्राई० जी० म्यूनि० ने 133/ 27/98 किदवई नगर, कानपुर। (ग्रन्सरक)
- 2. सरदार ग्रमरजीत सिंह पुत्र श्रजमोहन सिंह भाटिया एल० ग्राई० जी० 133/27/98 किंदबई नगर, कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी फरक पूर्वोक्त समानि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की यवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी घम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मर्केंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

मकान नं० 133/27/98 किववर्ष नगर, कानपुर 42000/- में बेची गई जिसका कि श्रनुमानित उचित बाजारी मूल्य 60000/- है।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-3-1979

प्रका ग्राई॰ टी॰ एन॰ एम॰----

ग्रायकर म**िमनम, 1961 (1961 का 43**) की फारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 21 मार्च, 1979

निदेश सं० 819/म्रर्जन/फरूखाबाद/78-79-म्प्रतः मुझे, भ० च० चसुर्वेदी,

भायकर मिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, खिसका स्थित बाजार मृत्य 25,000/- द से प्रिष्ठिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण क्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फर्रुखाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-8-1978 को पर्वोक्त सम्पत्ति के जिंदत बाजार मल्य से कम के श्रथमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफास के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफास से ऐसे दृश्यमान प्रतिफास का पश्चाह प्रतिशत भिन्नरित है, भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफास, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सारप्रिक कप से माचित नहीं किया गया है ----

- (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की बाबस, उक्त झिंध-नियम, के अधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में-सुबिधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रमिनियम या धन-कर भ्रमितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फ्रिपाने में सुविधा के लिए;

मतः धव उनत भिधानयम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः :--

- 1. श्री कैलाण नार।यन पुत्र महाराज णिव नारायन निवासी मुहल्ला लोहाई पश्चिम फर्चखाबाद। (श्रन्सरक)।
- 2. श्री शैंलेन्द्र सिंह, जितेन्द्र सिंह, भूपेन्द्र सिंह, रामेन्द्र सिंह पुत्रान छित्रनाथ सिंह व विचायत सिंह पिता खुद निवासी नगला हरसिंह पुर मौजा गुडगांव परगना मोहम्मधा-बाद पो० कि श्रयाना, जिला फर्केखाबाद। (श्रन्तिश्ती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हं ।

जनत पराति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई मा पाक्षेत :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की भविष्य तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, को मी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शक्दों झोर पदों का, जो उक्त श्रिधित्यम, के शक्याय 20-क में परिमाणित हैं, वश्ली श्रमें होगा जो उस शब्याय में दिया गबा है।

मनुसूची

कृषि भूमि 6.82 डि॰ स्थित मौजा निसाई पर्गना मोहम्मदाबाद जिला फर्रुखाबाद 16000/- में बेची गई, जिसका कि श्रनुमानति उचित बाजारी मृल्य 82000/- है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-3-1979

मारत सरकार

कार्यालय महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) कानपुर, दिनांक 21 मार्च, 1979

निदेण म० 110/कानपुर/78--79--श्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी संज है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इसमे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-8-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धांधक है भौर धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्थरण निखित में बास्तविक रूप से काबत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिका में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य धास्त्रियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्तियी द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त मिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, उक्त प्रमिनियम, की घारा 269-च की उपमारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :—→ 12—36G1/79

- 1. श्री दानियाल रुण्यश्रली खां नल कुवर इस्माइल खां साकिन कोठी दारुस्लाम श्रमीर निणा सिविल लाइन णहर कोल जिला श्रलीगढ़, व श्रन्य (ग्रन्तरक)।
- 2 श्री श्राणिक श्रली वल्द हाजी मरार बराक व मो० फाराग वल्द निजामुद्दीन 101/94 तलाम मोहाल कायस्थाना रोड़, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्यत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो की श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही धर्ष होगा, जो उस धन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 97/120 तलाक मोहाल ग्रब्दुल गनी रोड कानपुर 45000/- में बेचा गया जिसका कि श्रनुमानित उचित बाजारी मूल्य 57200/- है।

भ० च० चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
श्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 21-3-1979

प्ररूप ग्राई० टी• एन• एस•----

भारकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 मार्च, 1979

निदेश सं० 677-ए--श्रतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६० से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० हैं तथा जो में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 23-8-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से भिष्ठक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, मिम्निशिखत उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखत में बास्तविन रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से नुई किसी ग्राय की बाबन, उकन अधि-नियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुक्खिश के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धारितयों को, जिन्हें धारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव उक्त भिधितियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में उक्त धिधितियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत्ः—च

- श्री वी० डो० मिश्रा पुत्र पं० बैजनाय मिश्रा,
 120/184 नरायनपुरवा लाजपननगर, कानपुर। अन्तरक)।
- 2. श्री कैलाशचन्द्र देवेन्द्र कुमार, ग्रशोक कुमार, रमेश चन्द्र पुत्रगण श्री राम दाम निवासी 122/69 मरोजनी नगर, कानपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्न सम्मति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घविष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

ह्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पक्षों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रयं होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 0 120/184 लाजपननगर कानपुर में 70,000/- रुपया का बेचा गया जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,03,869/- रुपये आंका गया है।

भ० च०चतुर्वेदी
मक्षम श्रिधकारी
महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-3-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 मार्च 1979

निर्देश सं० 22 2/म्रर्जन/राठ०/7 8-7 9—यतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

भायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रिधिक हैं भ्रीर जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राठ (हमीरपुर) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 28-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

- श्रीमती सरोजनी बेवा श्री प्रागी लाल निवासी बिहुवी परगना मुस्करा तह० मौरहा जिला हमीरपुर व श्रन्य (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री मोहर सिंह, करन सिंह, राम कुमार, बाल मुकुन्द, रामलखन पुत्रान सरदोई परगना व तहसल राठ जिला हमीरपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रस्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8.74 एकड़ स्थित नौरंगा तहसील राठ जिला हमीरपुर 16000/- में बेची गई जिसका कि मनु-मानित उचित बाजारी मूल्य 87400/- है।

> भ० च० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीज: 26-3-1979

प्ररूप भाई• टी॰ एन• एस•--

भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कानपुर, दिनांक 26 मार्च, 1979

निदेश मं० 565/ग्रर्जन/छिबरामऊ/78-79--ग्रत. मुझे, भ० च० चतुर्वेदी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रक्षिक है भ्रौर जिसकी सं० है, तथा जो स्थित है (भ्रौर इससे उपाबत अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, छिबरामऊ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 19-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्ष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया बतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- क) मध्यरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिष्ठितियम, के प्रधीन कर दैने के भ्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायक्षर घ्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्री योगेण चन्द्र व राजेण चन्द्र पुत्राण रामनरायन निवासी लछवाई पो० हिवरा परगना तहसील व जिला, इटावा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मुनीम, रामेश्वर, णाति स्वरूप रामबाबू पुताण हजारीलाल वर्तमान निवासी ऊंचा पोस्ट खाम परगना व तहसील छिबरामऊ जिला फर्हेखाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके इंबीनन सम्पत्ति के **ग्रजै**न के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मविधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, म्रमोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20क में यथा परिमाणित है, वही ग्रयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति 7.73 एकड का 1/2 भाग स्थित मौजा ऊंचा तहसील छिबरामऊ जिला फर्रेखाबाद 29000/ में बेची गई जिसका कि उचित बाजारी मृलय 62020/ श्रांका गया है।

> भ० घ० घतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 26-3-1979

मोहर.

प्ररूप ग्राई० टी • एन० **एस •----**

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

कानपुर, दिनांक 26 मार्च, 1979

निदेश सं० 524/ग्रर्जन/फिरोजाबाद/78-79--श्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिष्ठित्यम', कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-व० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजाबाद मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से कियान नहीं किया गया है: —

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने वें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग गा कियो घन गा अन्य भाकितयों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर पिछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत पिछिनियम, या धन-कर भिछिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिनामे में स्विधा के लिए;

अतः अन्, उन्तं भिष्नियम की धारा 269न के मनुसरण में, में, उन्तं भिष्नियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अवात:—

- श्रीमती ब्रम्बा देवी लाला बसन्त लाल व राजा बिहारी पुत्न लाला बसन्त लाल व श्रन्य निवासीगन जलेसर रोड, कस्बा फिरोजाबाद जिला श्रागरा। (श्रन्तरक)।
- 2. श्री मुरेण चन्द्र ग्रग्नवाल पुत्र लाला श्रीपत लाल व भोज कुमार पुत्र मुरेण चद निवासी हनुमानगंज कस्बा फिरोजाबाद जिला श्रागरा व श्रन्य। (श्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सभ्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण ।--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो 'उक्त मिश्रमियम', के प्रध्याय 20-क में परिकाशित हैं, वही अये होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

श्रचल सम्पत्ति जमीन 22292 वर्ग फुट मोहल्ला नई बस्ती फिरोजाबाद 90000/- में बेची गयी जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 375000/ब श्रांका गया है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 26~3-1979 मोहर . प्रकप आई० टी० एन० एस∙---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 26 मार्च 1979

निदेश सं० 566/ग्रर्जन/छिबरामऊ/78-79---श्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्ष्पये से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० है तथा जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, छिबरामऊ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 19-9-1978

अधीन, तारीख 19-9-1978
को पूर्वोक्त सम्पक्षि के उचित बाजार मूल्य से अम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्दह
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक कर मे क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की वागत, उक्त शिवनियम के शिवीन कर देने के शस्तरक के वायित्व में कभी भरने या उससे वचने में सुविधा के शिए इ शीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः यव, उक्त प्रधिनियम, की बारा 269-ग के वनुसरच में, में, उक्त प्रधिनियम, की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित न्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्रीमती स्थामप्यारी बना जागेश्वर प्रसाद निवासी नगला दुर्गा मौजा कपो० मिघौली परगना व तह० छिबरामऊ जिला फर्रेखाबाद। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती कटोरी देवी विधवा मातादीन निवासी मिधौला मौजा व पो० मिधौली परगना व तह० छिबरामऊ जिला फर्रुखाबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूदना बारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उनत संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवब के किसी प्रन्थ स्थक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उकत ग्रिश्वित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रष्ट होगा जो उस अब्याय में दिशा गया है।

अनुसुची

कृषि सम्पत्ति 3.46 स्थित मौजामिषौली परगना छिबरामऊ जिला फर्म्खाबाद 36000- में बेची गयी है जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 55360/- है।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीखाः 26-3-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के श्रिवीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

कानपुर, दिनोक 26 मार्च, 1979

निदेश सं० 583/म्रर्जन/कनौज/78-79-म्यतः मुझे, भ० थ० चतुर्वेदी

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रभीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-

इ० से अधिक है

भौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय कनौज में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मंत्रीन तारीख 20-9-1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है मीर यह विश्वास करने का कारण मुस यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भ्राधिक मीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त घन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधि-नियम के ग्रंगीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिम्हें भारतीय, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त भ्रधिनियम, या घनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भ्रम, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत् :---

- 1. श्री गिरवर महाय पुत्र सीताराम निवासी मानीकऊ परगना य तहर कलौज जिला फर्नखाबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रजीत कुमार ,प्रमोद कुमार ,सतीण कुमार पुत्राण सिद्धन लाल व श्रन्य निवासीगण नरायन पुरवा मौजा अदलपुर परगना कनौज जिला फर्रेखाबाद। (श्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यत्ति के ग्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति 5.23 एकड़ स्थित मौजा मानीकऊ परगमा कभौज जिला फर्रुखाबाद 80000/- में बेबी गई है जिसका कि जिलत बाजारी मूल्य 115000/- है।

भ० च० चतुर्वेदी मक्षम स्रधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 26-3-1979

प्ररूप भाई• टी० एन० एस०---

भायकर श्रिष्ठितयम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 मार्च, 1979

निदेश सं० 616-ए--- प्रतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी श्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के भ्रष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपए से मधिक है, है तथा जो भ्रीर जिसकी सं० स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रिअस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्र**धीन तारीख**, 8~8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्यसे कम के दृश्यमान प्रतिकल के जिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीस्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर प्रम्तरिती (भ्रन्तिशितेयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या

लिखित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी कियी प्राय या किसो धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम या धनकर ग्रीधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269—ग के धनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269—ग की उपघारा (1) ग्रधीन, निम्नतिखित कार्नितयों, ग्रयीत्ोः——

- 1. श्री जैचन्द तथा श्री जै किशन निवासी 235 नई बस्ती, पुरानी मुन्सकी, गाजियाबाद। (श्रन्तरक)।
- श्री अत्या नन्द पुत्र लक्की राम द्वारा मैसमं लक्की राम अत्या नन्द ,क्लाथ मर्चेन्ट, जवाहर गेट, गाजियाबाद। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनस प्रशिनियम के अञ्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अञ्चाय में दिया गया है।

अनुसूची

मंपत्ति नम्बर 249 तथा 249-ए जवाहर गेट गाजिया-बाद में 55,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,02,000/- रुपये ग्रांका गया है।

> भरत चन्द्र चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 28⊣3-1979

मोह

प्ररूप भाई• टी• एन• एत•----

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 मार्च, 1979

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30-8-1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त
से प्रधिक है और घन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया कया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्त्रविक हम से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसी ब्राय या किसी धन या मन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रिधिनियम, या धन-कर घिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव उक्त अधितियम की धारा 269-ग के प्रनुषरण में, मैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् :—
13—36GI/79

- 1. श्री गिरधारी लाख पुत्र यत्तक श्री केवार नाथ जी निवासी करूबा हापुड़ मोहल्ला खिड्डकी बाजार जिला, गाजियाबाद। (ग्रन्तरक)।
- 2. श्री सरफराज खां व उसमान खा व विजवान खां पुत्र मो० मोहम्मद इस्माइल निवासीगण ग्राम ग्रसोडा परगना व तह् हापुड़ पोस्ट खाम जिला गाजियाबाद। (श्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की ग्रथित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 विन की ग्रवित, जो भी ग्रवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्काश्चरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जा उक्त सक्षिक नियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिकाषित है। बही धर्म होगा, जो उस सक्ष्याय में दिया गया है।

प्रमुची

कृषि भूमि ग्राम धीरखेड़ा जिला मेरठ में 1,65,000/-रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 2,40,000/-ग्रांका गया है।

> भरत चन्द्र चतुर्वेदी सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 29-3-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,

कानपुर, दिनांक 30 मार्च, 1979

निदेश सं० 236-ए/पीं० एन०---भ्रतः चन्द्र चतुर्वेदी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भक्षिनियम' कहा गया है), की घारा 269-अब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से मधिक है श्रौर जिसकी सं० है, तथा जो स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीक'रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-8-1978 को पूर्वीपत सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल 🕏 शिए शन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिवियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

(क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

किया गया है।--

(का) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्षं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

धतः सबः उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. श्री श्रनित कुमार उर्क अनित सिंह व श्री श्रजय कुमार उर्फ श्रजय सिंह पुत्रगण श्री कृपाल सिंह निवासीगण मोहल्ला मोहनपुरी शहर मेरठ द्वारा श्री कृपाल सिंह पिता चौ० घनश्याम सिंह मुख्यत्यार पिता स्वयं (श्रन्तरक)
- 2. श्री जगवीर सिंह खोकर पुत्र श्री मुल्लन सिंह साकिन मौजा बदरवा डा० छपरौली तह० बागपत जिला मेरठ। (ग्रन्तरिती)।

की यह पूत्रना अारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्च किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के शब्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसू ची

एक गृह सम्पत्ति स्थित मोहल्ला मोहनपुरी शहर मेरठ में 10,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,33,275/- रुपये श्रांकी गई है।

> भरत चन्द्र चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 30-3-1979

प्रकष बाई• टी• एन• एस•--

आ(वकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 29 मार्च, 1979

निदेण मं० 658-ए--- प्रतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत र), रिजस्ट्री कर्ता ग्रिधिनारी के कार्यानय, घाटमपुर में, रिजस्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 16-8-1978

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-काल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित प्रदेश्य से हक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ग्रम्तरण मे हुई किसी भाय की बाबत जक्त ग्राधिनियम, के मधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐंसी किसी माय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उन्त अधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्वात्,।---

- 1. श्री शिवकरन व गोपरन व जय करन पुत्र श्री राम नाथ मिश्रा निवासीगण श्रोरिया पो० व तह० घाटमपुर जिला कानपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री भगवान दीन पुत्र श्री कामला व शिव नारायन सिंह व देवी सिंह निवासी दनदर्श पो० व सह० छाटमपुर, जिला कानपुर। (ग्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस घडमाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित गुनयूपुर तह० घाटमपुर स्थित में रक्बा 2211/1 44,600/- रुपये में बची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 74,500/- रुपये ग्रांका गया है।

> भरत चन्द्र **चतुर्वेदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 29-3-1979

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 29 मार्च, 1979

निर्देश सं० 828-ए--यतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, भायकर भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भाषिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भाषीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भाषिक है

श्रीर जिसकी मं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप म वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. ब्ध ना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 17-8-1978

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त मधि-नियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दाविस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधः के लिए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी झाय या किसी झन या झन्य झास्नियों को, जिन्हें भारतीय भायकर झिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर झिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रस्त, उक्तः अधिनियम की घारा 269-ग के प्रानुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राचीत :—

- श्री जोडीलाल पुत्न सरूपा नि० कांधला परगन जाम नहमील बुढ़ाना जिला मुजफ्फरनगर। (अन्तरक)।
- 2. श्री पाल जैन पुत्र जिथालाल जिन्दा पुत्र मोहम्मद यासीन निवासी गढ़ी दौलत परगना खास बनाम तह्सील बुडाना जिला मुजप्फरनगर। (ग्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्की करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम कांघला में 38,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 70,000/- रुपये श्राका गया है।

> भरत चन्द्र चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रयकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 29-3-1979

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का **43) की भारा** 2**8**9-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 4 श्रप्रैल, 1979

निदेश स० 262-ए--श्रतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी

ध्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूण रूप मे र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी के कार्यालय, बुढ़ाना मे, रजिस्द्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 17-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है पौर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य म कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रस्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया या वा किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) अधीन, निक्निक्षित व्यक्तियों, सर्वात् :---

- 1. श्री श्रानन्द प्रकाण पुत्र ब्रह्म सिंह त्यागी जि० दिनमरपुर परगना शिकारपुर, तहसील बुढ़ाना जिला मुज०फर-नगर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री ह्रिरोकिशन व हरपाल सिंह व रिशीपाल सिंह व कृष्णपाल सिंह पुत्रगण हिरदेराम व भूपेन्द्र पुत्र ब्रह्मसिंह मग्क्षक हिरदेराम पुत्र राजसिंह व निरजन सिंह पुत्र मंगल सिंह नि० रसूलपुर जातान परगना शिकारपुर तहसील बुकाना जिला मुजफ्फरनगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेर:--

- (क) इन सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन की धविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उक्त श्रधितियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस धम्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम दिनमरपुर परगना शिकारपुर में 38,000/- रुपये की बेची गई जिमका उचित बाजारी मृत्य 68,000/- रुपये भ्रांका गया है।

> भरत चन्द्र चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी क(र्यालय सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-4-1079

श्ररूप भाई०टी० एन० एस०--भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

<mark>म्रर्जन रेंज-1</mark>, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 भ्राप्रैल 1979

निदेण सं० 244-ए---भ्रतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयफर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सरधना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने से भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—

- 1. श्री सुरेन्द्र मिंह पुत श्री रघुवीर सिंह व विरेन्द्र निंह दत्तक पुत्र लक्ष्मन सिंह हारा श्रीमती महेन्द्र पाल कुमारी विधवा लक्ष्मण सिंह माता व मुख्त्यार खास विरेन्द्र सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी ग्राम तामनोली परगना बरनावी सील करघना जिला मेरठ। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कटार सिंह व विक्रम सिंह पुत्र भ्रमन सिंह व महेन्द्र सिंह व रनवीर सिंह पुत्र श्रमेराम निवासी ग्राम किरकली परगना बरनावा तहसील सरधनाजिला मेरठ। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम सिरकली में 39,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 57,000/- रुपया ध्रांकी गई है।

> भरत चन्द्र चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी (सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-4-1979

प्रक्र घाई०टी०एन०एस०------

भायकर घविनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 श्रप्रैल, 1979

निदेश सं० 250-ए----श्रतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अभीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्पए से श्रिधिक है

म्रीर जिसकी मं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करधना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-8-1978

के अधीन, तारीख 7-8-1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर
पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरफ के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्तविक क्य से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भविक नियम के अधीन कर देने के भ्रन्यरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

- श्री तारीफ पुत्र करम सिंह नि० ग्राम दुल्हेडा चोहान परगना दौराला तह्मील करधना जिला मेरठ। (अन्तरक)।
- 2. श्री स्रोंकार गिंह, राजकुमार व विनोद कुमार, पुत्रगण रघुवर दयाल निवासीगण ग्राम दुल्हेडा घोहान परगना दौराला तहसील सरधना जिला मेरठ। (स्रन्तरिती)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्मम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :--इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, बही भये होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

प्रमुसूची

कृषि भूमि ग्राम दुल्हेडा घौहान परगना दौराला तहसील सरधना जिला मेरठ में 36,450/- रुपये में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 56,000/- रुपये में बेची गई।

> भरत चन्द्र चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 3-4-1979

प्ररूप भाई• टी॰ एन• एस०-

आयकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के भद्यीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, लखनऊ कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 30 मार्च 1979

निर्देश सं० एस०-172/म्रर्जन--यत, मुझे, श्रमर सिंह बिसेन धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चिंत बाजार मूख्य 25,000/- वपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 53 है, तथा जो शाहगन्ज इलाहाबाद में है), रिजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रिजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21 श्रगस्त 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से भिष्ठक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त थांबिनियम के घंघीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में समी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्राय ग्रास्तियों को जिन्हों भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रान्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त ग्रिश्वितयम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राथीत्:—— 1. श्री मुधीर टणान व ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुधीए कुमार केसवानी व प्रन्य

(भ्रन्तरिती)

 श्री सुधी र टण्डन (वह व्यक्षित, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(भ्रन्तरिती)

- श्री सुधीर टण्डन (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री सुधीर टण्डन (वह व्यक्ति, जिसके बारे में हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में सितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके रूवों स्त पम्मित के प्रकंत के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की मनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिध, जो भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोह्स्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भिष्ठित्यम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही अस होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 53, शाहगंज इलाहाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरश्र जो फार्म 37 जी संख्या 3758/78 तथा सेलडीड में विणित है जो कि सब रिजस्ट्रीर इलाहाबाद के कार्यालयमें दिनांक 21-8-78 को पंजीकृत हैं।

> ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 30-3-1979

संघलो ह ने गाम (यो ा

नोटिस

सहायक इंजीनियर (कें लो नि वि) के ग्रेड में पदोन्नति हेतु समिति

विभागीय प्रतियोगिता प्रतीक्षा (1979)

नई विल्ली, दिनांक 28 मप्रैल, 1979

सं० एक० 25/1/79-प० I (ख)-मारत के राजपत्र दिनांक 28 अप्रैल, 1979 में तिर्माण और आवास मंत्रालय द्वारा प्रकाणित नियमों के अनुसार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में किनिष्ठ इंजीनियरों (सिविल वैद्युत्) की महायक इंजीनियरों के प्रेड (सिविल वैद्युत्) में पदोन्नसि हेनु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 18 सितम्बर, 1979 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, विसपुर (गोहाटी), कठमांडू, मद्राम, नागपुर और पोर्ट स्लेयर मे एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की जाएगी।

प्रायोग यवि शाहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारी खं में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीववारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान प्रथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए ग्रनुबंध पैरा 8)।

- इस परीक्षा के परिणाम के भाधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की लगभग संख्या निम्नलिखित हैं:---
 - (i) सहायक इंजीनियर (सिविल) 124 (ग्र० जा० के उम्मीदारों के लिए 19 ग्रीर ग्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 9 ग्रारिशत रिक्तिया सम्मिलित हैं)।
 - (ii) सहायक इंजीनियर (वैद्युत्) 27 (मि० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 मौर म० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 भारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

जपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

भ्यान वें: उम्मीववार जिस ग्रेड भर्थात् सहायक इंजीनियर (सिविल) या सहायक इंजीनियर (वैद्युत्) की प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होना चाहते हैं, प्रपने मावेदन पत्नों में उसका स्पष्ट उल्लेख करें।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने नाले उम्मीदवारों को निर्धारित झावेदनपत्न पर सिचन, संघ लोक सेवा झायोग, धौलपुर हाउम, नई दिली-110011 को झावेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपन्न तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण दो रुपये वेकर झायोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशा सिचव, संघ लोक सेवा झायोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशा सिचव, संघ लोक सेवा झायोग को नई दिल्ली-110011 को मनीझाडंर द्वारा या सिचव, संघ लोक सेवा झायोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीझाडंर/पोस्टल झार्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये झावेदन पत्र आयोग के काउंटर पर नकव भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

वो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट: उम्मीदवारों को घेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन पन्न सहायक इंजीनियर (के० लो० नि० वि०) के ग्रेड में पदोन्नति हेतु सीमिन विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (1979) के लिए निर्धारित मुद्रित प्रस्त में ही प्रस्तुत करें। सहायक इंजीनिरर (के० लो० नि० वि०) के ग्रेड में पदोन्नति हेतु मीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (1979) के लिए निर्धारित ग्रावेदन प्रपन्नों से इतर प्रपन्नों पर प्रस्तुत ग्रावेदन पन्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन पत्न आवश्यक प्रलेखों के साथ सचित्र, संघ लोक सेवा आयोग बौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 के पास 11 जन, 1979 को या उससे पूर्व (11 जून, 1979 से पहले की सारीख से विदेशों में या झंडमान ए^{चं} निकोबार द्वीप समृह में या लक्षद्वीप से रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 25 जून, 1979 तक) अवस्य पहुच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने बाले किसी भी आवेदन पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या प्रंडमान एवं निकोबार दीन समूह मे या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार में, श्रायोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुन करने के लिए कह सकता है कि वह 11 जून 1979 से पहले की किसी तारीख में विदेशों में या भड़मान एवं निकोबार द्वीप समृष्ट में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

5 परीक्षा में प्रवेश जाहने वाले उम्मीदयारों को भरे हुए प्रावेदन पत्न के साथ आयोग को ६० 28 00 (अनुसूचित जातियों भीर प्रनसूचित जन जातियों के मामले में ६० 7.00) का शृत्क केजना होगा जो कि सिजब, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली के प्रधान डाकचर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल प्रावंद या सिजव संघ लोक सवा अयोग को नई दिल्ली की स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ज्ञापट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च प्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हों, के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लांक सेवा प्रायोग—परीका शुल्क" के लेखाशीय में जमा हो जाए, और उन्हें ग्रावेदन पत्न के साथ उसकी रसीद जमा कर भेजनी चाहिए ।

जिन शावेदन-पत्नो में यह भ्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम भस्त्रीकार कर दिया जाएगा।

6. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शंल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जसे झायोग हारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे द० 15.00 (भनु सूचित जातियों तथा प्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में ६० 4.00) वापस कर दिए जाएंगे।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़ कर श्रन्थ किसी भी स्थित में श्रायोग की भुगतान किए गए गुल्क की वापसी के किसी बावे पर न तो विचार किया जाएगा श्रीर न ही गुल्क की किसी श्रन्य परीक्षा का चयन के लिए श्रारक्षित रखा जा सकेगा।

7 धावेदन-पत्न प्रस्तृत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीद-वार के किसी प्रकार के श्रनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

> भार० एस० भाहलुवालिया उप सचिव सघ लोक सेवा भागोग

भनुबन्ध

उम्मीदवारों को ग्रनुदेश

उम्मीववारों को चाहिए कि वे धावेदन-प्रपन्न भरने से पहले नोटिम श्रीर नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी है या नहीं. निर्धारित गर्नों में छूट नहीं वी जा सकती है ।

मावेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में विए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, श्रंतिम रूप से चून लेना जाहिए। सामान्यत चूने हुए रूपान में परिवर्तन से सम्बन्ध किसी मनुरोध पर निचार नहीं किया जाएगा।

 उम्मीदवार को मानेदन प्रपन्न तथा पावती कार्ड प्रपने हाथ से ही भरने चाहिए । सभी प्रविष्टियां/उत्तर णब्दों में होनी/होने चाहिए रेखा या बिन्तु भ्रादि के द्वारा नहीं । भ्रधूरा या गलन भरा **हुमा भ्रावेद**न-पन्न भ्रस्वीकार किया जा सकता है ।

उम्मीदवार भ्रपना श्रावेदन-पत्न भ्रपने विभाग या कार्यालय के प्रधान को प्रस्तुन करें जो भ्रावेदन-पत्न के भ्रन्त में पृष्ठीकन की भर कर उसे भावोग को भेज देंगे ।

- 3 उम्मीववार को झपने श्रावेदन-पत्र के साथ निस्तिविख्य प्रतेख झवस्य भेजने बाहिए:----
 - (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय वोस्टल ग्रार्कर या बैंक द्रापट (देखिए नोटिम का पैरा 5)।
 - (ii) उम्मीदवार के हाल ही के पास पोर्ट भाकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतिया ।
 - (iii) जहाँ लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनसूचित जन जाति का होने के वावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4 (iv))।
 - (iv) भरा हुआ उपस्थिति पत्तक (भावेदन प्रपन्न के साथ संलग्न)।
 - नोट: उम्मीववारों को ध्रपने धावेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त सद (iii) मे उल्लिखित प्रमाण पत्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्कुत करनी है जो सरकार के किसी राजपत्नित ध्रधिकारी हारा ध्रमिप्रमाणित हों ध्रथवा स्वयं उम्मीववारों हारा सही प्रमाणित हों । लिखित परीक्षा के परिणाम स्म्मवतः विसम्बर, 1979 में घोषित किए जाएंगे । जो उम्मीववार परीक्षा परिणाम के धाद्यार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षास्कार के लिए ध्रहेता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्न मूल क्ष्म में प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए । जो उम्मीववारों को साक्षात्कार के समय उक्त प्रमाणपत्न मूल रूप में प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए । जो उम्मीववार उस समय प्रपेक्षित प्रमाण-पत्न मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीववारी रह कर वो जएगी धौर उनका धागे विचार किए जाने का वावा स्वीकार नहीं होगा ।
- 4 पैरा 3 की मद (i) में (iii) तक उस्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे विए गए हैं;
- (i) (ग) निर्पारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए, भारतीय पोन्टल मार्डर प्रत्येक पोस्टल भ्रांडर मनिवार्यनः रेखांकित होना चाहिए भौर उस पर "सचिव, संघ लोक मायोग को नई विल्ली के प्रधान डाक घर पर देय" लिखना चाहिए।

किसी भ्रन्य डाकघर पर देय पोस्टल भ्राढेर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विकिपित या कटे फटे पोस्टल भ्राढेर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

गभी पोस्टल मार्डरो पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर भीर जारी करने वाले डाकचर की स्पष्ट मोहर होनी चाहिए ।

उम्मीदवारो को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आडर न तो रेखाकित किए गए हों और न ही मजिब, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकधर पर देय हों, उन्हें भेजना सुर-क्षित नहीं है ।

(ख) निर्धारित मुल्क के लिए रेखाकित बैंक हाफ्ट :---

बैंक ड्राफ्ट स्टेज बैंक ग्राफ इडिया कि किसी गाखा से प्राप्त किया जाए भीर वह मचिव, संघ लोक सेशा भायोग को स्टेट बैंक भाफ इंडिया की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो । किसी अन्य वैंक में देय बैंक ब्रापट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ब्रापट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

- (ii) फोटो की बो प्रतियां:—उम्मीदवार को प्रपो हाल ही के पासपोर्ट प्राकार (संगभग 5 सें० मी० \times 7 सें० मी०) के फोटों की दो इक जैसी प्रतियां प्रवश्य भेजनी चाहिए । इनमें से एक प्रति प्रावेदन प्रपन्न के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति चपस्थित पन्नक में विए गए स्थान पर विपका देनी चाहिए । फोटों की प्रत्येक प्रति पर सामने की भोर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए ।
- (iii) यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का वावा करे तो उसे अपने दावे के समयंन में उस जिले के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माना या पिता) आमतौर से रहते हो, जिला अधिकारी या उप भण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फामें में प्रमाण-पत्न लेकर उनकी एक अधिकारीजा/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए । यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्न उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो ।

भारत सरकार के प्रधीन पवों पर नियुक्ति के लिए प्रावेदन करने वाले प्रमुक्ति जातियों भौर जनुभूचिन जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणपत्र का फार्म :---

प्रमाणित किया जीता है कि श्री/श्रीमता/कुमारी ————————————————————————————————————
जाति के/की* हैं जिसे निम्नलिखित के भ्रधीन भनुसूचित जाति/भनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है। संविधान (भनुसूचित जातिया) भ्रादेश 1950।*
संविधाम (ग्रनुसूचित जन जातियां) म्रादेश, 1950 ।*
संविधान (मनुसूचित जातियां) (संय राज्य क्षेत्र) मावेग, 1951 ।*
संविधात (अनुसूचित जन जातिया) (संघ राज्य क्षेत्र) झादेश, 1951।

(अनुसूचित जातियां धीर धनुसूचित जन जातियां सूच (अशोधन)
आदेश, 1956, बम्बई पुनगंठन घितियम, 1960, पजाब पुनगंठन घितियम,
1966 हिमाचल अवेश राज्य घितियम, 1970 उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनगंठन) घितियम 1971 तथा अनुसूचित जातियाँ धीर अनुसूचित जन
जातियां घादेश (संशोधन) प्रधितियम 1976 हारा यथा संशोधित)।
संविधान (जम्मू घीर कश्मर) अनुसूचित जातियां घादेश, 1956।*
संविधान (घंडमान घीर निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां
घादेश, 1959।

मनुसूचित जातिया तथा मनुसूचित जन जातिया भावेग (संगोधन) मधि-नियम, 1976* द्वारा यथा संगोधित) । संविधान (बादरा और नागर हवेली) मनुसूचित जातिया मादेग, 1962।* सविधान (बादरा भौर नागर हवेली) भनुसूचित जन जातिया मादेग,

1962 i*

संविधान (पांडिचेरी) प्रनुसूचित	(भावेश, 1964 ।*
संविधान (भ्रानसूचित जन जातिः	यां) (उत्तर प्रवेश) मादेश, 1967।*
संविद्यान (गोबा, दमन तथा दियु) मनुसूचित जातियां मादेश, 1968।*
संविधान (गोवा, दमन तथा दिव) मनुसूचित जन जातियां घावेश, 1968।*
, , ,	जन जातियां भावेश, 1970।*
2. श्री/श्रीमतो/कुमारी*	
	. से गांव/कस्बा*
	—————————————————————————————————————
राज्य क्षेत्र	में रहते/
रहती* हैं।	
	हस्ताक्षर
	**पदनाम
स्थान	
	(कार्यालय की मोहर सहित)
तारी ख	
	राज्य/संघ* राज्य क्षेत
 *जो शब्द लाग न हो उन्हें कुप 	या भाट र्दे ।

**जाति/जन जाति प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्षम ग्रविकारी ।

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/मिलिएस्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/क्रिप्टी/किप्टी/किपियतर/ एडीयानल डिप्टी किमियनर/डिप्टीकलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब्गेडियीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मेजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिय मैजिस्ट्रेट/एक्सट्रा झिसस्टेंट किमियनर । (प्रथम श्रेणी के स्टाईपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ग्रोहदे का नहीं) ।
- (ii) चीफ प्रेसिबेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसीबेन्सी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसिबेन्सी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू भफसर जिसका मोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब डिवीजनल झफसर यहां उम्मीदवार झौर/या उसका परिवर झामतौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डैवलपमेंट झफसर लक्षडीप ।

व्यान दं .— उम्मीदवारों का नेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3(ii) में उल्लिखित प्रनेख संस्थन न होगा भीर उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रनेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद सीध ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अनिम तारीख के बाद एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

5. उम्मीदवारों को चेताजनी दी जाती है कि वे ब्रावेदन-पक्त भरते समय कोई सूठा क्यौरा न वें ब्रथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी वी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी अलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें भीर न कोई फेरबदल करें भीर न ही कोई फेरबदल किए गए भूठे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे वो या इससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विस्पति के संबंध में स्पष्टी-करण प्रस्तुत किया जाए।

- 6. भावेदन-पत्न देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि धावेदन-प्रपत्न ही भ्रमक तारीख को भेजा गया था। भावेदन-पत्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि धावेदन-प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पाझ हो गया है।
- 7. याव परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पन्नों की प्राप्ति की श्रव्यिरी तारी आ से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने श्रावेदन-पन्न की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के जिए भागोग से तत्काल सपर्क करना चाहिए।
- 8. इस परीक्षा के प्रत्येक जम्मीदवार की उसके आवेदन-पत्न के परिणाम की सूचना यथाशील दे वी जाएगी। किन्तु यह भी नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के गुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार की अपने आवेदन-पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किया जाने के वाबे से बंचित हो जाएगा।
- 9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार संघ लोक सेवा भायोग से कोई यात्रा भत्ता प्राप्त करने के हकवार नहीं हैं।
- 10. भावेदम-पत्नों से संबद्ध पत्न-व्यवहार :--- प्रावेदन पत्नों से संबद्ध सभी पत्न श्रादि सच्चित, संभ लोक सेवा भ्रायोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली110011, को भेजे जाए तथा उनमें नीचे लिखा स्पीरा श्रनिवार्य रूप से विया जाए :---
 - (1) परीक्षाका मक्त
 - (2) परीक्षाका महीना भौर वर्ष
 - (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
 - (4) उम्मीववार का नाम पूरा तथा बड़े प्रक्षरो में।
 - (s) भावेदन-पन्न में दिया गया पश्च-व्यवहार का पता भ्यान दें :--जिन पत्नों भादि में यह क्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान महीं दिया जाएगा ।
- 11. पते मे परिवर्तन :--जम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके मावेदन पत्न में उलिखित पते पर भेजे गए पत्न मादि, मावभ्यक होने पर, उसको बदने हुए पते पर मिल जाया करें पते में किसी भी प्रकार का परि-वर्तन होने पर मायोग को उसकी सुचता, उपर्युक्त पैरा 10 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ, यथाशीझ दो जानी चाहिए। यद्यपि मायोग ऐसे परिवर्तनों पर घ्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 22nd March 1979

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following Assistant Superintendents (Holl.) in the office of Union Public Service Commission to officiate on an ad hoc basis as Section Officer (D.P.) for the period from 2-3-1979 to 31-5-1979, or until further orders, whichever is earlier :-

- Shri S. P. Bansal,
 Shri M. M. Sharma,
 Shri B. R. Gupta.

S. BALACHANDRAN, Under Secy. for Secy.

New Delhi-110011, the 22nd March 1979

No. A. 12019/1/75-Admn.II.—The Chairman, Union Pubhe Service Commission hereby appoints the following Super-intendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an ad hoc basis as Assistant Controller (D.P.) in the Commission's office for the period from 2-3-1979 to 31-5-1979, or until further orders, whichever is earlier :-

1. Shri J. L. Kapur, 2. Kumari Santosh Handa.

> S. BALACHANDRAN, Under Secy. for Chairman.

New Delhi-1100011, the 30th March 1979

No. A. 32013/1/79-Admn, I-The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on ad hoc basis in Girde I of the Central Secretariat Server for the period shown agains each, or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name				Period
1. Shri B. B 2. Shii B. S.				(Permanent Officer of Grade A of CSSS) (Permanent Officer of Section Officer's Grade of CSS)	1-3-79 to 18-4-79. 1-3-79 to 9-4-79.

S. BALACHANDRAN

Under Secy. Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd April 1979

No. A-19014/4/78-Ad.V.-The President is pleased to appoint Shri Ripdaman Singh, a permanent Section Officer of the C.S.S. Cadre of the Ministry of Home Affairs, to officiate as Administrative Officer in the C.B.I. on ad-hoc basis for the period 16-8-78 (FN) to 28-12-78.

The President is also pleased to appoint Shii Ripdaman Singh, Grade I Officer of C.S.S., to officiate as Administrative Officer in the C.B.I. with effect from 29-12-78 and until further orders.

S. K. JHA, Dy. Dir. (Admn) C.B.I.

New Delhi, the 4th April 1979

No. PF/P-91/70-Ad.I.—Shri P. S. Chatterjee, an officer of West Bengal State Police on deputation to C.B.I. as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the C.B.I., E.O.W., Calcutta Branch on the afternoon of 12-3-1979 on repatriation to the West Bengal State Police.

JARNAIL SINGH, Adm. Officer (E), C.B.I.

New Delhi, the 6th April 1979

No. A-19036/13/76-AD.V.-The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Police Establishment, hereby appoints Shii A. Che Special A. Chakravarti, an Officer of the Border Security Force, as Dy. Superintendent of Police in the C.B.I. on deputation with effect from the forenoon of 21-3-1979 until further orders.

RIPDAMAN SINGH, Adm. Officer (A) C.B.l.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110011, the 2nd April 1979

No. O.II-1052/77-Estt.—Reference this Directorate General Notification of even number dated 3rd February 1977.

- The President is pleased to decide that the appointment of Dr. Shatanjay Gupta as General Duty Officer, Grade-I (Assistant Commandant) in the CRP should be treated as on ad-hoc basis with effect from 17-1-77 to 18-2-77. This will not, however, affect his seniority as G.D.O. Grade-I
- 3. The appointment of Dr. Shatanjay Gupta as a General Duty Officer, Grade-1 (Assistant Commandant) will be

treated as regular with effect from 19-2-77 i.e the date on which he completed 4 years experience in the profession after registration, as per CRPF (Medical Officer Cadre) Rules, 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY, Asstt. Dir. (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 4th April 1979

No. E-16013(2)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri S. K. Chatterjee, IPS (MT—SPS) assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, Farakka Barrage Project, Farakka we.f. the afternoon of 8th March 1979 vice No. E-16013(2)/1/78-Pers.—On transfer on Col. N. S. Puri, Commandant, who on transfer to Hoshanga-bad relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(2)/1/79-Pers.—On transfer from Farakka, Col. N. S. Puri, assumed the charge of the post of Commandant/CISF Unit, SPM Hoshangabad w.e.f. the forenoon of 21st March 1979.

The 5th April 1979

No. E-38013(3)/2/78-Pers.—On transfer from Calcutta Shri B.A. Devaya assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISR Unit Mormugao Port Trust, Gao with effect from the afternoon of 12th February 1979 vice Shri K. A. Belliappa Assistant Commandant who on transfer to Thumba relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

A. N. BHALLA, Asstt, Inspector General (Pers)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi-110011, the 9th April 1979

No. 11/66/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri D. N. Dhir, an officer belonging to the Punjab Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Punjab, Chandigarh, with effect from the afternoon of 31 March, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri D. N. Dhir, will be at Chandigarhi

P. PADMANABHA, Registrar Genl. India.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 19th April 1979

No. 48 PST 4.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Malhotra, a permanent Section Officer

of the Central Vigilance Commission, as Under Secretary in the Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 19th April, 1979.

R. K. SHARMA

Secretary for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS, DEWAS

Dewas, the 27th March 1979

File No. BNP/C/5/79.—Shri V. Venkatramani, a permanent Junior Supervisor (Intaglio Printing) is promoted on ad-hoc basis as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 27-3-1979 for a period of Three months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier. regular basis, whichever is earlier.

The ad-hoc appointment does not confer any prescriptive right on the promotec for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis, the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

P. S. SHIVARAM, General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II, WEST BENGAL.

1.OCAL AUDIT DEPARTMENT,

Calcutta-1, the 5th February 1979

No. LA/Admn./96.—The Accountant General (II), Bengal has been pleased to appoint Sri Upendra Nath Ghoshal, an Offg Section Officer of Local Audit Deptt. of this office as an Offg. Section Officer of Local Audit Deptt. of this office as an Assistant Examiner of local Accounts, West Bengal in officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 5-2-79 (F.N.) until further orders.

(Sd.) Examiner of Local Accounts,

West Bengal

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION,

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS.

> New Delhi, the 2nd April 1979 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (Establishment)

No. 6/485/58-Admn(G)/2637,—On attaining the age of superannuation, Shi S. K. Mondal relinquished the charge of the post of Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Ioint Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Ioint Chief Controller of Imports and Exports. ports, Calcut'a, on the afternoon of the 31st January, 1979.

No. 6/1251/78-\dmn(G)/2640. -The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shiri A. K. Noom hamed as Controller of Imports and Exports Class-II (Non CSS) in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Lxports, Bombay, in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 26th February, 1979, until further orders.

2. Shri A. K. Noormohamed will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35 880-40-1000-EB-40-1200.

> RAJINDER SINGH, Dy. Chief Controller of Imports and Exports. for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DFPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 2nd April 1979

No. A19011(242)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Dipankar Nag to the post of Asstt. Controller of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14-3-79,

No. A-19011(251)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Sankaraiyar Hati-haran, Office Superintendent Grade-I, Air Armament Inspec-

tion Wing, Khamaria, Sabalpur (M.P.) is appointed to the post of Administrative Officer in Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the forenoon of 19th March, 1979.

The 7th April 1979

No. A-19011(15)/74-Estt.A.—On his being absorbed in the Bureau of Public Enterprises, Ministry of Finance in the post of Deputy Adviser (Production), the lien of Shri I. M. Aga, in the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines is terminated with effect from 7th March, 1978.

A-19011(238)/78-Estt.A. -On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri D. K. Kundu, Assistant Mining Geologist, Indian Bureau of Mines to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 26th February, 1979, until further orders.

S. BALAGOPAL. Head of Office

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA,

Calcutta-12, the 3rd April 1979

No. F.92-118/76-Estt./5830.-Dr. A. C. Misia, Assistant Zoologist in Zoological Survey of India, Calcutta, having been offered the post of Senior Research Officer at the National Institute of Virology, Poona, on a pay of Rs. 1100/- in the scale of Rs. 1100-50-1600, has relinquished the charge of the post of Assistant Zoologist in Zoological Survey of India with effect from 15-3-1979 (afternoon) to enable him to join his new assignment.

> DR. T. N. ANANTHAKRISHNAN, Director.

Zoological Survey of India.

DIRFCTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 4th April 1979

No. 5(100)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shii S. P. Likhar, Transmission Executive. All India Radio, Indore as Programme Executive. All India Radio, Port Blair in a temporary capacity with effect from 17th March, 1979 and until further orders.

The 6th April 1979 CORRIGENDUM

No. 5(118)/67-SI.—Please read 'appoints' for the word 'declares' appearing in the 2nd line of this Directorate's notification No. 5(118) 67-SI dated 23-2-79.

O. B. SHARMA, Deputy Director of Administration for Director General

New Delhi, the 7th April 1979

No. 10/15/79-SIII.—The Director General, All India Radio, pleased to appoint Shri Nazeer Ahmed of the cadre of Senior Engineering Assistant, All India Radio to Officiale on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio, and post him at All India Radio, Hyderabad with effect from 28-2-79 (F/N) till further orders.

> J. R. LIKHI, Deputy Director of Administration, for Director General,

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi-110001, the 6th March 1979

No. A-12023/1/78-CW.t.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri VIMAL KUMAR SINGH as Assistant Engineer (Electrical), Civil Construction Wing, All India Radio, Jullundur in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 5th February,

2. The appointment of Shri Singh will be governed, interalia, by the terms and conditions contained in the offer of appointment already issued to him.

S. RAMASWAMY, Engineer Officer to Addl. CE(Civil). for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 2nd April 1979

No. A.12026/5/79-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri D. L. Ghoshal, Distribution Assistant to officiate as Assistant Distribution Officer in this Directorate on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 14th March, 1979 vice Shri Amar Singh, Assistant Distribution Officer, granted leave.

The 6th April 1979

No. A-20012/8/70-Exh.(A).—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri S. S. Mehra to officiate as Field Exhibition Officer in the Field Exhibition Office of this Directorate at Kohima with effect from 5-1-1979 (F,N.) until further orders.

R. NARAYAN,
Deputy Director (Advtg.)
for Director of Advertising and Visual Publicity.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

(DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS)

New Delhi-11, the 7th April 1979

No. 2/7/78-FFD—It is hereby notified that in pursuance of Rule 9 of the Rules for the National Film Festival, 1979 published in the Directorate of Film Festivals Notification No. 2/5/78-FFD dated 21st December, 1978 the Central Government on the basis of the recommendations submitted by the two National Juries have decided to give awards to the following films/producers/directors/artistes/technicians, namely :—

S. No.	Title of film and language	Name of the Award Winner	Award
1	2	3	4
·		I—FEATURE FILMS	
1. A	ward for the Best Feature Film with n	nass appeal, wholesome entertainment and aesth	etic value:—
G	ANDEVATA (Bengali)	PRODUCER Deptt. of Information & Cultural Affairs, Govt. of West Bengal, Writers Bullding, Calcutta-700001. DIRECTOR	,
		Shri Tarun Majumdar, 25/4-B, M. N. Sen Lane, Calcutta-7000040.	'Rajat Kamal' (Silver Letus)
2. A	ward for the Best Feature Film on Nat	ional Integration:	
		PRODUCER	
G	RAHANA (Kannada)	. M/s Harsha Pictures No. 94, Ist Main Road Hanumanth Nagar Bangalore-19	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 30,000/ (Rupees Thirty thousand only)
		DIRECTOR Shri T. S. Nagabharana No. 9, Sriramamandiram Road, Bangalore-560004.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only
3. Bo	st Feature Films in each Regional La	anguage :	
		PRODUCER	
D	OORATWA (Bengali)	. Shri Buddhadeb Dasgupta 29, Jatin Das Road, Calcutta-700029.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Te thousand only)
		DIRECTOR	4B 1 - 1t
		Shri Buddhadeb Dasgupta 29, Jatin Das Road, Calcutta-700029.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Fiv thousand only)
		PRODUCER	
4. K (J	ASTURI (Hindi) ointly with JUNOON)	Shrl Bimal Dutt, 13-B, "Trilok" Dr. Ambedkar Road, Bandra, Bombay-50.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a casi prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousan only)
		DIRECTOR Shri Bimal Dutt, 13-B, "Trilok" Dr. Ambedkar Road, Bandra, Bombay-50.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cas prize of Rs. 2,500/- (Rupees Tw thousand and five hundred only)
UNC	OON (Hindi) (Jointly with KASTURI)	PRODUCER Shri Shashi Kapoor, 112-A Atlas Apartment, Harkness Road, Bombay-400 006.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a caprize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousaronly)

1 2	3	<u></u> . 4
	DIRECTOR Shri Shyam Benegal, 103, Sangam, G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 2,500/- (Rupees Two thousand and five hundred only)
5. ONDANONDU KALADALLI (Kannada)	PRODUCER M/s. L. N. Combines, No. 4 Malini, 4th Cross, Lakshmi Road, Shantinagar, Bangalore.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
	DIRECTOR Shri Girish Karnard, 18, Saraswathpur, Dharwar-580002.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
6. THAMP (Malayalam)	PRODUCER Shri K. Ravindranathan Nair, General Pictures, Quilon-691001, Kerala.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupces Ten thousand only)
	DIRECTOR Shri G. Aravindan, 26/89, Uppalam Road, Trivandrum-695001.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
7. NIMAJJANAM (Telugu)	PRODUCER M/s Red Rose Art Films, No. 1, Journalist Colony, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad-500034.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
	DIRECTOR Shri B. S. Narayana, 2-C Rajaram Colony, Kodembakkam, Madras-600 024.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
8. Award for the Best Children's Film:		
JOI BABA FELUNATH (Bengali)	PRODUCER Shri R. D. Bansal, 45, Lenin Sarani, Calcutta-700 013.	'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupecs Fifteen thousand only)
	DIRECTOR Shri Satyajit Ray, 1/1, Bishop Lefroy Road, Calcutta-700 020.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
9. Award for the Best Direction:	DIRECTOR	
Thamp (Malayalam)	. Shri G. Aravindan, 26/89 Uppalam Road, Trivandrum-695 001.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 20,000/- Rupees Twenty thousand only)
10. Award for the Best Screenplay: GRAHANA (Kannada)	SCREENPLAY WRITER Shri T. S. Ranga & Shri T. S. Nagabharana, No. 9, Sriramamandiram, Road, Bangalore-560004.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only) to each.
11. Award for the Best Acting: (ACTOR) PARASHURAM (Bengali)	Shri Arun Mukherjee, C/o Information & Cultural Affairs Deptt., Govt. of West Bengal, Writers Building, Calcutta-700001.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten Thousand only)
12. Award for the Best Acting:	ACTRESS	
NIMAJJANAM (Telugu)	. Smt. Sharada, 3, Saraswathi Street, Mahalingapuram, Madras-600 034.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
13. Award for the Best Child Acting:	CHILD ACTOR	
GANADEVATTA (Bengali) .	. Master Kanchan De Biswas, C/o. Kartick Ch-D Biswas 17, B, Bhabanath Sen Street, Calcutta-700004.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)

1 2	3	4
14. Award for the Best Cinematography (Co	lour) CAMERAMAN	
JUNOON (Hindi)	Shri Govind Nihalani, C/o. Sahyadri Films, 19/20 A, Everest, Tardeo Road, Bombay-400 034.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
15. Award for the Best Cinematography (Bla	ack & White)	
	CAMERAMAN	
THAMP (MALAYALAM) .	, Shrl Shaji, 24, Shanthi Nagar, Trivandrum-695001.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only.)
16. Award for the Best Sound Recording:	SOUND RECORDIST	
JUNOON (Hindi) .	Shri Hitendra Ghosh, C/o, Shyam Benegal, 103, Sangam, G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupecs Five thousand only)
17. Award for the Best Editing:	EDITOR	
PARASHURAM (BENGALI) .	Shri Gangadhar Naskar, 3, Harisabha Road, j Calcutta-700041.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
18. Award for the Best Music Direction:	MUSIC DIRECTOR	
GAMAN (Hindi)	Shri Jaidev, Lily Corn., Ground Floor, Near Ritz Hotel, Church Gate, Bombay.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
19. Award for the Best Male Playback Singe	r:	
KAADU KUDRE (Kannada) .	Male Singer Shri Shivamoga Subbanna, 75, Banashankari Market, J. M. Road, Bangalore-2.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
20. Award for the Best Female Playback S	Singer :	<i>(,</i>)
	FEMALE SINGER	
GAMAN (Hindi)	. Ms. Chhaya Ganguli C/o Shri Jaidev, Lily Corn., Ground Floor, Near Ritz Hotel, Church Gate, Bombay.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
Special commondation by the Jury:		
PARASHURAM (Bengali)	. Shri Mrinal Sen . Shri Muzaffar All	
GAMAN (Fillid)	П—SHORT FILMS	
BEST INFORMATION FILM		
(DOCUMENTARY) RUMTEK—A	PRODUCER Shrì Ramesh Sharma,	Daiet Versell (City)
MONASTERY WREATHED IN A HUNDRED THOUSAND RAINBOWS (English)	Raj Emporium, Kalimpong-734301 (Darjeeling)	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
	DIRECTOR Shri Ramesh Sharma, Raj Emporium, Kalimpong-734301 (Darjceling)	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 4,000/- (Rupees Four thousand only)
2. BEST EDUCATIONAL/INSTRUC- TIONAL FILM	PRODUCER	
THE MAGIC HANDS (English)	M/s Little Cinema, (Calcutta) Pvt. Ltd. 9/1 Lovelock Place, Calcutta-700 019 DIRECTOR	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
	Shri Santi P. Chowdhury C/o Instle Cinema, (Calcutta) Pvt. Ltd., 9/1 Lovelock Place, Calcutta-700 019	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 4,000/- (Rupees Four thousand only)

3. BEST PROJUCTIONAL FILM (NON-COMMERCIAL COMMERCIAL)

JT IS INDIAN IT IS GOOD (English) PRODUCFR
Films Division,
Govt. of India,
24-Dr. G. Deshmukh Marg,
Bombay-4000026.

DIRI-CTOR Shri B. D. Garga, C/o, Films Division Govt. of India,

24-Dr. G. Deshmukh Marg,

Bombay-4000026.

4. Best Newsreel Cameraman:

DAWN OVER GURAIS (INR NO. 1568) Shri C. L. Kaul, Films Division, Govt. of India, 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.

CAMERAMAN

'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)

'Rajat Kamal' (Silver Lotus)

'Rajat Kamal' (Silver Lotus)

5. BEST INDIAN NEWS REVIEW

UTTAR PRADESH SAMACHAR 54 (Hindi)

Special commendation by the Jury

BURNING STONE (English)

PRODUCER
Director of Information and Public Relations,
Govt. of Uttar Pradesh,
Luckney

Lucknow.

PRODUCER
Films Division,

Govi. of India,
DIRECTOR
Shri Loksen Lalvani
Films Division,
24-Dr. G. Deshmukh Marg,
Bombay-400 026.

III. DADA SAHEB PHALKE AWARD Shri R. C. Boral 1/1 Premchand Boral Str et, Calcutta-700 012. Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)

'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 40,000/- (Rupees Forty thousand only) and a Shawl.

K. BIKRAM SINGH Joint Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delbi, the 2nd April 1979

No. 33-15/75-Admn.!.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Kumari Pushpa Devi Sharma, Pharmaceutical Chemist in the Safdarjang Hospital, New Delhi, with effect from the afternoon of the 13th January, 1978.

The 7th April 1979

No. A. 12023 1/77-Admn. I.—Consequent on reversion to his parent Department viz. Directorate General of Supply & Disposal, Delhi, Shri N. Ramasubramani relinquished charge of the post of Administrative Officer at B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras on the afternoon of 20th February, 1979.

No. A.12026/25/78-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Budh Singh to the post of Accounts Officer, Lady Hardinge Medical College and Smt. Sucheta Kirplani Hospital, New Delhi with effect from the forenoon of the 18th December, 1978, on an ud-hoc basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 3rd April 1979

No. A.19019/2/78-CGHS-I.—Consequent upon her transfer from CGHS Delhi to CGHS Allahabad, Dr (Mi₂₂) Raj Mehra, Homoeopathic Physician relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician, under CGHS, Delhi, with effect from 15—36GI/79

the forenoon of the 16th October, 1978 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under CGHS, Allahabad, with effect from the forenoon of the 10th January, 1979.

No. A.19019/3/79-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Kumarı) Amar Bir to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Delhi under this Directorate, on a purely temporary basis with effect from the forenoon of the 15th December, 1978.

N. N. GHOSH, Dy. Director Admn. (CGHS)

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA (KRISHI VIBHAG)

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 2nd April 1979

No. 5-40/79-Estt.(I).—On reaching the age of superannuation, Shri A. R. Puri, officiating Superintendent (Grade I), Group 'B' (Gazetted) in the Directorate of Extension, Department of Agriculture, Ministry of Agriculture and Irrigation, retired from Government service w.e.f, the afternoon of 31st March, 1979.

B. N. CHADHA, Director of Administration.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay 5, the 5th March 1979

No PPED/3(283)76 Adm /2941—Director, Power Projects Engineering Division Bombay hereby appoints Shri M. K. Iyer, a permanent Selection Grade Clerk and Officiating Assistant Accounts Officer in this Division as Accounts Officer-II in the same Division in a temporary capacity with effect from the forence of March 5, 1979 to the afternoon of April 25, 1979 vice Shri R. G. Masurkar, Accounts Officer-II proceeded on leave

The 23rd March 1979

No. PPED/3(283)/76-Adm—Director, Power Projects Engineering Division Bombay hereby appoints Shri B. D Tambe, a perminent Lower Division Clerk of BARC and officiating Assistant Accounts Officer in this Division as Accounts Officer-II in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 26, 1979 to

the afternoon of April 18, 1979 vice Shii C P Yoshi, Accounts Officer II proceeded on leave

B, V Thatte Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 6th April 1979

No DPS/21/1(2) /78-Est 10,197 — The Director, Directorate of Purchase and Stores, appoints Shri D D Nayak a temporary Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs 650-30 740 35 810-EB-35 880-40 1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis in the Delhi Regional Purchase Unit of the same Directorate with effect from March 8, 1979 (AN) to December 31, 1979 (AN), or until further orders whichever is earlier

K P JOSEPH, Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st March 1979

No A 12025/1/79-I C —The President is pleased to appoint the following three efficies in the Agrenatic Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity in the grade, with the categories with a large of against each —

S No Nume & Designation	Sin of posting	Date from which appointed
1 Shri B'uipin lei Singh Koochar, Technic il Officer	Radio Const & Dev Unit, N Delhi	1-3-79 (FN)
2 Shri Devendia Nath Tripathi Technical Officer	Radio Const & Dev Units, N Delhi	13-3-79 (FN)
3 Shri Sanjeev Kumai Soth, Communication Officer	Aero, Comm Stn Bombay	7 3-79 (FN)

The 3rd April 1979

No. A 32013/0/78 EC.—The President is pleased to appoint the following two Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officers to the grade of Technical Officers on ad-hoc basis to a period of six months or till the vacancies are available whichever is contained well the date incidence against each

S No	Name & Designation	Sin of posting	Date of taking over charge
1 Shri K Techn	CintriCiud n	Aero Comm Stn Madras	22-1 79 (FN)
2 Shri P	S Vankata aman, Technical C	Theor Aero Comm Stn Nagpur	22-1-79 (FN)

No A 32014/178-FC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following four Communication Assistants to the rolls of Assis int. Communication Officer on regular basis wield the date and at the station indicated against each until further orders.

S No Num;	Present Sin of posting	Station to which posted	Dete of tek ng over charge
S/Shri 1 G P Songupta 2 G K Guha Rov 3 B K Bose 4 Radha Kashan Gupta	Aero Comm Stn Calcutta Aero Comm Stn Calcutta Aero Comm Stn, Calcutta D G CA (HQ)	Aero Comm Stn Calcutta Aero Comm Stn Calcutta Aero Comm Stn, Calcutta Aero Comm Stn, Safdarjung Airport N, Delhi	1 3 79 (FN) 26-2-79 (FN) 26 2-79 (FN) 26-2-79 (FN)

No A 38012/1/79 EC.—The undermentioned two Officers relinquished charge of office on retirement from Govt service on attaining the age of super innuation on the date and at the station indicated against each.

S No	Nim & Dosign	Station of Posting	Date of retnement
	ent, Asst. Tech Officer	Aero Comm Stn Culcutta Aero Comm Stn New Delbu	28-2-79 (AN) 28 2 79 (AN)

S D SHARMA, Deputy Director of Administration

New Delhi, the 30th March 1979

No. A.12025, 16/77-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint S/Shri Harihar Prasad and A. K. Ray, Aircraft Inspectors in the Civil Aviation Department in officiating capacity with effect from 22-1-1979 and until further orders.

S. L. KHANDPUR,
Assistant Director of Administration.
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 29th March 1979

No. A.32013/8/77-F.I. The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shi S. R. Bhotia, a permanent Accountant in this Department to the post of Accounts Officer, Civil Aviation Department on ad-hoc basis for a further period from 26-2-1979 (Afternoon) to 31-5-1979 or till the post is filled on regular besis, whichever is earlier, in continuation of this Department Notification No. A.32013/8/77-E.I. dated the 5th February, 1979

The 30th March 1979

No. A.32013/1/79-E.I. The President is plea ed to appoint Shri P. R. Chandrasekhar, Deputy Director, Research and Development, Civil Aviation Department, to the post of Director, Research and Development, Civil Aviation Department, on an ad-hoc basis with effect from the 16th March, 1979 for a period of six months or till the post is regularly filled, whichever is earlier.

Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 2nd April 1979

No. 1/4/79-Est—The Director General, Oversens Communications Service, hereby appoints Shri D. D. Malhotra, Supervisor, New Delhi Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officering capacity on ad-hoc basis in the some Branch from 1-9-78 to 30-9-78 and from 4-12-78 to 22-12-78 against short-term vacancies and from 23-12-78 and until further orders, on a regular basis

No. 1/28/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B, K. Mandal, Technical Assistant, Calcutta Branch, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 12-12-1978 to 30-1-1979, on ad-hoc basis.

No. 1/478/79-Fst.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. Chandrasekaran as Assistant Engineer, in New Delhi Branch in a temporary capacity, with effect from the foreneon of the 15th January. 1979 and until further orders

No. 1.479/79-Est.—The Director General Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Saibal Chatterjee, as Assistant Engineer in New Delhi Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 15th January, 1979 and until further orders.

No. 1/480/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Rajiv Kumar Agrawal as Assistant Engineer in New Delhi Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 6th February, 1979, and until further orders.

H. L. MALHOTRA, Dy. Director (Adm₁.) for Director General

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Macmull's Garage (Pvt.) Limited

Bombay, the 26th March 1979

No. 7942/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Macmull's Garage (Private) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Relaxa Textiles & Garments Private Limited

Bombay, the 26th March 1979

No. 17299/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Relaya Textiles and Garments Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

T. M. GUPTA.
Assit. Registrar of Companies,
Maharashtia, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956 and In the matter of Omega Cables Limited (IN LIQUIDATION)

(Sec. 445 of the Companies Act 1956)

Madras, the 31st March 1979

No. 3987/C.Liqn/445/78.—Notice is hereby given that by an order of the High Court or Indicature at Madras, dated 2-3-78 passed in C.P. No. 50 of 1977 and 89 of 1977 the company "Omega Cables Limited" was wound up.

Madras-600 006, the 31d April 1979

No. 1787/Liqn/560/79.—Whereas The Nellikuppam Industries Limited (in liquidation) having its registered office at Kudithangi, Nellikuppam is being wound up,

AND WHEREAS the undersigned has reasonable cause to believe that no Liquidator is acting and that the statement of accounts required to be made by the Liquidator have not been made for a period of six consecutive months.

NOW THEREFORE, in pursuance of the provisions of sub section (4) of Section 560 of The Companies Act 1956, notice is hereby given that at the expitation of three months from the date of this notice the name of The Nellikuppan Industries Limited will unless cause is shown to the contrary be struck off the register and the company will be dissolved.

Sd./ Illegible
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu, Madras.

Bombay, the 4th April 1979

No. 8473/Liq/560(4).—Whereas, M/s. K. D. VASWANI and Company Private Limited, having its registered office at 499, Kalbadevi Rd. Bombay-2, is being wound up;

And whereas the under igned has reasonable cause to believe that liquidator has been died.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of section 560 of the Companies Act, 1956, (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of M/s K. D. VASWANI & CO. PVT. LIMITED will, unless cause is shown to the centrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

Sd./- Illegible.
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay-2.

"In the Matter of the Companies Act, 1956 and of Keselec Railway Supply Company Private Limited."

Srl Nagar-190008, the 30th March 1979

No. PC/379/1058—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the KUSELEC RAILWAY SUPPLY COMPANY PRIVATE LIMITED unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. IAIN, Registrar of Companies.

"In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s, Annal Nadu Publication, Limited."

Madras-600 006, the 4th April 1979

No \$243'560(5)/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the home of M/s. ANNAI NADU PURITCATIONS LIMITED, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN, Assit, Registrar of Companies, Tamil Nadu

In the matter of the Companies Act 1956 and of Siva Associates Private Limited

Delhi the 4th April 1979

No 7208/7/6076—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Siva Associates Private I inited has this day been struck off the Register and the soid company is dissolved.

SMT. C. KAPOOR, Asstt. Registrar of Companies Delhi-

In the matter of the Companies Act 1956 and of Ramakrishna Steel Industries Private Limited.

Jullundur, the 6th April 1979

No. G/Stat/560/3428/120—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ramakrishna Steel Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of Jago's Export Private Limited.

Jullundur, the 6th April 1979

No. G/Stat/560/3662/118—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act,

1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jugg's Export Private Limited, unless cause is shown to the contary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of Zanni & Company P ivate Limited

Jullundur, the 6th April 1979

No. G/Stat/560/2225/122.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Zanai & Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL, Registrar of Companies Punjab, H.P & Chandigarh.

OFFICE OF THE INCOMETAX APPELLATE TRIBUNAL CENTRAL GOVT. OFFICES BUILDING, 4th FLOOR,

Bombay-400020, the 30th March 1979

No. 1 48-Ad(A1)/1978.P.H.—1, Shii Y. Balrsubramaniam, Superin endent, Income tax Appellate Tribanal, Bombay who was continued to officiate as Assistant Regis rar, Income-tax Appel ate Tribunal, Eombay Benches, Bombay on all has basis in a temporary capacity for a period of ax months from 1-9-1978 to 28-2-1979, ide this office Notification No. 17.13-14 (N1)/1978. P.H. dated 9th October, 1978 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registry Income-tix Appellaty Tribunal. Bomb by Benches Bombay for a further period of three months from 1-3-1979 to 31-5-1979, or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-lio and will not bestow upon Shi Y. Belasubramaniam, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc bisis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

2 Shri S. V. Naravanan, Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal Hyderabad Benches, Hyderabad, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appel at Tribunal, Calcutta Benches, Calcutta (now at Pombav w.e.f. 15 1-1979) on al-leac basis in a temperary capacity for a period of six months from 1-9-1978 to 28-2-1979, vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/1978 P.II. dated 9th October, 1978, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Rombay Benches, Bombay for a further period of three months from 1-3-1979 to 31-5-1979 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

3. Shri Niranjan Dass, Officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, Delhi, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis for a period from 17-10-1978 (F.N.) to 28-2-1979, vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/78 P.H. dated 7th December, 1978 is now nermitted to continue in the same capacity as Assis'ant Registrat, Income-tax Appellate Tirbunal, Amritsar Bench, Amritsar, on ad-hoc basis for a further period of three months from 1-3-1979 to 31-5-1979, or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri Niranjan Da.s a claim for regular appealment in the grade and the service rendeted by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

4. Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to the Vice-President, Income-tax Appellate Tribunal (Northern Zone) New

Delhi, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis for a period from 14-11-1978 (FN) to 28-2-1979, wide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/78.P.H. dated 7th December, 1978, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis for a further period of three months from 1-3-1979 to 31-5-1979 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above expointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

P. D. MATHUR, President.

WEALTH TAX DEPARTMENT (CENTRAL-I), BOMBAY

Bombay, the 17th February 1979

No. R.18(WT)78-79.—The Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and other particulars relating to the assessees who have been assessed under Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), on the net wealth exceeding Rs. 10 lakbs during the financial year 1977-78, and has therefore in exercise of the powers conferred by Section 42A of the said Act, and all other powers enabling it in this brhalf, directed that the names and other particulars of the assesses aforesaid be published, wherein the first appeal has either been disposed of or the time for presenting the first appeal has expired where an appeal has not bren presented, indicating: (i) Status T for individual, (ii) Assessment year, (iii) Figures of wealth returned, (iv) Wealth assessed (v) Wealth-tax payable by the assessee and (vi) Wealth-tax paid by the assessee, the same are hereby published

- 1. Shri Ambani Dhirajlel H., 4th floot, Court House, Lokmanya Tilak Marg. Dhobi Talao, Bombay. (i) 1. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 6,41,220 (iv) Rs. 14,55,420 (v) Rs. 28,662, (vi) Rs. 28,662. (ii) 1974-75, (iii) Rs. 8 36,310 (iv) Rs. 20,28 330 (v) Rs. 72 266 (vi) Rs. 72,266. (ii) 1975-76, (iii) Rs. 14,67,150, (iv) Rs. 29,41,580, (v) Rs. 1,55,327, (vi) Rs. 1,55,327.
- 2. Shri Patel J. V., Mewar, 40-A, Pedder Road, Pombay. (i) I. (ii) 1974-75, (iii) Rs. 12,38,600, (iv) Rs. 12,53,018, (v) Ry. 22,591, (vi) Rs. 22,591, (ii) 1975-76, (iii) Rs. 43,40,300, (iv) Rs. 13,05,205, (v) Rs. 32,208, (vi) Rs. 32,208,

S. S. KAPUR, Commissioner of We I'th-Tax, Central-I), Bombay.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX BOMBAY CITY

AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD

Bombay-400 020, the 23rd February 1979

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

No. 834.—The following officers are hereby appointed substantively to the posts of Income-tax Officer, Group B with effect from 19th February, 1979:—

S/Shri

- 1. V. K. Shivashankaran
- 2. I. M. Anand
- 3. P. N. Krishnan
- 4. K. V. G. Pillai
- 5. J. V. Paithankar
- 6. A. S. Ahuja
- 7. S. B. Kamat
- 8. Miss R. A. Mannekar
- 9. O. Somasekharan
- 10. S. J. Joshi
- 11. Smt. S. S. Kulkarni
- 12. K. V. Karnik
- 13. K. H. Bhuraney
- 14. V. B. Kale
- 15. P. K. Patwardhan
- 16. M. S. Pereira
- 17. M. V. Srcedharan

M. L. C. D'SOUZA Commissioner of Income-tax Bombay City-II, Bombay K. N. ANANTHARAMA AYYAR Commissioner of Income-tax Bombay City-V, Bombay R. VENKATARAMAN Commissioner of Income-tax Bombay City-VIII, Bombay S. Y. GUPTE Commissioner of Income-tax Bombay City-XI, Bombay V. D. SONDF Commissioner of Income-tax Bombay City-I, Bombay V. R. TALUADKAR Commissioner of Income-tax Bombay City-IV, Bombay KANWAL KRISHAN Commissioner of Income-tax Bombay City-VII, Bombay R. C. D. S'OUZA Commissioner of Income-tax Bombay City-VX, Bombay

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd January 1979

Ref. No. 4801.—Whereas, I, T, V. G. KRISHNAMURTHY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 12 (Door No. 6/11), situated at Krishnaswamy Nagar Lay out, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2632/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising form the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. U. R. Ramaswamy Naidu S/o Rangaswamy Naidu,
 - 2. Prema W/o Bakthaseelan,
 - 3. Vasantha W/o Narayanaswamy.
 - 4. Savithri W/o Selvaraj,
 - Chandrika W/o Srinivasalu Naidu, 18, Badhrakalimman Koil St., Uppilipalayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) K. Chinnammal W/o R. Krishnaswamy, 6/11, Krishnaswamy Nagar, Ramanathapuram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at (Site No. 12) Door No. 6/11, Krishnaswamynagar, Coimbatore (Doc. No. 2632/78).

T. V. G KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 2-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULI.UNDUR

Jullundur, the 7th April 1979

Ref. No. AP-1890.—Whereas, I. B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No. As in the Schedule situated at G.T. Road, Bye Pass, Juc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Om Parkash s/o Jagan Nath A/G of Shri Kamal Kumar S/o Jagan Nath and A/G of Ved Parkash S/o Jagan Nath Chuk Hussaina, Lamba Pind, Jullundur.

(Transferor)

(2) Vee Kay Chemical & Rubber Industry, G.T. Road, Bye Pass near Lamba Pind Chowk, Jullundur through Shri Vipan Kumar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

'erson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3849 of August, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-4-1979

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1979

Ref No. AP 1891—Whereas, I, B S DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No As per Schedule situated at Model Town, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Shri Bhola Nath Sharma S/o Rishikesh Sharma C/o Col H S Warriach 1-Cool Road Jullundui

(Transferor)

- (2) Smt Asha W/o Sunnder Mohan Kamboja, 91-L, Model Town, Jullundur
- (3) As per S No 2 above

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registration Sale Deed No 3885 of 17-8-78 of the Registering Authority, Juliundur

B. S DFHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date 31-3-79 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th April 1979

Ret. No. AP-1892,-Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at Saidan Gate, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the concealment of any income or any to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facifitaing the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

16-36GI/79

 Shri Harbans Lal adopted son of Ghanya Lal C/o Nand Lal Sohan Lal, Sabzi Mandi, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Avinash Chander S/o Sardari Lal Sudershan Rani W/o Avinash Chander, Bharat Metal Company, Bazar Peer Bodla, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fxplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3875 of August, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-4-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th April 1979

Ref. No. AP-1893.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and braing No. As per Schedule situated at Shiv Raj Garh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tullundur on August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Nirmal Kumari Wd/o Kanti Krishan, EK-181, Phagwara Gate, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Lal S/o Bhagat Rum Darshan Lal S/o Bhagwan Dass, Shivraj Garh, Jullundur

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Salo Deed No. 4196 of August, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B, S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-4-1979

Scal:

TART III—JEC. I

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th April 1979

Ref. No. AP-1894.—Whereas, I. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Adarsh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jullundur on August, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Banarsi Dass S/o Thakur Dass C o Sow Mills Qazi Mandi, Near Railway Goods Office, Jullundur.

(Transferor)

(2)Smt. Mohani Devi W/o Madan Gopal, 158-Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 (Per on in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette o a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovab'e property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of House No. 158 as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 2880 of August 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th April 1979

Ref. No. AP-1895.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at Adarsh Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Banarsi Dass S/o Thakur Dass C/o Saw Mill Qazi Mandi, Near Railway Goods Office, Juliundur.

(Transferor)

- (2) Shri Madan Gopal Gandhi S/o Mool Chand Gandhi 158-Adarsh Nagar, Jullundur.
 - (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of House No. 158 as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 4249 of September, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-4-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th April 1979

Ref. No. AP-1896.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Romesh Colony, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur on August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sneh Lata Weo Shii Jugal Kishore, Gali No. 2 Namak Mandi, Jullundui

(Transferor)

(2) S/Shri Vijay Kumar, Bikram Jeet Singh and Kiran Kumar Near New Courts, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otheral Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3893 of August, 1978 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th April 1979

Ref. No. AP-1897.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at G.T. Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sutlej Chit Fund & Financers (P) Ltd., G.T. Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Ajit Singh, Rachhpal Singh, Kirpal Singh, David Singh, Ss/o Harbans Singh, Mrs. Parkash Kaur W/o Harbans Singh, V. and P.O. Sarhal Quazian, Teh. Nawanshahr, (Transferee)

(3) As per S. No. 2 and Bank of India Commercial) Jullundur (Tenant).

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property on G.T. Road, Jullundur as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 4178 of August, 1978 of the Registering Authority, Jullundur

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 9-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th April 1979

Ref. No. AP-1898.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Basti Sheikh, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur on August, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Niranjan Singh S/o Udham Singh S/o Hira Singh, Basti Guzan, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Kartar Kaur W/o Lal Singh S/Shri Gurdeep Singh, Gurbachan Singh, Nirmal Singh, Rajinder Pal Singh Ss/o Lal Singh and Lal Singh S/o Budh Singh, Basti Sheikh, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazett; or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4151 of August, 1978 of the Registering Authority, Jullundur:

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th April 1979

Ref. No. 1899.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of he Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHFDULE situated at Raj Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Shri Lachhman Singh, Pritam Singh Ss/o Sewa Singh, Amar Kaur D/o Sewa Singh, Kapurthala Road, Jullundur. Saudagar Singh S/o Suchet Singh, Tanda Road, Jullundur. Sant Kaur Wd/o Sadhu Singh, Kapurthala Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Madan Mohan S/o Gurdial Singh, Vidya Wati Wd/o Gurdial Singh, Near Madan Flour Mills, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

to be interested in the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3898 of August, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 11-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULI UNDUR

Jullundut, the 11th April 1979

Ref. No. AP-1900. -Whereas, I, B. S. DFHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per Schedule

situated at Village Kishan Gath, Juc.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullandar on August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the the end moperty by the issue of this notice under sub-section (1) ([c tion 269D of the said Act, to the following nerrons namely : --17 - 36GI/79

(1) Shri Charan Singh S/o Boor Singh, Village Kishan Garh, fullundur.

(Transferor)

(2) Shii Major Singh S o Charan Singh, Village Kishan Gath, Jullundur.

(Transferce)

(3) As pc. S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3980 of August, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S DEHIYA

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Jullandur

Date: 11-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th April 1979

Ref. No. AP-1901.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at Village Gill, Teh. Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Mohan Singh S/o Bhagat Singh, Village Gill Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Shingara Singh, Nirmal Singh Ss/o Mohan Singh, Village Gill Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3550 of August, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 11-4-1979

(1) Shri Bhagwandas Dwarkadas Kapadia

(Transferor)

(Fransferce)

(2) M/s Aut Radio Corporation Pvt Itd

HE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMIS-SIONLR OF INCOMP-TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 31st March 1979

Ref No AR III/AP 293/78-79 —Whereas, I V. S. SESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S. No 77 (Part) Plot No 7 situated at Majas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1 9-78 (Document No 5873/72 R)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pertise has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No 5873, 72 as registered on 1-9-1978 with the Sub-Registrar, Bombay.

V S SESHADRI

Competent Authority,

Inspecting Assit Commissioner of Income tax
Acquisition Range Bombay

Date · 31-3-1979

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAWAN, PLOT NO. 31, GANESII KHIND ROAD, PUNE-411005.

Pune-411 005, the 30th March 1979

Ref. No. CA5/SR. JALGAON/Nov '78, 434.-Whereas, I SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 214B-1/2B plot No. 7 situated at Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (.6 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalgaon on 28-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mishrilal Onkardas Joshi & Sons, Jalgaon, Partner Shri Purshottam Mishrilal Joshi, 195, Bhayani Peth, Jalgaon.

(Transferor)

(2) 1. Shti Omptakash Sitatam Agrawal 2. Shri Ramnarayan Jagannath Agrawal

Shri Soma Shiviam Bhole
 Shri Chandrakant Kesharimal Rathi,

122, Navi Peth, Jalgaon,

Partners—M s. Hira Panna Builders, Jalgaon. (Transfere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at R.S. No. 214B-1/2B plot No. 7 at Jalgaon.

Arca: 6104 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2436 dated 28-11-78 in the office of the Sub-Registrur, falgaon).

> SMT. P. LALWANI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Poona.

Date: 20-31979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAWAN, PLOT NO. 31, GANESH KHIND ROAD, PUNF-411005.

Pune-411 005, the 30th March 1979

Ref. No. CA5/SR. IAI GAON Nov. '78/433.—Whereas I, SMT. P. LAJ.WANI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

R.S. No. 214/B1/2B plot No. 6 situated at Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalgaon on 28-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Michilal Onkardas Joshi & Sons, Jalgaon, Partner, Shri Purushottam Mishrilal Joshi,

105, Bhayam Peth, Jalgaon.

(Fransferor)

(2) 1. Omprakash Sitaram Agrawal

Rammatayan Jagannath Agatwal,
 Soma Shivaram Bhole

 Chandrakant Kesharinnal Rathi, 122. Navi Peth, Jalgaon.

Partners of M's, Hua Panna Builders, Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at R.S. No. 2J4/B1/2B plot No. 6, at Jalgaon.

Area: 6480 sq. ft.

(Property as de cribed in the sale deed registered under No. 2435 dated 28-11-78 in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 20 3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAWAN, PLOT NO. 31, GANESH KHIND ROAD, PUNE-411005.

Pune-411 005, the 29th March 1979

Ref. No. CA5/SR. Rahata/Dec. '78/436,-Whereas, I SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 4/2A situated at Shiridi, Dist. Ahmednagai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rahata on Dec. 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Shri Annasaheb Baburao Shende, Shirdi.

(Transferor)

 Shri Suresh Mohanrao Gordia, C/o Suresh Gordia & Co. Estate C. Consultant, 24, Veer Nariman Road, Rehman Building, 2nd floor, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atorcsaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 4/2A at Shirdi, Dist. Ahmednagar, Area: 21520 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1439 dated Dec. 78 in the office of the Sub-Registrar, Rahata).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 29-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II,

4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 2nd April 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/August-23 '78-78/79.—Whereas I, R. B. L. Aggarwal

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing

No. M-8 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the schedule unnexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Satya Bhushan, & Sh. Subhash Chander, ss/o Sh. Devki Nandan, r'o E-3, Rattan Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrl Ashok Kumar Sethi, s/o Sh. Ram Parkash Sethi, r/o J-12/44, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storyed measuring 202 sq. yds. bearing No. M-8, situated in residential colony known as Rajouri Garden, New Delhi and bounded as under:—

East: Plot No. M-9 West: Plot No. M-7

North: Road

South: Plot No. 56 & 57 Block No. O.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 2-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAI: ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 2nd April 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/August-109/3163/78 79 —Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No. A-7/5 situated at Runn Partap Bagh, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 24-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manna Singh, s/o Sh. Jawahar Singh, 1/o A-7/5, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shii Ram Chand, s/o Sh Kimat Ram Kalta, r/o A-16/1, Rana Partap Bagh, Delhi.
 - (2) Sh Aijan Dass, s'o Sh. Kimat Ram Kalra & (3) Sh. Vishan Dass Kaha, r/o C/o Rajasthan Jewellers, Maliwaia, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 23 storged building built on a plot of land measuring 490 sq. yds. bearing No Λ-7/5 situated at Rana Partap Bagh, Subri Mandi, Village Sadhora Kalan, Delhi and bounded as under:—

East: Road West: Property No. A-6/5 North: Road South: Property No. A-7/4.

R. B L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 2-4-1979

FORM IINS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 2nd April 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/August-57/3044/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 39 situated at Punjabi Bagh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 14-8-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

18-36GI/79

(1) Shri Yash Pal Madan, s/o Late Dr. Sewamadan, r/o F-38, Green Park, New Delhi Jam (2) Sh. Satya Pal Madan, s/o I ate Dr. Sewa Madan, 1/o 21, Park Area, Karol Pigh, New Lm

(Transferor

(2) Smt. Tejinder Wadhawan, w/o S. Aya Singh Wadhawan & (2) Nurnhi Kaur, w/o S. Harminder Singh, both r/o 19, West Avenue Road, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afiresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 654.63 sq. yds. bearing No. 39 situated at North West Avenue Road, Punjabi Bagh, Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

East: Property No. 37

West : Lane

North: Service Lane

South: North West Avenue Road.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 2-4-1979

Scal:

3322

FORM ITNS----

ICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II. 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 2nd April 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/August-72/3037/78-79.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5212-5213 situated at Kohlapur Road, Subzi Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Prasanti Devi, w/o Late Sh. (Sharma, r/o 319, Model Town, Delhi. Ganga Ram

(Transferor)

[PART III—Sec. 1

- (2) Shri Om Parkash, s/o Sh. Jumma Mal, r/o 5212, Kohlapur Road, Subzi Mandi, Delhi. (Transferce)
- (3) Shri Mukesh Kumar Ramphul, Sh. Lehri Singh, Sh. Hari Ram Mehra & Smt. Shyam Devi.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acqusition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 Jays from the date of publication of this notice in the Official Gazeete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storyed house with mazanine floor measuring 180 sq. yds. bearing Plot No. 8, property No. 5212-5213, situated at Kohlapur Road, Subzi Mandi, Illaqa No. 12, Delhi and bounded as under :-

20 ft. Road Kohlapur House. West:

Main Bazar Kohlapur Road Ch. Mohan Singh's House No. 5214 North:

Sh. Kanshi Ram Sehgal's House No. 5211

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II. Delhi/New Delhi.

Date: 2-4-1979

Scal:

(1) Smt. Girja Ben Trivedi, wd/o Late Sh. Kanti Lal Trivedi, r/o 6943/2 No. 2, Jaipuria Building, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DLLHI-110001

New Delhi, the 9th April 1979

Ref. No. 1AC/Acq II/August-130/3231/78-79.—Whereas I, R.B.I. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No. 6943/2, Pvt. No. 5 situated at Gali Arya Samaj No. 2, Jaipuria Building, Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 31-8-1978

lor an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Ashok Kumar Chopra, s/o Late Sh. Sat Pal Chopra, r/o 21A, Kohlapur Road, Kamla Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Pvt. No. 5X, Municipal No. 6943/2 measuring 117 sq. yds. situated at Gali Arya Samaj No. 2, Jaipurin Building, Kamla Nagar, Delhi and bounded as under:—

East: Property of Sh Ram Narain

West: Road North: Road South: Road

R. B. L. AGGARWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Dethi

Date . 9-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Dera Ismail Khan Co-Operative, House Building Society Ltd., Mubarak Bagh, G.T. Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ganpat Ram, s/o Sh. Parmanand Matta, r/o B-2, Model Town, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Dolhi, the 9th April 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/August-90/78-78/3128/79.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-231, situated at D. I. Khan Cooperative House Building Society, Multarak Bagh, G.T. Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22-8-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 268.22 sq. yds. bearing No. B-231, situated at D.I. Khan Co-operative House Building Society Ltd., Mubarak Bagh, G.T. Road, Delhi and bounded as under:—

East: Service Late
West: Plot No B-230
North: Service Late
South: 30' wide Road.

R. B. L. AGGARWAl
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 9-4-1979

Seal

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Taramani, W/o Shri Giriraj Goyal, 5-3-1053 Shanker Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Vijaya Kumar, H. No. 10-4-34 at Masab Tank, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1979

Ref. No. RAC. No. 357/78-79.---Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 9 situated at 5-8-521 Chiragali lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to bme disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9 in the House No. 56-8-521 situated at Chiragali lane Hyderabad, registered vide Document No. 2552/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-3-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1979

Ref. No. RAC. No. 358/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to us the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 7, situated at 5-8-521 at Chiragali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 10-7-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Tara Mani, W/o Giriraj Goyal, H. No. 5-3-1053 at Shanker Bagh, Osmangunj, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Husain Ali, S/o Hasan Ali, H. No. L/28 at Kareembag Colony, Chiragali lane, Hyderabad.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7 in premises No. 5-8-521 in Jagdish market, at Chiragali lane, Hyderabad, registered vide Document No. 2638/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-3-1979.

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1979

Ref. No. RAC. No. 359/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under action 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 8 situated at 5-8-521 Chiragali Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Tara Mani, W/o Giriraj Goyal, 5-3-1053 at Osmangunj, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Ali Hussain, (Minor) under guardian Sri Hussain Ali, natural father, at Karcemabad colony Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8 in the house of M. No. 5-8-521 at Chiragall lane, Hyderabad, registered vide Document No. 2639/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-3-1979,

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Kishan Parashar, 14-6-9, Begumbazar, Hyderabad.

Hyderabad.

ar, (Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1979

Ref. No. RAC. No. 360'78-79.—Whereas, I K. S. VFNKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 14, situated at 5-8-522/2 Chiragali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(1) Sri Girirat Gopal, H. No. 5-3-1053 at Osmanguni,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14 in premises No. 5-8-522/2 situated at Chiragali lane Hyderabad, registered vide Doc. No. 2650/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-3-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sil Gilliaj Goyal, II. No. 5-3-1053 at Shankerbagh near Osmangunj, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M15. D1. Sveda Ruqia, H. No. 10-2-317/31 at Vijayanagai Colony, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1979

Ref. No. RAC. No. 361/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Room No. 13, 14, situated at Chiragali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269P of the said Act to the following persons, namely:—
19—36GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office room No. 13 and 14 in the premises No. 5-8-522/2 in situated at Chiragali lane, Hyderabad, registered vide Document No. 2967/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-3-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1979

Ref. No. RAC. No. 362/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 15-1-503/A/25, situated at Siddiamber Bazar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Dinanath Modi, S/o Hanumandas Modi, 21-1-624 Urdu Shariff (Patel Market) Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Abdul Razaack Khan, H. No. 14-1-358 at Agapura, Hydcrabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 15-1-503/A/25 in the premises of 15-1-503 situated at Fheelkhana, Siddlamber Bazar, Hyderabad, registered vide Document No. 2976/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-3-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1979

No. 363/78-79.—Whereas, I K. S. Ref. No. RAC. VENKATARAMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at 5-8-522, Chiragali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri Jagdish Pershad, H. No. 21-1-293 at Rekabguni, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Syed Mazhar Hussain, H. No. 17-5-113 at Keli Mazid, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14 in the premises No. 5-8-522 situated at Chiragali lane Hyderabad, registered vide Document No. 2637/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-3-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Hotel Parklane, Pvt. Ltd., 4-3-16 at Rastrapati Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Vijayta Devi, W/o Dandoo Ekambar, H. No. 9/A at Walker Town, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1979

Ref. No. RAC. No. 364/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of situated at 4-1-419 to 423 Troop Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that premises admeasuring 115.67 Sq. Mets. land super structure forming portion of the premises No. 4-1-419 to 423 at Troop Bazar Hyderabad, registered vide Document No. 2513/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-3-1979.

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th March 1979

Ref. No. RAC. No. 365/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that 'he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 233.76 Sq. mts. situated at 4-1- 419 to 423 Troop Bazar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hotel Parklane Pvt. Ltd. 4-3-16 at Bastrapati Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Kum. Dundoo Kanchana, 2. Kum Dundoo Karuna, H. No. 9/A Walker Town Secunderabad, (Minors) Represented by their father Dundoo Ekamber.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ohter person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that premises admeasuring 233.76 Sq. Mts. land and super structure, portion of premises No. 4-1-419 to 423 at Troop Bazar Hyderabad, registered vide Document No. 2514/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 13-3-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th March 1979

Ref. No. RAC. No. 366/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of situated at 4-1-419 to 423 Troop Bazar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hotel Parklane Pvt. Ltd., 4-3-16 R.P. Road, Secunderabad.

(Transferce)

(2) Kum. Dundoo Praveena, 9/A Walker Town, Secunderabad. (Minor) represented by her father Dundoo Ekamber.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that premises 138.02 Sq. Yds. land and super structure in portion of the premises No. 4-1-419 to 423 situated at Troop Bazar, Hyderabad, registered vide Doc. 2515/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 13-3-1979.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th March 1979

Ref. No. RAC. No. 367/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. E3 situated at Domalguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Garinder Kaur Kandharl, W/o Sri Surender Singh Kandharl, Managing Partner of M/s. Kandharl Corporation, H. No. 15-1-53/3 Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Veeraiah, S/o Ramalingam, 15-5-258 at Osmanshai, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land No. E-3 at Ganganmahal Cooperative Development Society, at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 3008/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 13-3-1979,

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th March 1979

Ref. No. RAC. No. 368/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. E-3 portion situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Mrs. Garinder Kaur Kandhari, W/o Sri Surender Singh Kandhari, of M/s. Kandhari Corporation 15-1-53/3 at Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. K. Veera Lakshmi, W/o K. Raja Mowli, 15-5-258 at Osmanshai, Hyderabad.

(Transferee)

Objections if, any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land portion of plot No. F-3 at Gaganmahal Cooperative Development Society, Domalguda, Hyderabad, 299, Sq. Yds. registered vide Document No. 3009/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 13-3-1979.

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th March 1979

Ref. No. RAC. No. 369/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

3-5-784/15/1 situated at King Koti, Bishirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—36GI/79

 Syed Osman-Al-Hasine, alias Azmat Alia, S/o late Syed Asghar Al-Hasan, H. No. 3-5-784/15 at King Koti, Hyderabad. (Transferor)

(2) M/s, Kushal Apartments, Represented by its partner Smt. Nirmala Devi, Daga, W/o Sri S. L. Daga, H. No. 4-6-489 (1st floor) Esamia Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises bearing M. No. 3-5-784/15/1 at King Koti, Bushir Bagh Road, (Rajreddy Marg) Hyderabad, (admeasuring 1222 Sq. Yds.) registered vide Doc. No. 3012/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 13-3-1979.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1979

Ref. No. RAC. No. 370/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing

No. 3-5-170/A/9 situated at Naranguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri D. Narasimha Sharma, S/o D. Rama Rao, H. No. 14 at M.I.G. Colony, Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bhagawati Prasad, H. No. 3-5-170/A/9 at Narayanguda, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-5-170/A/9 situated at Narayanguda, Hyderabad, 340 Sq. Yds. registered vide Document No. 2823/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-3-1979.

of :--

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1979

Ref. No. RAC. No. 371/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 5-9-22/57, 57/1 situated at Adarshnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sri R. Madhusudan Reddy, 2. R. Raghupathi Reddy, 3. R. Pratapkumar Reddy, S. No. 1 & 3 residing at Bangalore, S. No. 2 residing at Begumpet, Hyderabad.

(Tunderor)

 (2) Sri Kanayalal, H. No. 5-9-22/31 Adharshnagar, Hyderabad.
 2. Smt. Roop, W/o Kanalyallal, Adharshnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land and Building No. 5-9-22/57, and 57/1 admeasuring 554.80 Sq. Yds. situated at Adarshuagar, Hyderabad, registered vide Document No. 2482/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-3-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th March 1979

Ref. No RAC No. 372/78-79 —Whereas, I K. S VENKA FARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. Open land situated at 6-2-30 Lakdikapul, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurtabad in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sii Mohd, Subhan Hasan Ahmedi,
 - 2 Mohd. Rizwan Hassan Ahmedi,3 Dawood Ahmed Hassan Ahmedi,
 - 3 Dawood Ahmed Hassan Ahmedi, 4 Mohd. Ilyas Ahmedi.
 - Minors by guardian & father Seth Mohd Ilyas Ahmedi, residing at Road No I, Banjara Hills, Hyderabad
 - 5. Sri Seth Mohd Ilyas Ahmedi,
 - 6 Smt Mahmooda Begum

(Transferor)

(2) Sii Sardar Amolak Singh, H. No 3-6-63 at Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 456 Sq Yds. part of property M1 No 62-30 situated at A.C guards, near Lakdikapul, Hyderabad, registered vide Document No 1958/78 in the office of the Sub-Registrat Khantabad

K. S VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date 16-3-1979 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th March 1979

Ref No RAC No 373/78 79 —Whereas, 1 K S VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and beating No

No 1-7 293/1, & 1-7-293/1/A at MG Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Mis Hilla Shapoor Moos, H No 1-7-284/288 (126) at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad (Transferor)
- (2) S/Sri D Ekamber, 2 D Vijyadevi, 3 D Vishweshwar Rao, 4 D Pushpavathi, 5 D Simandan Rao, 6 D Chandrakala, S No 1 to 2 H No 9-A at Padmaraonagar, Secunderabad S No 3 to 6 at H No 5 9 30/1/10 Bashirbagh, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aiotesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --- The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building H No 17-293/1 and 1-7-293/1/A known as Lido Restaurant' situated at Mahatama Ghandi Road, Secunderabad, registered vide Document No 1696/78 m the office of the Sub-Registrat Secunderabad

K S VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date 19-3-1979 Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th March 1979

Ref. No. RAC. No. 374/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 195 situated at Barbund Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Maimoona Hoshang Bharucha & Two others, Represented by S. M. Katrak, (G.P.A.) H. No. 209 at Sikh Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri George Fernades, H. No. 25/B at Entrenchment Road, Secunderabad.
2. Sri Fedreic Fernandes,
3. Mrs. Alfred Fernandes,
R/o 25/B at Entrenchment Road, Secunderabad.
(Transferee)

Objectition, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. 195 situated at Tarbund, Secundorabad, registered vide Doc. No. 1923/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 19-3-1979.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th March 1979

Ref. No. RAC. No. 375/78-79,—Whereas, I K S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 6-3-852/3 situated at Ammerpet, Hyderabad situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on July-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Smt. A. N. Vedambal, H. No. 6-3-852/A/2 at Ameerpet Hyderabad.
 - (2) Smt. Kasturi Rajenderan, Post Box No. 177 Soft-Kwwait.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-3-852/3 situated at Ameerpet, Hyderabad, admeasuring 176.88 Sq. Mets. registered vide No. 1818 78 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 19-3-1979.

[PART III—SEC, 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. A. M. Patel & Co., 205, Yashkamal Bldg., Barodn-390 005.

(Transferce)

(2) Shri Ramchandra Chhotubhai Mehta; C/o Shri B. K. Naik, 'Naik Villa', Pratapganj, Baroda-390 002,

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME—TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1979

Ref. No. P.R. N. 649Acq.23-1256/6-1/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 6A, Vishwas Colony, Race Course Rd. Baroda situated at Baroda Kasba S. No. 532, Plot Nos. 24, 25, 28, 29, 32 & 33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6A with a floor area of 1120 sq. ft. in the Multistoreyed building in Vishwas Colony, Race Course Road, Baroda 390 005 and fully described in the sale deed No. 3458 registered at the office of registering Officer, Baroda on 17-8-1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 2-2-1979

(1) Shri Mohanlal Nagindas Bombaywala; Vadi Street, Navsnri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sushil Apartment Coop. Housing Society Ltd., President: Shri Sukhabhai Raghabhai Patel; Hon. Secy. Shri Sumanbhai Ranchhodji Naik, Both Residing at Bombay House, Ashanagar, Navsari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1979

Rcl. No. P.R. No. 650 Acq.23 1263/7-4,78-79.—Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

New Tika No. 60, Survey No. 2753 in Ashanagar situated at Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsori in August, 1978

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21-36GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same notating as given in that Chapter,

THE SCHPDULE

Land bearing New Tika No. 60, Survey No. 2753 in Ashanagar Naysati, admensuring 495 sq. mts. and as described in the sale deed registered in August, 1978 wide Regn. No. 2623 by Registering Officer, Maysati.

S. C. PARIKII,
Competent Authority.
Inspecting Assit. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II. Ahmedahad

Date: 14-2-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th February 1979

Ref. No. R.P. No. 652Acq.23-1265/19-7/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 1867, Ward No. 1, situated at Mahidharpura, Balisheri, Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

(1) Kailashgauri Mulshanker Acharya; Hlat No. 6, 2nd Floor, Shivam Apartments, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Ramaben d/o Kalidas Ratanji Mahidharpura, Balisheri, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building admeasuring 73-57-94 sq. mts. situated at Balisheri, Mahidharpura, Surat, registered under sale-deed No. 3585 on 29-8 1978 by the Registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 20-2-1979

FORM ITNS -----

(1) Shri Pranlal Otamchand Shah, 12, Lower-Chitpur Road,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kanjibhai Jerambhai Malvi. Mahila College, Main Road, 'Parjiya'', Rajkot.

(Transleree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd February 1979

Ref. No. Acq.23-I-1912(786)/16-6/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Near Sidiwali Sheri, situated at Dhebar Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 5-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 87 sq. yds. situated near Sidiwalisheri, Dhebar Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 3256 in the month of August, 1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Alimedabad.

Date: 23-2-1979

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGL-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDΛΒΑD

Abmedabad 380 009, the 23rd February 1979

Ref. No. Acq 23-I-1911(787)/16-6/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

S. No. 457, T.P.S. No. 1 situated at Southern side to Raiya Road, Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 31-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Koli Tapubhai Raghaybhai, Vijaya Plot, Main Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Food Corporation of India, Employees Co-operative Housing Society Ltd., Amruta Estate, 4th Floor, M.G. Road, Rajkot.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sold immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1 acro & 15 gunthas bearing S. No. 457 situated at '1.P.S. No. 1, Raiya Road, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 3634 dt. 31-8-1978.

S. C. PARIKII,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-2-1979

NOTICE UNDER SUCTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGET, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASTRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-330 009, the 23rd February 1979

Ref. No. Acq 23-1-1914(788)/16-6/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 868, Plot No. B, situated at Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 18 3-1878 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Λet, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mukundbhai Keshaviam Paudit, "Sudarshau", Behind Luropean Church, Race Course Road Rajkot

(Transferor)

(2) 1. Shri Chhotalal Dharamshi, Katra of Dharamshi Kala, H.U.F. Curnar Cinema, Rajkot.

 Shir Ramesh Jammadas Kantariya, Sardarnagar West Sheri No. 4, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 1313-2-28 sq. yds. beating S. No. 868, Plot No. B situated at Pradhyuman Nagar, Behind European Church, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 3359 dated 8-8-1978.

S. C. PARIKII,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-2-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OI-FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd February 1979

Ref. No. Acq.23-I-1909(789)/16-6/78-79.— Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 896, situated at Dhebar Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 21-8-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Smt. Indna Jaysukhlal Desai, Pitru Smruti' 56, Jankalyan Society, Rajkot.

(Transferor)

(2) Haren Trust,

through: trustees:
1. Shti Jayantkumar Motichandbhai Doshi,
2. Indumati Manilal Shah,
"Ila Villa", Ashapura Road, Rajkot.

(Transferce)

(3) 1. Galord Tailors,

Voil Imporium,

- Kalpana Steel Centre,
 Shri Chamanbhai Gadhia,
- 5. Kranti Sales Agency,
 6. Bharat Surgical Corporation,
- Mahendrabhai Karthie,
- 8. Rasiklal Sagla, Saurashtra Fertilisers. "Haren Villa", Dhebar Road, Raikot.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as "Haren-Villa" standing on land admeasuring 90.6-095 sq. yds. bearing S. No. 896 situated at Dhebar Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 3491 dated 21-8-78.

> S. C. PARIKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-2-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD

Ahmedabad-380 009, the 7th March 1979

Ref. No. P.R. No. 653 Acq.23-1294/6-1/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land Survey No. 168/2 situated at Sayed Vasna area, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 11-8-78 & 13-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Ravjibhai Shivabhai Patel;

Shri Narendrakumar Ravjibhai Patel,
 Shri Chandrakantbhai Ranchhodbhai Patel,

 Shri Chandrakantbhai Ranchhodbhai Patel All staying in 'Kunj Society' Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

(2) Matrimandir Co-op. Housing Society, C/o 17, Arunoday Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferee)

Obcjetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property, being land bearing Survey No. 168/2 at Sayed Vasna, sold under 4 sale-deeds (i) 3353 on 11-8-78 (ii) 3354 on 11-8-78 (iii) 3804 on 13-9-78 (iv) 3805 on 13-9-78 and fully described in the above sale-deeds.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ahmedabad:

Date: 7-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPLIAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 9th March 1979

Re No PR 654 Acq 23-1198/19 7 78 79 — Whereas, I, S C PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein ifter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

Nondh No 100 situated at Khandwala Sheir, Wadi Falia Waid No 9, Suiat

(and more fully described in the Schedule annexed heleto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Pegistering Officer at Sulit in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

- (1) 1 Natink int Chhaganlal Dhuaj Bhavan, Peddar Road, Bombay
 - 2 Smt Hansaben w/o Nalmkant Chhagmlal Dhnaj Bhavan Peddar Road Bombay
 - 3 Dhansukhlal Chhaganlal Dhuaj Bhavan, Peddai Road, Bombay
 - 4 Smt Urvashi w/o Dhuisukhlal Chhaganlil, Dhiraj Bhusan Peddai Road, Bombay
 - 5 litendra Chhaganlal, Sikkanagar, Khetiwada Bombay
 - 6 Vibhutiben Jitendini d Sikkaniga: Khetiwadi Bombay
 - 7 Numalaben Chleigialal Hanuman Nivas, 7th Gali Khetwadi Bombay
 - 8 Ansuben Chhaganl il Hanuman Nivas 7th Gali Khetwadi, Bombay

(Transferous)

(2) Shir Ambalal Mulphai Shah Wadi Falit, Khandwala Sheri Surit

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the und refined—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Land and building situated at Nondh No. 100 in Khand wala Shert. Wadi Falia. Ward No. 9. Surat. admeasuring 310 sq. vds. duly registered with neglitering authority at Swat in the month of August. 1978.

S C PARIKII,
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Incmeotiax
Acquisition Range Ahmedabad

Date 9 3 1979 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th March 1979

Ref. No. P.R No. 656 Acq 23-1199/19-7/78-79. Whereas, I, S. C PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1998 and 1999 situated at Hanuman Pole,

Soni Falia, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---22-36GI/79

- (1) I. Taraben Vithaldas Marfatia, Soni Falia, Hanuman Pole, Surat.

 - 2 Chandrakant Vithaldas Marfatia 3 Pustul C. Marfatia. 4 Bharati Chandrakant Marfatia 1/0 Chitra West Avenue, Santacruz. Bombay.
 - 5. Sashikant Vithaldas Marlatia,
 - Madhuri Sashikant Marfatia, Vithal Sashikant Marfatia, Ratnabad, Slater Road, Bombay

(Tiansferor)

- (2) 1. Shii Gopaldas Kasandas Bodiwala,
 2 Shri Amratlal Gopaldas Bodiwala,
 3. Shri Thakordas Gopaldas Bodiwala,
 4 Shii Aivindlal Gopaldas Bodiwala,
 5 Shri Pravinchandra Gopaldas Bodiwala,

 - Smt. Chandiben Gopaldas Bodiwala Smt. Taiaben Amiitlal Bodiwala,

 - Smt. Manjulaben Aivindlal Bodiwala, Smt Minakshiben Pravinchandra Bodiwala,
 - Soni Falia, Hanuman Pole, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated Nordh No. 1998 and 1999, Hanuman Pole, Soni Falia, Surat, registered with Registering authority at Surat in August, 1978.

> S. C. PARIKH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 9-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 12th March 1979

Ref. No. Acq.23-I-2002(792)/16-/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 476, Paiki Plot No. 4-A and 4-B situated at Behind Race Course, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 14-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Harshadbhai Rasiklal Shah, Gondal Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Manjulaben Gokaldas Wadia, Mehulnagar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 776-8-0 sq. yds, bearing S. No. 476, Paiki Plot Nos, 4A and 4B situated behind Race Coure and north of Adarsh Society, Rajkot, and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 3402 dated 14-8-1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 12-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, ΛΗΜΕΦΑΒΑΦ

Ahmedabad-380 009, the 16th March 1979

Ref. No.Acq.23-I-1796(793)/18-5/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 161), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sim Survey No. 1722 situated at Opp to M.P. Shah Arts & Science College, Suiendranagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhavan in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sanghvi Products, Surendranagar, through: partner Shri Himmatlal Vakhatchand Sanghvi, Kukda Press, Surendranagar.

(Transferor)

(2) I mersion Engineering Enterprise, through partner Shri Ravjibhai Anandjibhai Patel, Nr. Railway Gate Station, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Sim Survey No. 1722, admeasuring 1112 sq. yds. situated on main road, opp: to Shri M. P. Shah Arts & Science College, Surendranagar, duly registered by Registering Officer, Wadhwan, vide Saledeed No. 1943/August, 1978 and property as fully described therein

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 16-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-890 009, the 21st March 1979

Ref No Acq 23-I 1814(794)/11-4/78 79 — Whereas, I, S C PARIKH,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 1990 situated at Kij idi Chowk. Bhojeshwai Plot Porbandar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbundar on 19 8-1979

for an apparent consideration which is less than them the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitatin githe concentent of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

(1) Smt Numalaben Valabhdas; w/o Narottamdas Anandji Buddhdev, Natver Chowk, Porbandai

(Transferor)

(2) Shii Ramniklal Jiyanlal Gajjar, Bhadrakali Road, Gajjar Engineering Works, Porbandar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 379 3 9 sq vds bearing Survey No. 1990, situated in Ward No. 3, at khijadi. Chowk Bhojeshwar Plot, Porbandar and as fully described in the sale deed. Registered vide. Registration. No. 2889. dated 19.8.1978.

S C PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I Ahmed ibid

Date 21-3--979

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 9th January 1979

Ref. No. 1II-298/Acq/78-79.—Whereas 1, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Khata No. 248, Khesia No. 156, 157, 158(old), and Khata No. 87, Khesia No. 209 (new) in Ward No. 32, situated at Mohalla Mithanpura-lala, Dist. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 23-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Λct, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kishan Tiwary S/o Shri Gulam Tiwari, r/o Mithanpur-lala, Dist. Muzaffarpur. (Transferor)
- (2) S/Shri Pramod Kumar, Anand Kumar and Binod Kumar and Subodh Kumar minor sons of Shri Ram Shresth Singh r/o Club Road, Mithanpur-lala in Muzaffarpur town. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 6 Khathas bearing Khata No. 248, Khesra No. 156, 157, 158 (old) and Khata No. 87, Khesra No. 209 (new) in Ward No. 32 of Muzaffarpur Municipality more-fully described in deed No. 9935 dated 23-7-1978 registered with D.S.R., Muzaffarpur.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bihat.

Date: 9-1-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. BIHAR

Patna, the 10th January 1979

Ref. No. III-299/Acq/78-79.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing holding No. 37, Ward No. 5, Circle No. 2, Khata No. 559

plot No. 1394

situated at Mehdichak, Bhagalpur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhagalpur on 25-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

Smt. Meera Devl w/o Shri Ajoy Kumar Sinha, advocate r/o Mohalla Mashakchak, P.S. Kotwali, Distt. Bhagalpur

(Transferor)

(2) Shri Rajballabh Narain Sinha, s/o Shri Ram Sunder Sinha, At/P.O. Rampur, Distt. Bhagalpur,

(Transferce)

(Person in occupation of the property) (3) Transferee (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 6188 sq. ft. bearing holding No. 37, Ward No. 5, Circle No. 2, Khata No. 559, Plot No. 1394, situated at Mehdichak, Bhagalpur described morefully in deed No. 7980 dated 25-7-1978 registered with the D.S.R., Bhagalpur.

> J. NATH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 10-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, RIHAR

Patna, the 9th February 1979

Ref. No. III-306/Acq/78-79.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Touzi No. 8/1, Plot No. 310, 311 and 316, Municipal Holding No. 7, formerly No. 16 under forbesganj Municipality,

situated at Forbisgani, Dist. Purnea

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Calcutta on 27-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Ginia Devi, w/o Shyamsunder Shah, 55, Lansdowne Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Indu Devi Maskara w/o Sri Rajendra Kumar Maskara.

2. Smt. Nırmala Devi Maskara w/o Sri Dilip Kumar Maskara.

3. Smt. Savitti Devi Maskara w/o Sri Jagdish Prasad Maskara.

4. Smt. Seema Devi Maskana w/o Sri Jyoti Piakash Maskara r/o 9, Jagmohan Mallick Lane, Calcutta.

Smt. Saroj Devi Maskara.
 Smt. Sharda Devi Maskara,

w/o Bijov Kumar Maskara r/o Begusarai, Bihar

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 Bighas 7 Kathas and 15 Dhurs with building, godowns, gaddi house, being Touzi No. 8/1, Plot No. 310, 311 and 316, Municipal Holding No. 7, formerly No. 16, under Foresganj Municipality, situated at Forbesganj, Dist. Purnea, described in deed No. I-3614 dated 21-7-1978 registered with the District Sub Registrar, Calcutta.

> J. NATH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihat.

Date: 12-2-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BIHAR

Patna, the 9th February 1979

Ref No III-305/Acq /78-79 --- Whereas I, J NATH, being the competent authority under section 269 of Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing No

Touzi No 8/1, Plot No 310, 311 316, Municipal Holding No 7 formerly No 16, under Forbesgan, Municipality, situated at Foribganj, Dist Purnea (and more fully described in the Schedule annexed

herto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely -

(1) Smt Gima Devi, w/o Sri Shyamsundar Shah I ansdowne Road Calcutta

(Transferor)

(2) Shii Rai Bijoy Singh Dugai, s o Late Askaran Dugai Residing at Forbesgini Dist Purner

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ga-

The terms and expressions used herein as EXPLANATION are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

I and measuring 17 Kathas and 14 Dhuis with building godowns, gaddi house, being Touzi No 8/1, Plot No 310, 311 and 316, Holding No 7 formerly No 16, under For esgani Municipality, situated at Forbesgani, Dist Putner described in deed No 13613 dated 217-1978 registered with the District Sub Registral Culcutta

> J NATH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bihai

9-2-1979 Date Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 28th February 1979

Ref. No. III-312/Acq/78-79.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Thana No. 137, holding No. 175(old), 240(new), Ward

Thana No. 137, holding No. 175(old), 240(ncw), Ward No. 10(old), No. 2(new), Circle No. 9, sheet No. 32, plot No. 727, 728 & 729, situated at Mohalla Moharampur, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 21-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—23—36GI/79

 Shri Fanindra Prasad, s/o Sri Maheshwar Pd. Sinha, resident of Station Road, Patna Presently Kanke Road, Ranchi.

(Transferor)

(2) Sri Arjun Prasad, s/o Sri Ram Kishun Pd., resident of North Mandiri, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Homestead land measuring 2 kathas 6 dhur 11 dhurki, situated at Mahalla Moharampur, P.S. Kotwali, Patha bearing Thana No. 137, holding No. 175(old), 240(new), Ward No. 10(old), No. 2(new), circle No. 9, sheet No. 32, plot No. 727, 728 and 729 registered with the Dist. Sub Registrar, Patha morefully described in deed No. 4784 dated 21-7-78.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar.

Date: 28-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, BIHAR

Patna, the 28th February 1979

Ref No 111 307/Acq/78-79—Whereas I, J NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

part of holding No 172 new, circle No 9, Ward No 2, MS Plot No 857

situated at Exhibition Road, Patna

(and more fu'ly described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 13 7 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pur poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Abhaya Nath Banerjee, s/o late Narendra Nath Banerjee, Frazer Road, Patna

(Transferor)

S/Shri
(2) Umakant Pd Sahu,
Radhakant Pd Sahu,
Riymakant Pd Sahu,
Lakshmikant Pd Sahu,
Ratnakant Pd Sahu,
Kamalkant Pd Sahu,
Sons of Sri Krishna Modan Pd Sabu,
Sahu Road, Muzaffarpur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old tenaments with vacant land and brick built khapi aposh with trees measuring 1 katha 10½ dhurs bearing part of holding No 172 new, circle No 9, Ward No 2, MS Plot No 857, situated at Exhibition Road, Patna (vide deed No 4610 dated 13 7 78 of DSR Patna).

J NATH
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar.

Date · 28 2 1979

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 28th February 1979

Ref No III-308/Acq/78-79.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

part of holding No 172(new) in circle No 9, Ward No 2, MS Plot No 857

situated at Exhibition Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 13-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the residuction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any facome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Anima Bancrjee, widow of late Sri Amar Nath Bancrjee, as self and guardian of her minor sons namely Ambeinath Bancrjee, Arupnath Bancrjee, Apurvanath Bancrjee and minor daughter namely Chandrar Bancrjee of Fraser Road, Patna

(Transferor)

S/Shri
(2) Umakant Pd Sahu,
Radhakant Pd Sahu,
Rumakant Pd Sahu,
Lakshmikant Pd Sahu,
Ratnakant Pd Sahu,
Ramalkant Pd Sahu,
Sons of Sri Krishna Modan Pd. Sahu,
Sahu Road, Muzaffarpur

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old tenaments, blick built khapraposh with vacant land and tice measuring 1 katha 101 dhuis of land bearing part of holding No 172 (new) in circle No 9, Ward No 2, MS Plot No 857 situated at Fyhibition Road, Patna (as per deed No 4611 dated 13 7-78 of DSR, Patna).

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bihar,

Date 28 2 1979

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 28th February 1979

Ref. No. III-309/Acq/78-79.—Whereas I, J. NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Holding No. 172, S.M.P. No. 857 in circle No. 9, ward No. 2.

situated at Exhibition Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 13-7-1978

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising fram the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Asok Nath Banerjee, s/o late Narendra Nath Banerjee, Frazer Road, Patna.

(Transferor)

S/Shri
(2) Umakant Pd. Sahu,
Radhakant Pd. Sahu,
Ramakant Pd. Sahu,
Lakshmikant Pd. Sahu,
Ratnakant Pd. Sahu,
Ratnakant Pd. Sahu,
Kamalkant Pd. Sahu,
Sons of Sri Krishna Modan Pd. Sahu,
Sahu Road, Muzaffarpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old tenaments, brick built khapraposh with vacant land and tree measuring 1 katha 104 dhurs of land bearing part of holding No. 172 (new) M.S. Plot No. 857, in circle No. 9, Ward No. 2 situated at Exhibition Road, Patna morefully described in deed No. 4612 dated 13-7-1978 of D.S.R. Patna.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Date: 28-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 28th February 1979

Ref. No. IJI-310/Acq/78-79.—Whereas I, J NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

part of holding No. 173 (new) in circle No. 9, Ward No. 2, M.S. Plot No. 857

situated at Exibition Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 13-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ambuj Nith Banerjee, 8/0 late Narendra Nath Banerjee, Frazer Road, Patna.

(Transferor)

S/Shri
(2) Umakant Pd. Sahu,
Radhakant Pd. Sahu,
Ramakant Pd. Sahu,
Lakshmikant Pd. Sahu,
Ratnakant Pd. Sahu,
Kamalkant Pd. Sahu,
Kamalkant Pd. Sahu,
Sons of Sri Krishna Modan Pd. Sahu,
Sahu Road, Muzaffarpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old tenaments, brick built khupraposh with vacant land and tree measuring 1 katha 10] dhurs of land bearing part of holding No. 173(new) in circle No. 9, Ward No. 2, MS. Plot No. 857, situated at Exhibition Road, Patna (as per deed No. 4613 dated 13-7-78 of D.S.R., Patoa).

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t-vx,
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Date: 28-2-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 28th February 1979

Ref. No. III-311/Acq/78-79.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

part of holding No. 172(new) in circle No. 9, Ward No. 2, at M. S. Plot No. 857

situated at Exhibitoin Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 13-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ajoy Nath Banerjee, s/o late Narendra Nath Banerjee, Frazer Road, Patna.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

S/Shri

(2) Umakant Pd. Sahu,
Radhakant Pd. Sahu,
Ramakant Pd. Sahu,
Lakshmikant Pd. Sahu,
Lakshmikant Pd. Sahu,
Ratnakant Pd. Sahu,
Kamalkant Pd. Sahu,
Sons of Sri Krishna Modan Pd. Sahu,
Sahu Road, Muzaffarpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old tenaments, brick built khapraposh with vacant land and tree measuring 1 katha 10} dhurs of land bearing part of holding No. 172(new) in circle No. 9, Ward No. 2, M.S. Plot No. 857, situated at Exhibition Road, Patna (as described morefully in deed No. 4614 dated 13-7-78 of D.S.R., Patna.

J. NATH
Acquisition Range, Bihar,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar.

Date: 28-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th March 1979

Ref. No. F. No 73/Acq/Aligarh/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule, situated at As per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 1-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Prem Shanker Jha S/o Panna Lal Jha r/o Maris Road, Aligarh.

(Transferor)

(2) Shri Ghanshyam Das Maheshwari, s/o Mool Chand Maheshwari, Old Kotwali Jaiganj Road, Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property No. 13/54 situated at Bazar Kalan (Saiafa) Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 60 000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-3-1979

Seal -

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th March 1979

Ref. No. F. No. 233/Acq/Etawah/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVFDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawab on 21-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Dr. Aftab Ahmad Shah, s/o Maulavi Gulam Jakaria Shah Marhum r/o Mohalla Katra Shamsher Khan Bahaisiat Mukhtar-ai-am Mumtaj Hussain and others.
 (Transferors)
- (2) S/Shri Rais Fatma urf Shahjad Jahan Jauja Master anwar Hussain Rahat Akil 'Ishrat Anwar s/o Master Anwar Hussain and Kanij Mohsin Jauja Mohd. Mohsin Marhum r/o Etawah Mohalla Saidvara. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shell have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One house property No. 9 & 8 Mohalla Sarai Sheikh, Ftawah sold for an apparent consideration of Rs. 32,000/-the fair market value of which has been determined at Rs. 50,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 17-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpui, the 17th Maich 1979

Ref. No TR'466/Acq/Agia/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agra on 3-8-1978

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——24-36GI/79

 Smt. Chanda Bai w/o
 Devan Das & others, r/o
 17/30 Tillemai Than Ghatia Ajam Khan, Agra.

(Transferoi)

(2) Smt. Shila Devi Jain, w/o Padam Chand Jain, Smt. Ratan Devi Jain, w/o Puran Chand Jain r/o Kutchehari Ghat, Agra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 17/80 Tilamai Than Hatia Ajam Khan Hari Parvat Ward, Agra sold for an apparent consideration of Rs. 66,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 103,600/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 17-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, KANPUR

Kunpur, the 19th March 1979

Ret. No TR/No 555/Acq./Kpi/78-79.—Whereas I, B. C CHATURVFDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have icason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sii Pran Nath Kapooi, s/o Sii Dwaika Pd., Kanpur.

(Transferor)

(2) Sii Ram Khattar, Kaita HUF Raj Khattar, Kamal Kishote Aroiu, Smt Shasht, 112/212 B Pait, Swaioopnagai, Kanpur,

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No 112/212 B Part, Swaroopnagar, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs 200,000/-the fair nurket value of which has been determined at Rs. 250,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Seal:

Date: 19-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th March 1979

Ref. No. 552/Acq./Kanpur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule, situated it As per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at kanpur on August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth.tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Shri Indra Gupta, Vibhu Gupta and others d/o Sri Shivpal Nawabnagar, Lucknow.

(Transferor)

(2) S/Shri Jamuna Prasad Agrawal and others sons of Sri Shyam Sunder Agrawal, 112/212 Swaroopnagar, Kanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in hte Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 117/128 Sarvodayanagar, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 220,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 343.750/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Date: 19-3-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st March 1979

Ref. No. F. No. 440/Acq/Jalaun/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule, situated at As per Schedule, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalaun on 5-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaic property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Narain s/o Matadin r/o post Navar Pargana & Distt. Jallaun.

(Transferor)

(2) Smt, Jamuna Devi Shukla w/o Anjani Kumar Shukla 1/o post Navar Pargana & Distt. Jallaun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, situated at village Navar Pargana & Distt. Jalaun sold for an apparent consideration of Rs. 30,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 55,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income--Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 21-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1). OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st March 1979

Ref. No. F. No. 109/Acq/KPR/78-79.—Whereas J, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule, situated at As per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 14-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Raghuvir Singh 570 Sardar Kundan Singh Quarter No. 98 Block N.I.I.G. Municipal No. 133/ 27/98, Kidwainagar, Kanpur.

(Transferor)

 Sardar Amarjit Singh, s/o Brijmohan Singh Bhatia, L.I.G. 133/27/98 Kidwainagar, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 133/27 98 Kidwainagar, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 42,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 60,000 '-

B. C. CHATURVFDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 21-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, KANPUR

Kanpur, the 21st March 1979

Ref. No. 7R No. 619 'Acq/F, Bad/78-79,—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the onice

Farrakhabad on 4-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kailash Narain, s'o Maharai Shiv Narain, r/o Mohally Lohai, West Farrakhabad.

(Transferoi)

(2) S/Shri Shailendra Singh,
litendra Singh,
Bhupendra Singh,
Ramendra Singh,
sons of Chavinath Singh, Vilayat
1/o Nagala Harsinghpur, Mauja Gurgav,
Pargana 'Mohamdabad', Post Kaghiana,
Distt. Fariukhabad.

(Transferees)

Objections, if any to the acqusition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, situated at Mauja Naigai, Pargana Mohamdabad, Distt. Farrakhabud sold for an apparent consideration of Rs. 16,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 82,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 21-3-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st March 1979

Ref. No. F. No. 110/Acq/KPr 78-79.—Whereas IB. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpun on 2-8-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—

(1) S&Shri Danial Rasd Ali Khan s o kunwar Ismail Ali,
r/o Kothi Danul-Islam Amir Nisha,
Civil Lines Shahar kol, Distt. Aligath
Mukhtar-ai-am Mst. Amir Bano, w/o
Majjur Husain,
Mohd. Ajum,
Mohd. Naim,
Mohd. Naim,
Mohd. Nigahat Parvin,
Mu. Bibi Nigahat Parvin,
Mu. Bibi Nuhat Parvin Dakhtar
sa. Manjur Hussain
r/o Amir Nisha, Civil Lines,
Shahar Kol, Distt. Aligath.

(Transferors)

(2) S/Shri Ashiq Ali s o Haji Madai Bux, Mohd. Faruq, s o Nizamuddin, r/o 101/94 'Lalaq Mohal, Kayasthana Road, Kanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 97/120 Talaq Mohal, Abdul Gani Road, Kanpur sold for an applicant consideration of Rs 45,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 57,200/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 21-3-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 23rd Match 1979

Ref. No. 677-A Kanpur, 78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and beating No.

number AS PFR SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 23-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

 S Shri B. D. Mista s/o Baijnath Misra 120/184, Natainpurwa, Jajpatnagar, Kanpur.

(Transferor)

 S/Shri Kailash Chandia, Devendra Kumar, Ashok Kumar Ramesh Chand sons of Sri Ram Das r/o 122/69 Sarojani Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House property No. 120/184 Lajpatnagar, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 80,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 103,869/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Seal:

Date: 23-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpui, the 26th Maich 1979

Ref. No. F. No 222/Acq/Rath/78-79.--Whereas I B, C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

number AS PER SCHEDULF situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rath (Hamirpur) on 28-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
25—36GI/79

- Smt. Sarojini w/o Sri Pragi Lal r/o Vihuvi Pargana Muskara, Tah. Maudaha, Distt. Hamirpur and others (Transferor)
- S/Shri Mohar Singh, Karan Singh, Ram Kumar, Bal Mukund, Ram Lakhan s/o Sardoi Pangana & Teh. Rath, Distt. Hamirpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 74 Acre situated at Nauranga Tehsil Rath Distt. Hamirpur sold for an apparent consideration of Rs. 16,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 87,400/-.

B. C. CHATURVEDI.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 26-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 26th March 1979

Ref. No. TR/565/Acq/Chh. Mau/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE DULE

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chibramau on 19-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

- S/Shri Yogesh Chandra, Rajesh Chandra sons of Sri Ram Narain r/o Lachwai Post Chibra Pargana, Tah. & Distt. Etawah.
 - (Transferor)
- S/Shri Munim, Rameshwar, Shanti Swarup, Ram Babu sons of Hazari Lul present resident of Uncha Post Khas Pargana & Tah. Chibramau, Distt. Farrakkhabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7.73 Acre, half portion situated at Mauja Uncha Tahsil Chibramau Distt. Farrakhabad sold for an apparent consideration of Rs. 29,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 62,020/

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kunpur.

Date: 26-3-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 26th March 1979

Ref. No. TR/524/Acq./F.bad/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Firozabad on 17-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:

 Smt. Bramha Devi w/o Lala Basant Lal, Sajan Behari s/o Lala Basant Lal and others r/o Jalesar Road, Kasba Firozabad, Distt. Agra.

(Transferor)

 S/Shri Suiesh Chandia Agaiwal s/o Lala Sripat Lal, Jhoj Kumar s/o Suresh Chandra r/o Hanumanganj, Kasba Firozabad, Distt. Agra and others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property land 22292 sq. ft. Mohalla Nai Basti Firozabad sold for an apparent consideration of Rs. 90,000/the fair market value of which has been determined at Rs. 3,75,000/-.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 26-3-1979

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpui, the 26th March 1979

Ref No. TR/566/Acq/Chh Mau/78-79—Whereas I, B C CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDUL! (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chibramau on 19 9-79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasoin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Smt Shyam Payari w/o Jageshwai Piasad 1/o Nagala Durga Mauja & Post Mighauli Pargana & Fahsil Chibramau, Distt Fariakhabad

(Transferor)

2 Smt Katori Devi w/o Matadin 1/o Mighauli Mauja & Post Mighauli Pargana & Tah Chibramau, Distt Farrakhabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3.46 Acres situated at village Mighauli, Pargana Chibramau, Distt Farrakhabad sold for an apparent consideration of Rs 36,000/ the fair market value of which has been determined at Rs 55,360/

B. C. CHATURVED!
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 26 3 1979 Seal

1 S/Shii Girvar Sahai s/o Sitaram r/o Manimau Parg & Tah Kannauj, Distt Fairakhabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2 S/Shii Ajit Kumar, pramod Kumai, Rajnish Kumar sons of Sidhan Dayal and others r'o Narain Puiwa Mauja Udalpur, Parg Kannauj, Disti Fariakhabad (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Kanput the 26th March 1979

Ref. No. TR/582/Acq/Kannauj/78 79—Whereas J, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000'- and bearing No

AS PFR SCHEDULE situated at AS PFR SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kannauj on 20-8 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 523 Acre situated at Mauja Manimou Patgana Kannauj, Distt Farrakhabad sold for an apparent consideration of Rs 80,000/- the fair market value of which has been determined at Rs 115,000/

B C CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpui

Date 26 3-1979

Scal:

 S/Shri Jai Chand and Jai Kishan r/o 235 Nai Basti, Purani Munsafi, Gaziabad.

(Transferor)

 S/Shri Bramha Nand s/o Lakhi Ram c/o M/s. Lakhi Ram Bramha Nand, Cloth Merchant Jawahar Gate, Gaziabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th March 1979

Ref. No. 616-A/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PFR SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 8-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 248 and 249-A Jawahar Gate, Gazia-bad sold for an apparent consideration of Rs. 55,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 102,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 28-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1() S/Shri Girdhari Lal s/o Adopted Sri Kedarnath Ji r/o Kasba Hapur Mohalla Khirki Bezar, Gaziabad. (Transferor)

(2) S/Shri Sarfıaj Khan, Usman Khan, Rizvan Khan s/o Mohd, Ismail r/o vill. Asora Parg. & Tah. Hapur Post Khas, Distt. Gaziabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 29th March 1979

Ref. No. 242-A/Gaziabad/78-79.—Whereas I, B, C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 30-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at vill. Dharikhera, Distt. Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 165,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 240,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 29-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 29th March 1979

Ref. No. 236-A/PN.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 16-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Anil Kumar Urf Anil Singh, Sri Ajai Kumar Urf Ajai Singh s/o Sri Kripal Singh r/o Mohalla Mohanpuri, Meerut through Sri Kripal Singh.

(Transferor)

(2) S/Shri Pisar Chaudhaiy Ghanshyam Singh Mukhtarai-am Sri Jagvir Singh Khokhar s/o Sri Mullan Singh r/o Mauja Badarkha Post Chaprauli, Tah. Bagpet, Distt. Mecrut.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Mohalla Mohanpuri, Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 90,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 133,275/-.

B. C. CHATURVEDI,
Compotent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 29-3-1979

 S/Shri Shiv Karan, Kokaran, Jai Karan s/o Ram Nath Misra r/o Oria Post & Tah. Ghatampur, Dist. Kanpur.

(2) S/Shri Bhagwandin s/o Kamla Shiv Narain Singh Devi Singh r/o Dandari Post & Tah Ghatampur,

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 29th March 1979

Ref. No. 658-A.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghatampur on 16-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—26—36GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Distt. Kanpur.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Gunuthupur, Tah. Ghatampur sold for an apparent consideration of Rs. 44,600/-the fair market value of which has been determined at Rs. 74,500/-.

B. C. CHATURVFDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 29-3-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 29th March 1979

Rcf. No. 828-A/M.Nagar/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVFDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHFDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on 17-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Jodilal s/o Sarupa r/o Kandhala Pargana Khas Tahsil Budhana, Distt. Muzailarnagar.

(Transferor)

(2) S. Shri Sripal Jain s/o Jiya I al, Jinda s/o Mohd. Yasin r/o Garhi Daulat Pargana Khas Tahsil, Budhana, Distt. Muzaffatnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Kondhala sold for an apparent consideration of Rs. 38,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 70,000/-.

B C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 29-3-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 4th April 1979

Ref. No. 262-A.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Budhana on 17-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Anand Prakash s/o Bramha Singh Tyagi r/o Tinkarpur Pargana Shikarpur, Tahsii Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Hari Kishan, Harpal Singh, Rishipal Singh, Krishnapal Singh sons of Hardayram, Bhupendra s/o Bramha Singh guardian Hardayram s/o Raj Singh, Niranjan Singh s/o Mangal Singh r/o Rasulpur Jatan Pargana Shikarpur, Tahsil Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Dinkarur Pargana Shikarpur, Tahsil Budhana, Disti. Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of 38,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 68,000/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-4-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd April 1979

Ref. No. 244-A/PN/78-79.—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sardana on 9-8-78

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Surendra Singh s/o Raghuvir Singh, Virendra Singh adopted son Laxman Singh through Smt. Mahendra Pal Kumari w/o Laxman Singh Mother and Mukhtar-ai-khas Virendra Singh s/o Laxman Singh r/o village Tamnoti Pargana, Varnavi, Tahsil Sardana, Distt. Meerut.

(Trunsferor)

(2) S/Shri Katar Singh, Vikram Singh s/o Aman Singh, Mahendra Singh, Ranvir Singh s/o Ameram r/o village Sirsali Pargana Varnata Tahsil Sardana, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Sarsali Tahsil Sardana Distt. Mecrut purchased for an apparent consideration of Rs. 39,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 57,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 3-4-1979

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpul, the 3rd April 1979

Ref No 250 A/PN/Mcciut -- Whereas I, B C CHATUR-VLDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fail market value exceeding Rs 25,000/ and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Saidana on 7878

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Tariff s/o Karam Singh r o village Dulheda Chauhan Uargana Daurala, Tahsil Sardana, Distt. Meerut

(Transferor)

(2) S/Shri Onkai Singh, Raj Kumai, Vinod Kumai sons of Raghuvai Dayal r/o village Dulheda Chauhan Patgana Dauiala, Tahsil Sardana, Dist Mecrut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Dulheda Chauhan, Pargana Daurala, Tahsil Sardana, Distt Meerut soid for an apparent consideration of Rs 36,450/- the fair market value of which has been determined at Rs 56,000/-

B C CHATURVLDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 3 4 1979 **Seal**.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW 57—RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 30th March 1979

Ref. No. S-172/Acquisition.—Whereas, I, AMAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

53-Shahganj, Allahabad situated at Shahganj, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 21-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sudhir Tandon &others.

(Transferor)

(2) Sudhir Kumar Keswani & others.

(Transferee)

(3) Sudhir Tandon.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house No. 53 Shahgani, Allahabad and all that description of the property which is mentioned in Form 37-G and sale-deed registered in the Office of the Sub-Registrar, Allahabad on 21-8-1978

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 30-3-1979

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINA-TION (1979) FOR PROMOTION TO THE GRADE OF ASSISTANT ENGINEER (C.P.W.D.)

New Delhi, the 28th April 1979

No. F.25/1/79-E.I.(B).—A limited departmental competitive examination for promotion of Junior Engineers (Civil/Electrical) to the Assistant Engineers' Grade (Civil/Electrical) in the Central P.W.D. will be held by the Union Public Scrvice Commission on 18th September, 1979 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, DISPUR (GAUHATI), KATHMANDU, MADRAS, NAGPUR and PORT BLAIR in accordance with the Rules published by the Ministry of Works and Housing in the Gazette of India, dated 28th April, 1979

THE CENTRES AND THE DATE OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Anexyre, Para 8).

- Assistant Engineer (Civil ... 124 (includes 19 vacancies reserved for Scheduled Castes and 9 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
- (ii) Assistant Engineer (Electrical, (includes 4 vacancies reserved for Scheduled Castes and 2 vucancies for Scheduled Tribes candidates).

The above numbers are liable to alteration.

N.B.—Candidates should indicate clearly in their applications the Grade l.e. Assistant Engineer (Civil) or Assistant Engineer (Electrical) for which they wish to compete.

3. A candidate sceking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2 00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2 00 will in no case be refunded.

Note.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Limited Departmental Competitive Examination (1979) for promotion to the grade of Assistant Fngincer (C.P.W.D.). Applications on forms other than the one prescribed for the Limited Departmental Competitive Examination, (1979) for promotion to the grade of Assistant Engineer (C.P.W.D.) will not be entertained.

4. The completed application form must teach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 11th June 1979 (25th June, 1979) in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadween from a date prior to 11th June, 1979, accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 11th June,

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPI YING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

6. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes will be made to candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

7. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE. AFTER HF HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BF FNTFRTAINFD UNDER ANY CIRCUMSTANCES

R. S. AHLUWALIA,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNFXURE

Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The canditions prescribed cannot be relaxed.

BIFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SFLECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REOUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SFLECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission

- 3 A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSPD Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See pain 5 of Notice)
 - (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
 - (iii) Attested certified conv of certificate in upport of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable [See para 4(iii) below].
 - (iv) Attendance Sheet (attached with the Application form), duly filled

NOTE—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPY OF CERTIFICATE MENTIONED AT ITEM (iii) ABOVE AITESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVFRNMENT OR CERTIFIED BY C'ANDIDATES THEMSI LVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIFW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATE MENTIONED ABOVE THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER, 1979. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATE IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CHRITICATE IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THEY WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION

- 4. Details of the documents mentioned in items (i) to (m) of para 3 are given below:
- (i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Fach Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi, General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary. Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

- (ii) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance sheet in the space provided therein. Hach copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- (iii) A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim on attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; and if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

Order. 1951*;

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956. The Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes, Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Damon and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

*Please delete the words which are not applicable.

Note—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

- **Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.
- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Isub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii) and 3(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the amplication and in any case they must reach the Commission's office within one mouth after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

- 5. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.
- Cundidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.
- 6. The fact that an application form has been supplies on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipro facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 7. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 8. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date, of the result of his application, It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result, Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 9. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

- 10. Communications Regarding Applications.—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE. NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

11. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT 10 TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.